जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 8 नवम्बर, 2026

KEDIA आरण्यम
ADDRESS. LIFESTYLE. STATUS.

RAJ/P/2026/5326

दिवाली बाद
₹20,000 होगी रेट!

नीमकाथाना की पहली गेटेड टाउनशिप

NO MIDDLE MEN

आज का रेट
प्लॉट ₹18,000/ वर्ग गज

कल की रेट
प्लॉट ₹20,000/ वर्ग गज

FIXED PRICE

1 दुकान की कीमत: ₹16.50 लाख
2 दुकानों की कीमत: ~~16.50x2 = ₹33 लाख~~ ₹25 लाख



KEDIA®
1800-120-2323
78770-72737
info@kedia.com
www.kedia.com
T&C Apply*

RERA No.: RAJ/P/2023/2387

दिवाली का सबसे बड़ा
डिस्काउंट
पूरे 10 लाख रुपये की छूट
अब कुछ ही यूनिट बाकी हैं

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर



FLAT STARTS
~~74 Lacs~~ @64 Lacs

KOTHI STARTS
~~1.18 Cr~~ @1.08 Cr

AJMER ROAD, JAIPUR
RERA No.: RAJ/P/2023/2387

Kedia's THE KOTHI
भव्य•उत्कृष्ट•श्रेष्ठ



KOTHI STARTS
~~50 Lacs~~ @40 Lacs

SIRSI ROAD, JAIPUR
RERA No.: RAJ/P/2021/1523

A Project By Kedia
THE KUNBA
बड़े परिवारों के लिए



SHOP
~~30 Lacs~~ @20 Lacs

KOTHI STARTS
~~70 Lacs~~ @60 Lacs

PRATAP NAGAR , JAIPUR
RERA No. RAJ/P/2022/1900

KEDIA'S
Corporate Club
RESIDENTIAL APARTMENTS



2BHK
~~37 Lacs~~ @27 Lacs

3BHK
~~45 Lacs~~ @35 Lacs

VAISHALI EXTENSION, JAIPUR
RERA No.: RAJ/P/2017/178

KEDIA®
1800-120-2323
info@kedia.com
www.kedia.com
78770-72737

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

क्षमा ब्रह्म है, क्षमा सत्य है, क्षमा भूत है, क्षमा भविष्य है, क्षमा तप है, क्षमा पवित्रता है, क्षमा ने ही संपूर्ण जगत को धारण कर रखा है। –वेदव्यास

कौन भीतर आएगा

'तुलसी बब्बा कह गए हैं'–तुलसी और सनातन के आलोक में समकालीन जीवन तथा मानवीय मूल्यों पर साप्ताहिक अतिथि विचार–श्रृंखला की यह पांचवीं कड़ी है।

नैमिषारण्य में चक्रतीर्थ और ललिता देवी के दर्शन के बाद हम सूत गद्दी की ओर जा रहे थे। रास्ते की एक पौधशाला में बीजों की थैलियाँ देखकर ठिठक गए। दो युवक फलियाँ तोड़कर बीज निकाल रहे थे। पास रखी कॉपी में पेड़ों के स्थानीय नाम, संग्रह के स्थान और तारीखें दर्ज थीं; कुछ खाने खाली भी थे। भीतर कुछ युवाओं को बीज से पौधे उगाने का प्रशिक्षण दिया जाना था।

पुष्पा बोलीं, बीज तौ जेई बटोर के लाए हैं। सीखबे कौ हक इनको सोई तौ बनत है।

आयोजन सँभाल रहे सज्जन ने सहज भाव से बताया कि प्रशिक्षण की सूची कॉलेज से आई है; ये दोनों बीज जुटाते हैं। उनकी बात में तिरस्कार नहीं था, काम का एक प्रचलित बँटवारा था। मैंने कहा कि इनका अनुभव भी प्रशिक्षण में काम आएगा। वे सहमत हुए और दोनों युवक भीतर बैठ गए।

पुष्पा ने धीरे से कहा, आज तुमाए कहे सें बैठ गए। अगली बेर तुम इते नईं रैहौ, तब?

उनका प्रश्न किसी की सदाशयता पर नहीं था, उस व्यवस्था पर था जिसमें किसी का प्रवेश अब भी किसी परिचित के आग्रह का मोहताज हो। यही इस कड़ी का प्रश्न है: जाति, वर्ग और पद प्रवेश तथा अवसर क्यों तय करें? इनका प्रभाव हमेशा निषेध के बोर्ड पर नहीं लिखा मिलता। वह हमारी सूचियों, संबोधनों और इस सहज अनुमान में रहता है कि कौन सिखाएगा और कौन केवल सामान पहुँचाएगा। दरवाजा खुला हो, पर निमंत्रण कुछ ही घरों तक जाए, तो भीतर की बैठक सबकी नहीं होती।

पुष्पा ने कॉपी की ओर देखा और कहा, सबरी के इते राम खुदई गए हते। उननें भगति देखी कि कुल–जात?

शबरी के आश्रम में राम का उत्तर इस प्रश्न का सबसे सीधा पाठ है:–

कह रघुपति सुनु भामिनि बाता। मानउँ एक भगति कर नाता।।
जाति पाँति कुल धर्म बड़ाई। धन बल परिजन गुन चतुराई।।

रामचरितमानस, अरण्यकाण्ड, दोहा 35 से पूर्व, चौपाई 2–3।

राम कहते हैं कि वे एक ही नाता मानते हैं, भक्ति का। जाति, कुल, धन, बल, परिजन, गुण और चतुराई, आगे की पंक्ति में ये सब भक्ति के बिना ऐसे हैं जैसे जलहीन बादल। मूल प्रसंग भक्ति का है, इसे नौकरी या प्रशिक्षण की पात्रता का नियम बना देना अनुचित होगा। पर यह हमारी दृष्टि की परीक्षा अवश्य करता है:– कहीं हम किसी से मिलने से पहले उसका सामाजिक परिचय ही उसका पूरा मूल्य तो नहीं मान लेते?

गीता इसी दृष्टि को ज्ञानी का लक्षण बनाती है:–

विद्याविनयसम्पन्ने ब्राह्मणे गवि हस्तिनि।
शुनि चैव श्वपाके च पण्डिताः समदर्शिनः।।

श्रीमद्भगवद्गीता 5.18।

समदर्शिता का अर्थ यह नहीं कि सबकी योग्यता एक मान ली जाए। हाथी और गाय एक काम नहीं करते। अर्थ यह है कि भेदों के बीच भी किसी के अस्तित्व और संभावना को तुच्छ न माना जाए। भेद काम का हो सकता है; मनुष्य का नहीं।

मैंने अपनी आपत्ति रखी, लेकिन बीज का काम नाजुक है। गलत भंडारण से बीज मर जाएँ तो वन के पुनर्स्थापन को नुकसान होगा। जिम्मेदारी के लिए कौशल चाहिए।

पुष्पा का उत्तर स्पष्ट था, परख करो, खूब करो। पै सीखबे कौ मौका तौ देओ। बिना पानी दए पौधा की ऊँचाई नापबो कौन की चतुराई आय? जौन खों अजोग कहत हौ, पैले जे देख लेओ कि ऊखों ठौर मिलो हतो कि नईं।

उनका आग्रह अनुभव को अचूक मानने का नहीं था, परीक्षा से पहले अभ्यास का रास्ता खुला रखने का था। मेरे प्रश्न में एक अनकहा खतरा भी था: कहीं 'कौशल' की कसौटी उसी द्वार पर चौकीदार न बन जाए जिसके भीतर कौशल सिखाया जाता है। जिसे अभ्यास नहीं मिला, उसकी कमी दिखती है; अभ्यास न देने वाली व्यवस्था नहीं दिखती। फिर वही कमी उसे बाहर रखने का कारण बन जाती है। यह चक्र तोड़ना समता का पहला काम है।

तभी एक युवक बताने लगा कि कुछ बीज देर तक रखे जा सकते हैं, कुछ को पकते ही बोना पड़ता है। पेड़ पहचानना, पकने का समय जानना और बीज बचाकर लाना उसके हाथ का ज्ञान था। अंकुरण की जाँच वह नहीं जानता था, सीखना चाहता था। उसका अनुभव अधूरा था, जैसे किसी प्रशिक्षक का स्थानीय वन का अनुभव अधूरा हो सकता है। दोनों का मिलना पौधशाला की जरूरत थी।

इसलिए इस कड़ी का उत्तर सद्भाव पर नहीं रुकता। जाति, वर्ग और पद प्रवेश तय न करें, इसके लिए किसी भले मनुष्य का आग्रह पर्याप्त नहीं; व्यवस्था बदलनी होगी। सूचना किन घरों तक पहुँचती है, बैठक का समय किसकी सुविधा से तय होता है, बोलने और जिम्मेदारी पाने का पहला अवसर किसे मिलता है, इसका हिसाब संस्था रखे। वंचित व्यक्ति को केवल प्रतीकात्मक स्थान देकर संतोष न हो; दक्षता की परख बनी रहे, पर दक्षता अर्जित करने का अवसर जन्म, वर्ग या परिचय से न रुके।

श्रीमद्भागवत में नारद युधिष्ठिर से वर्ण के लक्षणों पर कहते हैं:–

यस्य यल्लक्षणं प्रोक्तं पुंसो वर्णाभिव्यञ्जकम्।
यदन्यत्रापि दृश्येत तत्तेनैव विनिर्दिशेत्।।

श्रीमद्भागवत 7.11.35।

जिस लक्षण से किसी वर्ण की पहचान बताई गई है, वह लक्षण अन्यत्र दिखे तो पहचान उसी से हो। इससे वर्णव्यवस्था के उन्मूलन का दावा नहीं निकलता, पर जन्म देखकर गुण का निर्णय कर लेने की आदत अवश्य प्रश्न के घेरे में आती है। आज कोई कहाँ जन्मा, कैसे कपड़े पहनता है, कौन सी बोली बोलता है, इससे उसकी सीखने की क्षमता तय नहीं होती।

पुष्पा ने पूछा, औ जिनकी पढ़ाई अधबीच छूट गई, वे कहाँ जाएँ?

ब्रह्मसूत्र का विधुराधिकरण ठीक यही प्रश्न उठाता है:–

अन्तरा चापि तु तद्दृष्टेः।।

ब्रह्मसूत्र 3.4.36, शांकरभाष्य सहित।

भाष्य उन पर विचार करता है जो निर्धनता या परिस्थितिवश आश्रम के नियमित क्रम में नहीं रह पाए, और रैक्व तथा वाचक्नवी के उदाहरण से उनका ब्रह्मविद्या का अधिकार स्वीकारता है। यह आधुनिक प्रवेश–विधान नहीं, पर उस संवेदना का शास्त्रीय आधार है जो नियमित मार्ग से छूटे मनुष्य की संभावना बचाती है। दूसरी बार पढ़ने, काम करते हुए सीखने और अनुभव को प्रमाणित करने के अवसर इसी संवेदना के आज के रूप हैं।

तभी उसी युवक ने बताया कि उसकी माँ भी बीज पहचानती और जुटाती हैं। पुष्पा ने पूछा, उनके लघे प्रशिक्षण की खबर पहुँची हती? बात एक और नाम जोड़ने से बड़ी हो गई। बैठक का समय कौन तय करता है? घर और आजीविका सँभालने वाली स्त्रियाँ उसमें आ सकेंगी? आने का किराया और छूटी मजदूरी कौन देखेगा? मुफ्त प्रशिक्षण भी किसी परिवार को बहुत महँगा पड़ सकता है। इन बाधाओं को समझना कृपा नहीं, घोषित अवसर को व्यवहार में सुलभ बनाना है।

पुष्पा ने कहा, दूसरे की बात सुनकें अपनो ज्ञान घट जात है का? गगरी में पानी डारे सें गगरी छोटी नईं होत। और तुलसी के संत–लक्षण याद दिलाए:

निज गुन श्रवन सुनत सकुचाहीं। पर गुन सुनत अधिक हरषाहीं।।
सम सीतल नहिं त्यागहिं नीती। सरल सुभाउ सबहि सन प्रीती।।

रामचरितमानस, अरण्यकाण्ड, दोहा 46(क) से पूर्व, चौपाई 1।

राम नारद से संतों के लक्षण कहते हैं: अपने गुण सुनकर सकुचाना, दूसरे के गुण सुनकर हर्षित होना, समभाव और शीतलता रखते हुए भी नीति न छोड़ना। 'सम' के साथ 'नहिं त्यागहिं नीती' का आना महत्त्वपूर्ण है। समता नियम का त्याग नहीं; नियम को सबके लिए सुलभ बनाना है। विशेषज्ञ को यह विनय मिले तो दूसरे का ज्ञान उसे खतरा नहीं लगता।

उस दिन दोनों युवक प्रशिक्षण में बैठे। अगली सूचना बीज जुटाने वाले परिवारों, स्त्रियों सहित, तक पहुँचाने और उनसे समय पूछने की बात हुई। उससे आगे का परिणाम हमारे सामने नहीं था।

इसलिए इस कड़ी का उत्तर सद्भाव पर नहीं रुकता। जाति, वर्ग और पद प्रवेश तय न करें, इसके लिए किसी भले मनुष्य का आग्रह पर्याप्त नहीं; व्यवस्था बदलनी होगी। सूचना किन घरों तक पहुँचती है, बैठक का समय किसकी सुविधा से तय होता है, बोलने और जिम्मेदारी पाने का पहला अवसर किसे मिलता है, इसका हिसाब संस्था रखे। वंचित व्यक्ति को केवल प्रतीकात्मक स्थान देकर संतोष न हो; दक्षता की परख बनी रहे, पर दक्षता अर्जित करने का अवसर जन्म, वर्ग या परिचय से न रुके।

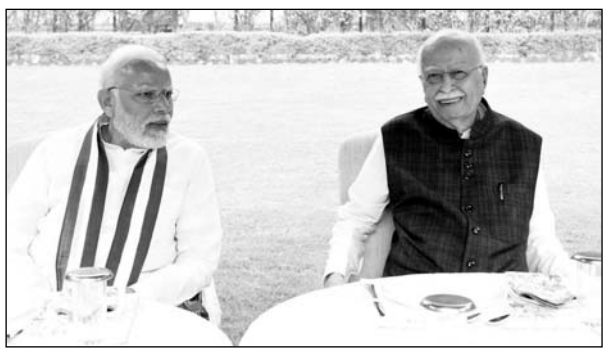
चलते समय पुष्पा मुस्कराईं, अब चलो। इनें सोई पढ़न देओ। कॉपी खुली थी। उसमें अनुभव दर्ज था, कुछ खाने अगली सीख के लिए खाली थे। समता का अर्थ उस खाली खाने को किसी की जन्मजात सीमा मान लेना नहीं, उसे भरने का अवसर सबको देना है। भीतर आने का रास्ता तभी पूरा खुलता है जब आगे बढ़ने का रास्ता भी खुला रहे।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।

आडवाणी जी: एक शताब्दी की ओर बढ़ती प्रेरणादायी यात्रा



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी



आज 8 नवंबर को श्रीलालकृष्ण आडवाणी जी अपने जीवन के सौवें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। ये कितना सुखद संयोग है कि आज ही दीपावली का पावन पर्व भी है। प्रभु श्रीराम और दीपों के इस उत्सव के साथ आडवाणी जी के जीवन का इतना महत्वपूर्ण पड़ाव जुड़ना, इस अवसर को और भी यादगार बनाता है। इस संयोग को एक और बात विशेष बनाती है। इसी वर्ष हम जनसंघ की स्थापना के 75 वर्ष, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती भी मना रहे हैं।

आज का ये अवसर मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत भावुक कर देने वाला है। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे हमेशा आडवाणी जी का स्नेह, सान्निध्य और मार्गदर्शन मिलता रहा है। आज उनके साथ बिताए हुए अनगिनत पल, उनसे जुड़ी कितनी ही स्मृतियां मन में उमड़ रही हैं।

सार्वजनिक जीवन में काम करते हुए कई दशक पहले मुझे उनके संपर्क में आने का अवसर मिला था। धीरे-धीरे हमारा ये संबंध इतना आत्मीय हो गया कि वे मेरे लिए अभिभावक की तरह बन गए। उन्होंने मेरा हाथ थामकर मुझे राजनीति की बारीकियां सिखाईं, कदम-कदम पर मेरा मार्गदर्शन किया। जीवन में जब भी कोई कठिन परिस्थिति आई, उनका अनुभव और उनकी सीख मेरे लिए संबल बने। उनकी वैचारिक स्पष्टता, उनका आत्मविश्वास और अपने सिद्धांतों के प्रति उनकी अटूट निष्ठा ने मुझे हमेशा प्रेरित किया।

आज भी जब मैं उनसे मिलने जाता हूं, तो उनके साथ बिताया हुआ समय मुझे नई ऊर्जा और नई प्रेरणा से भर देता है। आज इस अवसर पर श्रद्धेय आडवाणी जी के लिए मन में एक ही भाव उमड़ रहा है...

जीवेत शरदः शतं, पश्येम शरदः शतं।
शृणुयाम शरदः शतं।

ऐसे व्यक्तित्व बहुत कम हैं, जिनके जीवन में आधुनिक भारत के इतिहास के इतने सारे अध्याय समाए हों। आडवाणी जी का जन्म 8 नवंबर, 1927 को देव दीपावली के दिन हुआ था। 1947 में, जब वे युवा थे, तब उन्हें विभाजन की पीड़ा सहनी पड़ी। सिंध में अपना घर, अपना परिवेश, अपनी जानी-पहचानी दुनिया छोड़कर उन्हें आना पड़ा। सब कुछ पीछे छूट गया और जीवन की नई शुरुआत शून्य से करनी पड़ी। लेकिन इस कठिन अनुभव को लेकर उनके मन में कभी कोई कड़वाहट या पछतावा नहीं रहा।

कितनी भी कठिन परिस्थितियां क्यों न हों, नए सिरे से कुछ खड़ा करने का उनका ये संकल्प जीवनभर उनके साथ रहा। जनसंघ को मजबूत बनाने और बाद में भारतीय जनता पार्टी के निर्माण में भी उनका यही गुण सामने आया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल में देश की राजनीति ने बड़े बदलाव देखे।

राजनीति के इतिहास में ऐसे उदाहरण बहुत कम मिलते हैं, जब दो बड़े कद के नेता इतने लंबे समय तक एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हों। अक्सर समय के साथ राजनीतिक परिस्थितियां बदलती हैं, महत्वाकांक्षाएं टकराती हैं और साथ चलने वाले नेता भी अलग-अलग रास्तों पर निकल जाते हैं। लेकिन अटल जी और आडवाणी जी का साथ अपने आप में एक अनूठी मिसाल है। इतिहास साक्षी है, पांच-छह दशकों की इस लंबी यात्रा में दोनों एक-दूसरे के सहयोगी बने रहे। एक-दूसरे के प्रति उनका विश्वास और सम्मान हमेशा बना रहा। अटल जी के जीवन के अंतिम समय तक ये साथ कायम रहा। भारतीय राजनीति में आपसी विश्वास, सहयोग और समर्पण की ये परंपरा आज भी एक बड़ी प्रेरणा है।

आडवाणी जी जब दिल्ली आए थे, तब ये शहर विभाजन की विभीषिका से उबरने का प्रयास कर रहा था। ऐसे समय में उन्होंने जनसंघ को मजबूत बनाने के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया। 1967 में वे दिल्ली महानगर परिषद के अध्यक्ष बने। इस दौरान उन्होंने स्वर्गीय विजय कुमार मल्होत्रा जी के साथ मिलकर काम किया, जो मुख्य कार्यकारी पार्षद बने थे।

एक सांसद के रूप में आडवाणी जी की यात्रा 1970 के दशक से शुरू हुई। 1991 के लोकसभा चुनाव की स्मृतियां आज भी मेरे मन में ताजा हैं। उस समय तय हुआ था कि आडवाणी जी दो लोकसभा सीटों से चुनाव लड़ेंगे। इनमें से एक सीट गांधीनगर की थी। आडवाणी जी का गुजरात से बहुत पुराना नाता रहा है। आपातकाल आडवाणी जी के जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। उस दौर में वे लोकतंत्र को बचाने और संविधान की रक्षा के संघर्ष में अग्रिम पंक्ति में खड़े रहे। आपातकाल के दौरान उन्होंने जो कुछ देखा, अनुभव किया और महसूस किया, उसकी झलक उनकी पुस्तक 'A Prisoner;s Scrap-Book' में भी मिलती है। इस पुस्तक का एक हिस्सा है-'A Tale of Two Emergencies'? इसमें उन्होंने जून 1975 से भारत में शुरू हुई घटनाओं और 1933 में हिटलर के शासन के दौरान जर्मनी में हुई घटनाओं के बीच आश्चर्यजनक समानताओं का बहुत प्रभावी ढंग से वर्णन किया है।

आडवाणी जी विपक्ष में जितने प्रखर नेता रहे, प्रशासन में भी उतने ही कुशल साबित हुए। सोमनाथ से अयोध्या तक की रथयात्रा आडवाणी जी के जीवन का एक ऐतिहासिक अध्याय है। इस यात्रा ने भारतीय समाज को एक नई और सकारात्मक दिशा दी। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे इस ऐतिहासिक यात्रा से जुड़ने का अवसर मिला। यात्रा की परिकल्पना से लेकर उसकी तैयारियों और फिर उसे आगे बढ़ाने तक, मुझे हर चरण में योगदान देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। रथयात्रा के शुभारंभ के समय सोमनाथ में उपस्थित रहना भी मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव था।

आडवाणी जी ने इस पूरी यात्रा में जिस जीवटता और संकल्पशक्ति का परिचय दिया, वो अपने आप में प्रेरणादायी है। आडवाणी जी के व्यक्तित्व के ऐसे अनेक पहलू हैं, जो उन्हें और भी विशिष्ट बनाते हैं। उनकी सादगी और सरलता भी ऐसी ही एक विशेषता है। नवनिर्माण आंदोलन के बाद आडवाणी जी जूनागढ़ आए थे। वहां वे एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह पूरे एक महीने तक रहे और विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी को तैयार करने में जुटे रहे। इन चुनावों में जनता ने इंदिरा गांधी की कांग्रेस को नकार दिया था।

आडवाणी जी ने अपने आचरण से हमेशा सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और शुचिता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्हें पढ़ने का बहुत शौक है। जो लोग उनके साथ रहे हैं, वे जानते हैं कि वे अखबारों को भी कितने ध्यान से और कितनी बारीकी से पढ़ते रहे हैं। सिनेमा और रंगमंच से भी उनका गहरा लगाव रहा है। वर्षों तक वे बड़े उत्साह से फिल्मों की समीक्षा भी करते रहे हैं। इतिहास के प्रति उनकी गहरी समझ और उसे सहेजकर रखने की उनकी भावना भी उल्लेखनीय है। उनकी पुस्तक 'My Country My Life' में इसकी सुंदर झलक मिलती है।

आडवाणी जी का अपनी सिंधी संस्कृति से हमेशा गहरा जुड़ाव रहा है। लेह के पास सिंधु दर्शन पूजा को लोकप्रिय बनाने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुझे स्वयं भी एक बार आडवाणी जी और जॉर्ज फर्नांडिस जी के साथ सिंधु दर्शन पूजा में शामिल होने का सौभाग्य मिला था। आडवाणी जी की इस असाधारण जीवन यात्रा की बात हो और कमला आडवाणी जी का उल्लेख न हो, तो ये यात्रा अधूरी रह जाएगी।

इतने लंबे सार्वजनिक जीवन में कमला जी हमेशा उनकी शक्ति और संबल बनी रहीं। हर कदम पर उनका साथ दिया। कराची में पले-बढ़े आडवाणी जी ने शायद ही कभी कल्पना की होगी कि जीवन उन्हें कितनी लंबी और असाधारण यात्रा पर ले जाएगा। देश के प्रति उनके योगदान के लिए कृतज्ञ राष्ट्र ने वर्ष 2024 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया।

आज जब आडवाणी जी अपने जीवन के सौवें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, तो मैं ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना करता हूं। वे इसी तरह हम सभी को प्रेरणा देते रहें, हमारा मार्गदर्शन करते रहें।

–नरेन्द्र मोदी,
प्रधानमंत्री, भारत सरकार

दीपोत्सव का उजास और विकसित राजस्थान का संकल्प



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

दीपावली भारतीय संस्कृति का ऐसा अनुपम पर्व है, जो जीवन में प्रकाश, मन में उल्लास और समाज में सद्भाव का संचार करता है। अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक यह महापर्व हमारी सनातन परंपरा और आध्यात्मिक चेतना का परिचायक है। भगवान श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात अयोध्या आगमन पर प्रजाजनों ने दीप प्रज्वलित कर जिस उत्साह से उनका स्वागत किया था, वही परंपरा आज भी हमारी सांस्कृतिक स्मृति और सामूहिक चेतना में जीवंत है।

राजस्थान की धरा पर दीपावली का उल्लास विशेष रंगत लिए हुए है। इस पावन अवसर पर मैं प्रदेश के सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। मेरी मंगलकामना है कि यह पंचदिवसीय दीपोत्सव प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, आरोग्य और समृद्धि लेकर आए।

दीपावली उत्सव आत्मचिंतन और संकल्प का पर्व है। भगवान श्रीराम का जीवन मर्यादा, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा, न्याय और लोककल्याण का आदर्श है। आज आवश्यकता है कि हम इन आदर्शों को अपने आचरण में उतारें और आदर्श परिवार, समरस समाज तथा संवेदनशील एवं जवाबदेह शासन व्यवस्था के निर्माण में योगदान दें।

परिवार हमारी सामाजिक व्यवस्था की आधारशिला है। आपसी प्रेम, विश्वास, बड़ों का सम्मान और नई पीढ़ी में संस्कारों का संचार ही सशक्त समाज की पहचान है। दीपावली हमें रिश्तों में आत्मीयता बढ़ाने, मनमुटाव दूर करने और परिवार के साथ खुशियां बांटने का अवसर देती है।

हमारी सनातन संस्कृति की शक्ति उसकी उदारता और प्रकृति के प्रति सम्मान में निहित है। पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और वनस्पति को पूजनीय मानने वाली हमारी परंपरा हमें पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है। अतः हमारा दायित्व है कि दीपावली का उत्सव पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता के साथ मनायें। मिट्टी के दीपकों को प्राथमिकता दें, स्थानीय कुम्हारों और शिल्पकारों के उत्पाद खरीदें तथा ग्रीन पटाखों का उपयोग कर वायु और ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित रखें। यह पर्व स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने का भी अवसर है। वोकल फॉर लोकल की भावना को अपनाकर स्वदेशी और स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देना आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में हमारा व्यावहारिक योगदान होगा। इससे स्थानीय रोजगार बढ़ेगा और परंपरागत हुनर को नई पहचान मिलेगी।

राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान उसकी समृद्ध लोक परंपराओं में रची-बसी है। दीपावली पर घरों में बनने वाले मांडने, रंगोली, पारंपरिक सजावट, लोकगीत और बाजारों की रौनक मरुधरा की जीवंत संस्कृति को अभिव्यक्त करते हैं। हमारी विरासत केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा और पहचान भी है। आधुनिकता को अपनाते हुए इन परंपराओं का संरक्षण करना हमारा सामूहिक दायित्व है।

आज देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर दृढ़ता से अग्रसर है। इस संकल्प में आर्थिक समृद्धि के साथ सामाजिक न्याय, आत्मनिर्भरता, आधुनिक आधारभूत संरचना, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवा, महिला सशक्तीकरण और सांस्कृतिक गौरव शामिल हैं। प्रधानमंत्री जी ने देश के सामर्थ्य और सामूहिक शक्ति पर विश्वास जगाते हुए विकास को जनभागीदारी का राष्ट्रीय अभियान बनाया है।

राजस्थान इस संकल्प की पूर्ति में सक्रिय और महत्वपूर्ण भागीदारी निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा प्रयास है कि गांव और शहर, किसान और श्रमिक, युवा और महिला सहित समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास के समान अवसर मिलें। युवाओं को कौशल एवं रोजगार, किसानों को बेहतर सुविधाएं, महिलाओं को आत्मनिर्भरता और वंचित वर्गों को सम्मानजनक जीवन के अवसर उपलब्ध कराना हमारी प्रतिबद्धता है।

समग्र विकास सरकारी योजनाओं और संसाधनों के साथ नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से संभव होता है। जिस प्रकार एक छोटा-सा दीपक अंधकार को दूर करने का सामर्थ्य रखता है, उसी प्रकार प्रत्येक नागरिक का सकारात्मक प्रयास राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आइए, इस दीपावली पर हम भगवान श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात करते हुए अपने परिवारों में संस्कार, समाज में समरसता और शासन में लोककल्याण की भावना को सुदृढ़ करने का संकल्प लें। राजस्थान को विकास, सुशासन और समृद्धि का अग्रणी प्रदेश बनाने के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने में अपनी पूरी सामर्थ्य से सहभागी बनें। दीपावली का यह प्रकाश हर घर में खुशहाली, हर मन में सद्भाव और विकसित राजस्थान से विकसित भारत की यात्रा में नई ऊर्जा का संचार करे। इसी मंगल कामना के साथ पुनः प्रदेशवासियों और देश-विदेश में रह रहे प्रवासी राजस्थानियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं।

–भजनलाल शर्मा,
मुख्यमंत्री, राजस्थान

राशिफल रविवार 8 नवम्बर, 2026



कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत-2083, स्वाती नक्षत्र सोमवार प्रातः 7:24 तक, आयुष्मान योग रात्रि 3:03 तक, शकुनि करण दिन 11:28 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-तुला, चन्द्रमा-तुला, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-सिंह, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज दीपावली, श्री महालक्ष्मी पूजा, पितृकार्य अमावस्या, महाकाली पूजा, कैदार गौरी व्रत है। आज महालक्ष्मी पूजा प्रदोष काल सायं 5:36 से रात्रि 8:14 तक है। वृष लग्न सायं 6:44 से रात्रि 8:01 तक रहेगा। सायं 6:52 से सायं 7:05 के मध्य वृष लग्न कुम्भ का नवाश लक्ष्मी पूजन का सर्वश्रेष्ठ समय है। लक्ष्मी पूजन श्रेष्ठ चौघड़िया में कर सकते हैं।

श्रेष्ठ चौघड़िया– चर 8:06 से 9:28 तक, लाभ-अमृत 9:28 से 12:10 तक, शुभ 1:32 से 2:53 तक।

राहुकाल– 4:30 से 6:00 तक, सूर्योदय 6:45, सूर्यास्त 5:36

मेष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

धनु

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में धार्मिक-शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक-शुभ कार्य हो सकते हैं।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मिथुन

आज समय महत्वपूर्ण कार्यों में व्यतीत होगा। रचनात्मक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

तुला

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

कुंभ

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में अनावश्यक धन खर्च होगा। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मीन

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। खान-पान में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आज विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 99 प्रभात जयपुर, रविवार 8 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

When They Were All Released

The emperor added a condition of his own: if the Guru wanted to be released from the Fort, each prisoner must be holding on to the Guru's *chola*, which is the Punjabi word for robe, as he walked out of the prison gates

Diwali Savouries

From Princess to Suffragette

एक लव स्टोरी, जो एक अपनत्व का उपन्यास है

मुझे सबसे बड़ा दुख उस समय हुआ, जब मेरे परिवार के मित्रों ने मेरे भारतीय होने को संदेह की दृष्टि से देखा- सोनिया गांधी

- राजीव के साथ अपनी लव स्टोरी पर सोनिया ने कहा, यह दो लोगों की लव स्टोरी नहीं है, बल्कि राजीव के परिवार के साथ, राजीव के देश के साथ मेरे बढ़ते अपनत्व की भी कहानी है।
- सोनिया ने किताब में कहा कि मैं एक युवा दुल्हन के रूप में भारत आई थी, भारत के बारे में कुछ नहीं जानती थी। आज मैं जो हूँ, जो भी जानती हूँ, सब इंदिरा जी और राजीव जी से ही सीखा है। उनका साहस, लोकतांत्रिक व धर्मनिरपेक्ष भारत के प्रति उनका संकल्प, कर्तव्य के प्रति उनकी वचनबद्धता, जो उन दोनों में ही बहुत ज्यादा थी, इन बातों ने मुझे बहुत प्रेरित किया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। सोनिया गांधी ने "द हिंदू" को दिए एक साक्षात्कार में कहा है कि लोगों में अब बेचैनी बढ़ने लगी है। उन्होंने कहा कि लोग इस बात को समझने लगे हैं कि पिछले 12 वर्षों में भाजपा सरकार के शासनकाल में हमारे देश, हमारे लोकतंत्र और हमारी संस्थाओं को कितना भारी नुकसान पहुँचाया गया है।

सोनिया गांधी की आत्मकथा "बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव" का दुनिया भर में 10 नवंबर को विमोचन होने जा रहा है। जब उनसे कहा गया कि भारत की प्रमुख राजनीतिक पार्टी के रूप में कांग्रेस का कमज़ोर होना, अब राजनीतिक जीवन की एक सच्चाई बन चुका है, तो उन्होंने कहा कि वे इतनी निराशावादी नहीं हैं।"

कांग्रेस मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण, यानी एसआईआर को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रही है। पार्टी इसे "वोट चोरी" और चुनावी अनियमितताओं से जोड़कर देख रही है।

जुलाई में नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के मामले को लेकर छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों के कारण धर्मेन्द्र प्रधान को शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

सोनिया गांधी ने प्रकाशक को दिए साक्षात्कार में कहा, "पिछले बारह वर्षों में हमारे देश, हमारे लोकतंत्र और हमारी संस्थाओं की बुनियाद को भारी नुकसान पहुँचाया गया है। इस सरकार के जाने के बाद भी हमारी व्यवस्थाओं को फिर से स्वस्थ स्थिति में लाने में समय लगेगा और इसके लिए राजनीतिक दलों को बहुत प्रयास करने होंगे। अब लोगों में बेचैनी बढ़ने लगी है और वे इस नुकसान को समझने लगे हैं। लेकिन मैं आशावादी हूँ और मुझे विश्वास है कि भारत के लोग सुशासन की वापसी का स्वागत करेंगे।" प्रकाशक ने पूछा था कि क्या 2029 के अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा के सत्ता से बाहर होने पर राजनीति फिर से नीतियों और कार्यक्रमों के आधार पर होने वाली प्रतिस्पर्धा की ओर लौटेगी।

सोनिया गांधी की लोकतंत्र संबंधी टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कांग्रेस नेता से आपातकाल के बारे में सवाल किया।

मेघवाल ने कहा, "इस लेख "द हिंदू" को दिए गए साक्षात्कार) में लोकतंत्र को लेकर कुछ टिप्पणियाँ की गई हैं। मैं सोनिया जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या उन्हें 1975 का वह दौर याद नहीं है, जब लोकतंत्र का गला घोंट दिया गया था? विभिन्न राजनीतिक दलों के हजारों वरिष्ठ नेताओं को जेल में डाल दिया गया था और पत्रकारों की आवाज दबा दी गई थी। उन्हें उस दौर को भी याद करना चाहिए। इसके विपरीत, पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकतंत्र को बढ़ावा दिया है, उसे फलने-फूलने का अवसर दिया है और मजबूत बनाया है। उन्होंने पूरी दुनिया के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अवकाश की सूचना

दीपावली के पावन पर्व पर राष्ट्रदूत कार्यालय में 8 व 9 नवंबर 2026 को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 11 नवंबर 2026 को प्रकाशित होगा।

-व्यवस्थापक



'जो राम को लाए हैं, वो 2027 में कृष्ण को लाएंगे'

लखनऊ में भाजपा मुख्यालय पर लगे ये पोस्टर क्या संकेत दे रहे हैं

- विशेषज्ञों की मानें तो संभवतया भाजपा का मत है कि राम जन्मभूमि का मुद्दा अपने चरम को प्राप्त कर चुका है, अब इससे कुछ भी हासिल नहीं होगा, इसलिए कृष्ण जन्मभूमि का मुद्दा उठाया जाए।
- शायद यही कारण है, धीरेन्द्र शास्त्री की कृष्ण पर अपमानजनक टिप्पणी को भाजपा नेताओं ने लेश मात्र भी तूल नहीं दिया, बल्कि इसे मामूली बात बताकर रफा-दफा करने में जुटे हैं।

-श्रीनंद झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। क्या भाजपा का मानना है कि राम जन्मभूमि का मुद्दा राजनीतिक रूप से अपने चरम तक पहुँच चुका है? क्या पार्टी इसके बजाय कृष्ण जन्मभूमि के मुद्दे को केन्द्र में लाना चाहती है?

ऐसे सवाल विभिन्न परिस्थितियों के कारण उठ रहे हैं। पहली बात यह है कि भगवान कृष्ण के खिलाफ बागेश्वर धाम की ओर से की गई विवादित टिप्पणियों पर भाजपा नेताओं की प्रतिक्रिया काफी हल्की रही है। दूसरी बात यह है कि लखनऊ स्थित भाजपा मुख्यालय में पोस्टर लगाए गए हैं, जिन पर लिखा है: "जो राम को लाए हैं, वो 2027 में कृष्ण को लाएंगे"।

हाल ही में धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने भगवान राम और भगवान कृष्ण की तुलना करते हुए एक टिप्पणी की, जिससे उत्तर प्रदेश में तीखा राजनीतिक विवाद शुरू हो गया। यह विवाद ऐसे समय में हुआ है, जब राज्य में 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारियाँ चल रही हैं। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करेरा में राम कथा के दौरान, शास्त्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

Reliance

NOW OPEN AT
Pacific Mall

स्टोर्स खुलने का समय सुबह 9 बजे

दिवाली की शुभकामनाएं





iPhone 17 Pro 256 GB Starting at ₹54990*
iPhone 17 Pro Max 256 GB Starting at ₹66990*
*Price Post In-store Discount, Exchange, Exchange Bonus & Cashback

iPhone Air

Starting from ₹49990*
*Price post Instore Discount, Exchange, Exchange Bonus & Cashback.

oppo Find X10 Series

Starting from ₹59999*
Best upgrade offer. *Price post exchange, exchange bonus and cashback

vivo S2 FE

Starting from ₹38999*
*Price before 10% cashback



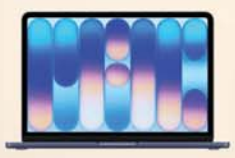
₹49999*
Also available 165 cm (65) at ₹69999*, 190 cm (75) at ₹99990*
BENEFITS NO COST EMI + CASHBACK UP TO ₹3000*
*Prices after bank cashback



FLASH SALE

DELL 13 XPS
TOUCH
Intel® Core™ 5 Series 3

₹100809
₹74999*

MacBook Neo
Powered by A18 Pro
Built for Apple Intelligence.

₹79900
₹64900*

HP Omnipad 12
Qualcom Q6 Gen3

₹73999
₹32999*

*Prices after discount & cashback

₹20000 तक एश्योर्ड एक्सचेंज बोनस*

एक्सट्रा 50% छूट दूसरे प्रॉडक्ट पर*


dyson बिग बॉल वैक्यूम क्लीनर
₹43900
₹14990*
*₹50000 और उसके अधिक की खरीदारी पर

₹30000 तक डिस्काउंट*
लीडिंग बैंक कार्ड्स और कंज्यूमर लोन्स पर
AU SMALL FINANCE BANK | AXIS BANK | HDFC BANK | IDFC FIRST Bank | IndusInd Bank | kotak | onecard | RBL BANK | SBI card | YES BANK | HDB FINANCIAL SERVICES

#CelebrateWithNoExcuses

digital
PERSONALISING TECHNOLOGY
www.reliancedigital.in

INVERTER ACs
VOLTAS 1.5T VRTS RGALMAGNM ₹36990** 5 STAR
Kelvinator 1.5T KAS-V183ALSG6 ₹28990** 3 STAR
*Prices inclusive of cashback & exchange offers

RO WATER PURIFIER

BENEFITS GET BAJAJ 3J 500W MIXER WORTH ₹5000 AT ₹499*

JBL BAR 1000MK2

7.1.4 CH 1960W DOLBY ATMOS* I WIFI
₹74999* EMI Starting From ₹4999*

AirPods 5 TWS ANC

₹14900 ₹12400*
*Price inclusive of bank cashback

ROBOTIC VACUUM CLEANER

₹34499 ₹24999*
FREE PRODUCTS WORTH ₹22999*

JBL

100W ENCORE 2 PLUS ₹24299*
240W PARTYBOX STAGE 320 ₹35999*
*Price Post Cashback

Ray-Ban | Meta WAYFARER GEN1

₹32100 ₹17999*
*Price After Bank Discount

UP TO ₹15000 EXCHANGE BENEFIT*
UP TO ₹20000 CASH BACK*
GET GIFTS WORTH UP TO ₹12490*


UPSIZE & UPGRADE To a Bigger Refrigerator
POWERED BY: LG Haier | CO-POWERED BY: Godrej


REFRIGERATORS
DOUBLE DOOR Starting from ₹17990* EMI of ₹1994*
SIDE BY SIDE Starting from ₹39990* EMI of ₹2994*
FRENCH DOOR Starting from ₹69990* EMI of ₹2994*

WASHING MACHINES
TOP LOAD HAIER 7 Kg ₹15990* EMI of ₹1349*
FRONT LOAD LG 10 Kg ₹38990* EMI of ₹3249*
DISHWASHER BOSCH 15 PLACE ₹59990* EMI of ₹4999*
*Prices after bank cashback & under exchange.

BLUE STAR | BOSCH | BPL | Electrolux | Godrej | Haier | IFB | LG | LLOYD | VOLTAS beko | Whirlpool

फ्री डिलीवरी* सबसे जल्दी इंस्टॉलेशन* | बिल्कुल नई टेक्नोलॉजी की विशाल रेंज | ईज़ी ईएमआई | सबसे कम कीमत* | 14-दिन आसान रिटर्न

SCAN TO VISIT WEBSITE OR STORE

शॉपिंग करें यहां से भी: SHOP ANY ELECTRONICS AT MY JIO STORE | Jio DIGITAL LIFE

Unless specified, the retail prices shown are for 1 unit of the product.
Terms & Conditions Apply: AU Small Finance Bank/IDFC First Bank/Kotak Bank/RBL/Yes Bank: CC FS: 7.5% discount up to Rs 1,500 on transactions of Rs 10,000 & above. Flat Rs. 3,000 discount on a minimum transaction of Rs. 50,000 & above. Flat Rs. 5,000 discount on a minimum transaction of Rs. 1,00,000 & above. Flat Rs. 10,000 discount on a minimum transaction of Rs. 2,00,000 & above. CC EMI: : 7.5% discount up to Rs 2,500 on transactions of Rs 10,000 & above. Flat Rs. 3,500 discount on a minimum transaction of Rs. 50,000 & above. Flat Rs. 7,000 discount on a minimum transaction of Rs. 1,00,000 & above. Flat Rs. 15,000 discount on a minimum transaction of Rs. 2,00,000 & above. Flat Rs. 25,000 discount on a minimum transaction of Rs. 3,00,000 & above. IDFC: DC FS: 7.5% discount up to Rs 1,500 on transactions of Rs 10,000 & above. Flat Rs. 3,000 discount on a minimum transaction of Rs. 50,000 & above. IndusInd: CC/DC FS: 7.5% discount up to Rs 1,500 on transactions of Rs 10,000 & above. Flat Rs. 3,000 discount on a minimum transaction of Rs. 50,000 & above. Flat Rs. 5,000 discount on a minimum transaction of Rs. 1,00,000 & above. Flat Rs. 10,000 discount on a minimum transaction of Rs. 2,00,000 & above. CC EMI: 10% discount up to Rs 15,000 on transactions of Rs 10,000 & above. Axis/HDFC/SBI/OneCard: CC EMI: 7.5% discount up to Rs 2,500 on transactions of Rs 10,000 & above (SBI Card EMI- Rs. 15,000 & above). Flat Rs. 3,500 discount on a minimum transaction of Rs. 50,000 & above. Flat Rs. 7,000 discount on a minimum transaction of Rs. 1,00,000 & above. Flat Rs. 15,000 discount on a minimum transaction of Rs. 2,00,000 & above. Flat Rs. 25,000 discount on a minimum transaction of Rs. 3,00,000 & above. For HDFC Bank & SBI Cards, EMI offer applicable on 6 months & above tenure only. Offers applicable on purchase of select product & brands only. Offers is applicable across Reliance digital, My Jio Stores, JioMart Signature stores & www.reliancedigital.in from 31st Oct to 11th Nov 2026. For the purpose of this offer, CC FS shall refer to Credit Card Full Swipe, CC EMI shall refer to Credit Card EMI, DC FS shall refer to Debit Card Full Swipe. Consumer Durable Loan Upto 20,000 Cashback on LED, Laptop, AC, Ref, Washing Machine & Mobile Phone with Bajaj Finserv. Offer validity : 31st Oct'26 to 11th Nov'26.Up to Rs 45000/- Cashback on Refrigerator, Panel, Washing Machine, Dish Washer, Smart phone & laptop with IDFC First Bank ltd .Offer validity: 31st Oct'26 to 15th Nov'26 for IDFC First Bank. Up to Rs 31,000/- cash back on Consumer durable products, laptop & Digital Products with HDB Financial services, offer Validity 31st Oct'26 to 11th Nov'26 for Pan India. All Paper finance offers are available on select brands / products/ Schemes & select customers. offer valid in select states/cities. For more details contact In-store finance executive. For Paper Finance, benefit shall be given to the customer in form of cashback which shall be posted by respective financier as per their terms. Finance: Offer wherever applicable is at the sole discretion of the financing company. Brand Offers: Offers applicable on brands are sole discretion of the respective brands. *GST will be applicable on all the FREE products. All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of the courts in Mumbai only.

दौसा में पंच दिवसीय दीपोत्सव का आगाज, बाजार सजधज कर तैयार

दौसा (निसं.)। पंच दिवसीय दीपोत्सव का शुक्रवार को आगाज हो गया है, शनिवार को भी धनतेरस होने के कारण बाजार में जमकर रौकन रही तथा खरीदारों की रेलमपेल मची रही, काफी वर्षो बाद बम्बर खरीदारी हुई, जिसके चलते व्यापारियों एवं दूकानदारों के चेहरे खिल उठे है। वही दूसरी ओर मानसून में हुई अच्छी बरसात के चलते इस बार किसानों ने भी खुब खरीदारी की। इधर सोने व चांदी के भाव ऊंचे होने के बावजूद लोगो ने जमकर खरीदारी की।

उल्लेखनीय है कि पंच दिवसीय दीपोत्सव का शुक्रवार से आगाज हो गया है, पटाखे, मिठाई सहित अन्य दूकाने सजने लगी है, बाजार में खरीदारों की भी जमकर भीड उमड रही है। इधर शनिवार को भी आधे दिन धनतेरस होने के कारण लोगों ने जमकर खरीदारी की। इस बार मानसून अच्छा रहने के कारण इसका असर बाजार पर भी पड़ा है, अन्य



धनतेरस पर ज्वैलरी सहित अन्य आईटमों की दुकानों पर भीड़ रहीं।

वर्षो की तुलना में इस वर्ष किसानों एवं ग्रामीणों ने भी खुब खरीदारी की। शनिवार को धनतेरस होने के कारण बाजार में काफी रौनक रही, लोगो ने शुभ मुहुर्त में वाहन, सोने-चांदी के आभूषण, बर्तन सहित अन्य सामानो की खरीदारी की। धनतेरस में पूरे दिन शुभ मुहुर्त होने के कारण बाजारो में खरीदारो की जमकर भीड रही। इधर पटाखों की दूकाने भी सज गई है, छोटे दूकानदारो ने पटाखे, मिठाई, सजावटी सामठी, फूल-मालायें, पूजन सामठी की दूकाने सजा ली है। पिछले कुछ वर्षो से मानसून की बेरुखी के कारण शहर के सभी

- **इस बार मानसून अच्छा रहने के कारण इसका असर बाजार पर भी पड़ा है, अन्य वर्षो की तुलना में इस वर्ष किसानों एवं ग्रामीणों ने भी खुब खरीदारी की**

त्यौहार पूरी तरह से पिटे हुये थे। बाजारो में भीड तो जुटती थी, लेकिन खरीदारी कम ही होती थी। इस बार दौसा पर इन्द्रदेव पूरी तरह से मेहरबान रहे, जिसके चलते किसानों में भी बम्पर फैसल पैदा होने की उम्मीद जगी है, जिसके चलते ग्रामीण एवं किसान शहर में खरीदारी के लिए पहुंच गये है, जिसके चलते व्यापारियों एवं दूकानदारों के चेहरे खिले हुये है।

आयुर्वेद दिवस पर भगवान धन्वतरि जयंती मनाई

कोटपूतली। राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर क्षेत्र में भगवान धन्वन्तरि जयंती पारंपरिक श्रद्धा, हर्षोलास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर यहां के राजकीय बी.डी.एम. जिला चिकित्सालय तथा जिला आयुष कार्यालय द्वारा विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें आयुर्वेद चिकित्सा पद्धित की महत्ता को रेखांकित करने के साथ ही जन स्वास्थ्य के संरक्षण की कामना की गई। बी.डी.एम. चिकित्सालय में कार्यक्रम का आयोजन पी.एम.ओ. डॉ. पुष्कर गुर्जर की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. गुर्जर ने भगवान धन्वन्तरि के चित्र पर माल्यार्पण कर व द्वीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर डॉ. पुष्कर गुर्जर ने वर्तमान समय में आयुर्वेद विज्ञान की उपादेयता और प्रासंगिकता को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। आयुर्वेद चिकित्सा प्रभारी डॉ. सुधा शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशेष रूप से स्त्री रोगों में आयुर्वेद चिकित्सा के विशिष्ठ और सकारात्मक प्रभावों को इंगित किया। उन्होंने जीर्ण रोगों (पुरानी व जटिल बीमारियों) के उपचार में आयुर्वेद के अपने उपयोगी अनुभवों को भी उपस्थित जनों के साथ साझा किया।

सार-समाचार

धन्वंतरि जयंती पर विधि विधान से की पूजा की



निवाई। श्री महावीर जैन औषधालय में आयुर्वेद चिकित्सा के जनक भगवान धनवंतरी जयन्ती श्रद्धा पूर्वक मनाकर पूजा अर्चना की। मीडिया संयोजक विमल जौला एवं राकेश संघी ने बताया कि धन्वंतरि जयंती पर जैन समाज के अध्यक्ष नेमीचंद गंगवाल, मंत्री महावीर प्रसाद पराणा, धर्मचंद चंवरिया, त्रिलोक सिरस, प्रवक्ता विमल जौला, महेंद्र संघी, वैध हनुमानसहाय राहोली, कम्पाउन्डर यशवन्त पारीक व नीतू राजवंशी सहित कई लोगों ने दीप प्रज्वलित कर भगवान धनवंतरी की पूजा अर्चना की। इसके पश्चात सभी अतिथियों के तिलक एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस दौरान मंत्री महावीर प्रसाद पराणा ने आयुर्वेद चिकित्सा पद्धित का अवलोकन कर सभी को आयुर्वेद चिकित्सा पद्धित का महत्व बताया एवं सभी को स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा स्वस्थ जीवन, शैली, खान-पान एवं दिनचर्या से शरीर को स्वस्थ रखने की पद्धित है। इस अवसर पर जैन औषधालय प्रभारी हनुमान सहाय राहोली के सानिध्य में भगवान धनवंतरी के चित्र पर तिलक लगाकर आरती की गई

शोक संवेदना पत्र प्रेषित

टोंक। पुलिस परिवार के मुखिया महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा की ओर से दिवंगत पुलिस कांस्टेबल के परिजनों को शोक संवेदना प्रेषित की गई। इस क्रम में टोंक पुलिस में कार्यरत रहे कांस्टेबल स्व. खुशी राम पुत्र रणजीत सिंह, निवासी संवारिया की असामयिक मृत्यु पर परिवारजनो को शोक संवेदना पत्र प्रेषित किया गया। उक्त शोक संवेदना पत्र अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा, पुष्पेन्द्र सिंह सोलंकी ने दिवंगत कांस्टेबल खुशी राम के निवास पर पहुंचकर उनके पिता रणजीत सिंह को सौंपा तथा राजस्थान पुलिस महानिदेशक की ओर से गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।राजस्थान पुलिस दु:ख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ है।

सांभर मे भोलेनाथ की अनुपम झांकी ने लोगों को रिझाया

सांभरझील, (निसं)। सांभर के सभी प्रमुख बाजारों में आज दिनभर खरीददारी का दौर रहा। दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठान सजाए। बाजार सजावट रोशनी से सरोबार रहा। मिष्ठान खरीदने वालों की तादाद अधिक रही। बताया गया कि बर्तनों के खरीदारी करने के लिए भी लोग पीछे नहीं रहे। मौसी की पूजा अर्चना करने के लिए लोगों ने लक्ष्मी जी के पाने, पूजा सामग्री और गन्ना खरीदा। किराणा की दुकान पर भी आसपास के गांव के लोगों ने जमकर खरीदारी की। रेडीमेड गारमेंट्स की दुकानों पर अपने मनपसंद की ड्रेस खरीदने वालों की अच्छी खासी तादाद रही। गोला बाजार और सिंधी बाजार के अलावा न्यू मार्केट की तरफ खरीददारी करने के लिए दुकानों पर भी लोग उमड़े। सांभर की नेहरू पार्क पर भगवान भोलेनाथ की सजाई गई अनुपम झांकी ने लोगों को काफी आकर्षित किया। नया बस स्टैंड से लेकर पुरानी धान मंडी तक सफाई व्यवस्था और सजावट के लिए उठाए गए कदम को बड़े दिल से तारीफे काबिल बताया।

सैंकड़ों परिवारों को बांटी राहत सामग्री

निवाई। आशाराम गौशाला समिति के तत्वावधान में दीपावली भंडारा एवं सेवा अभियान के तहत दीपावली पर्व पर दूसरे व तीसरे दिन भी असहाय परिवारों को आवश्यक सामग्री वितरण का कार्य जारी रहा। इस चरण में गांव नोहटा की ढाणी, लालवाड़ी व गौशाला क्षेत्र सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों के 100 से अधिक जरूरतमंद परिवारों के 400 से ज्यादा सदस्यों को उपयोगी सामग्री वितरित कर उनके बीच दीपावली की खुशियां बांटी गईं। सर्दियों के आगमन को देखते हुए उन्हे कम्बल, गर्म कोटि, पेंट-शर्ट व नए वस्त्र भेंट किए गए। इसके साथ ही परिवारों के लिए दैनिक जीवन में काम आने वाली आवश्यक घरेलू वस्तुएं, पर्व की मिठास के रूप में ताजे खजूर व मिठाइयां भी प्रदान की गईं।

ब्यूटी पॉर्लर्स पर लगी रही महिलाओं की भीड़

निवाई। दीपावली के एक दिन पूर्व शनिवार को रूप चतुर्दशी एवं छोटी दीपावली का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। रूप चतुर्दशी पर महिलाएं अपना रूप संवारने में जुटी रही वहीं पुरूष ब्यूटी पॉर्लर्स पर भी पुरूषों ने अपना रूप निखरवाया। इस दौरान शहर के सभी ब्यूटी पॉर्लर्स पर महिलाओं व पुरूषों की भीड़ लगी रही। जिनको अपनी बारी के लिए घंटों इन्तजार करना पड़ा।

खाद्यान्न परिवहन में गंभीर अनियमितता, फर्म के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

फर्म का अनुबंध निरस्त करने, लगभग 8.99 लाख रुपये की वसूली एवं 3 वर्ष के लिए डिबार-ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया प्रारंभ'

भरतपुर (निसं)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना (एनएफएसए) के तहत खाद्यान्न परिवहन में गंभीर अनियमितता, खाद्यान्न खुर्द-बुर्द करने एवं गबन के मामले में जिला रसद प्रशासन द्वारा अधिकृत परिवहनकर्ता फर्म मैसर्स बजरंग ट्रेडिंग कंपनी, कोटा तथा इसके प्रोपराइटर महावीर प्रसाद शर्मा के विरुद्ध पुलिस थाना उद्योग नगर, भरतपुर में एफआईआर दर्ज करवाई गई है।

जिला रसद अधिकारी भरतपुर प्रथम कुशाल बिलाला ने बताया कि उक्त फर्म भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) डिपो से खाद्यान्न उठाव कर जिले की उचित मूल्य दुकानों तक पहुंचाने के लिए अधिकृत थी। दिनांक 3 नवम्बर, 2026 से फर्म के कार्यकर्ताओं एवं प्रोपराइटर के भूमिगत होने तथा उनसे संपर्क नहीं हो पाने के कारण खाद्यान्न आपूर्ति में अनियमितता की आशंका उत्पन्न हुई। माह नवम्बर के खाद्यान्न उठाव के लिए फर्म द्वारा कोई वाहन भी उपलब्ध नहीं करवाया गया। विभागीय पोर्टल एवं प्राप्त सूचनाओं के आधार पर जिला प्रशासन द्वारा क्षेत्रीय प्रवर्तन दल के माध्यम से स्थलीय जांच, ऑनलाइन पोर्टल मिलान तथा 41 उचित मूल्य दुकानों का भौतिक एवं दस्तावेजी सत्यापन करवाया गया। प्रवर्तन अधिकारी गजेंद्र बाबू शर्मा, प्रदीप कुमार शर्मा, साक्षी कस्वां एवं प्रवर्तन निरीक्षक सुशील कुमार द्वारा की

- **1.14 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी व सुरक्षा राशि फ्रीज, लगभग 20 लाख रुपये के लंबित भुगतान पर रोक**

गई जांच तथा राशन डीलरों के बयानों में 41 राशन दुकानों पर कुल 275.64 क्विंटल गेहूं की वास्तविक आपूर्ति नहीं होना सामने आया। जांच के दौरान फर्म का त्योंगा, मथुरा रोड स्थित स्थानीय कार्यालय भी बंद पाया गया तथा फर्म प्रतिनिधियों द्वारा खाद्यान्न प्राप्ति रसीद एवं चालान उपलब्ध नहीं करवाए गए। विभागीय नियमों एवं सप्लाई चौन मैनेजमेंट (एससीएम) के प्रावधानों के अनुसार एफसीआई डिपो से उठाए गए खाद्यान्न को 48 घंटे के भीतर संबंधित उचित मूल्य दुकानों तक पहुंचाना अनिवार्य था। आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं भारतीय न्याय संहिता के तहत एफआईआर दर्ज' अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन पाए जाने पर जिला रसद प्रशासन के निर्देशानुसार प्रवर्तन अधिकारी श्री गजेंद्र बाबू शर्मा द्वारा पुलिस थाना उद्योग नगर, भरतपुर में फर्म प्रोपराइटर महावीर प्रसाद शर्मा एवं अन्य सहयोगियों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3 एवं 7 तथा भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 316(5) एवं 318(4) के तहत एफआईआर संख्या 0154/2026 दर्ज करवाई गई है।

जिला रसद प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए फर्म का वर्तमान अनुबंध निरस्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है तथा आगामी कार्यों पर रोक लगाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। एफसीआई डिपो से उठाए गए खाद्यान्न के गबन के संबंध में लगभग 8.99 लाख रुपये की सरकारी आर्थिक लागत की वसूली हेतु विधिक कार्रवाई की जा रही है। इसके अतिरिक्त फर्म के लगभग 20 लाख रुपये के लंबित भुगतान बिलों पर भी रोक लगा दी गई है। फर्म एवं इसके प्रोपराइटर को राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता (आरटीपीपी) अधिनियम, 2012 की धारा 46 एवं आरटीपीपी नियम, 2013 के प्रावधानों के तहत आगामी 3 वर्षों के लिए डिबार एवं ब्लैकलिस्ट करने की विधिक प्रक्रिया संबंधित सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रारंभ कर दी गई है । इस कार्रवाई के तहत फर्म की परफॉर्मेंस बैंक गारंटी एवं अतिरिक्त सुरक्षा राशि के रूप में कुल 1 करोड़ 14 लाख रुपये की राशि फ्रीज की गई है। आरटीपीपी नियमों एवं बिड डॉक्यूमेंट की शर्तों के अधीन उक्त राशि को जब्त/राजसात करने की कार्रवाई भी संबंधित प्राधिकारी द्वारा प्रारंभ की जाएगी।

सरपंच हेमा गमेती, उपसरपंच कुसुम रेबारी ने पदभार संभाला

उदयपुर। पंचायत समिति कुराबड़ क्षेत्र की ग्राम पंचायत भेसडाखुर्द के लिए एक ऐतिहासिक दिन रहा। पंचायत की सरपंच-उपसरपंच की टीम बन गई है। पंचायती राज चुनाव 2026 के बाद नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का पदभार ठाहण समारोह धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। समारोह में पंचायत के सरपंच हेमा जी गमेती व उपसरपंच कुसुम रेबारी ने विधिवत रूप से पदभार ठाहण किया। इसके साथ ही पंचायत के वार्डपंच दिनेश डांगी,ओम प्रकाश नागदा, पवन गमेती, कन्हैया लाल गमेती, रेखा गमेती, सीता डांगी ने भी पदभार ग्रहण किया। पंचायत की नई टीम बनने पर पूरे गांव में खुशी का माहौल रहा। ठाामवासियों ने सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का माला व साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया और ढोल-नगाड़ों के साथ बधाई दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मावली विधायक कांग्रेस पुष्कर लाल जी डांगी, आला की ढाणी सरपंच सुरेश जी गमेती, उपसरपंच दिनेश रेबारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए नवनिर्वाचित उपसरपंच कुसुम रेबारी ने कहा कि पंचायत की नई टीम होने के नाते हम पर बड़ी जिम्मेदारी है। चुनाव के दौरान ठाामवासियों से जो वादे किए थे, उन्हें हर हाल में पूरा किया जाएगा। गांव की सड़कों की मरम्मत, पेयजल व्यवस्था में सुधार, स्वच्छता, शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना तथा हर पात्र व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना हमारी पहली प्राथमिकता रहेगी।

एटक यूनियन ने दी राजस्थान में चक्का जाम की चेतावनी

भरतपुर (निसं)। भरतपुर डिपो के ड्राइवर से जयपुर के ट्रैफिक पुलिस इंस्पेक्टर द्वारा मारपीट के बाद भरतपुर डिपो के कर्मचारियों में काफी रोष है। एटक यूनियन के पदाधिकारियों ने साफ़ तौर पर चेतावनी दी है कि अगर ट्रैफिक पुलिस इंस्पेक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होती तो, पूरे राजस्थान में चक्का जाम किया जाएगा।

राजस्थान स्टेट रोडवेज एम्प्लॉई यूनियन के अध्यक्ष सत्यवीर डागुर ने बताया कि वह भरतपुर डिपो में ड्राइवर के पद पर तैनात हैं। कल शाम वह भरतपुर से जयपुर बस में सवारियां लेकर गए थे। जयपुर पहुंचने के बाद उन्होंने सिंधी कैंप बस स्टैंड पर नाइट स्टे किया। सुबह देखा तो, बस के ड्राइवर की तरफ का टायर पंचर था।

जिसके बाद सत्यवीर डागुर टायर में पंचर लगवाने के लिए वैशाली नगर डिपो जा रहे थे। तभी सिंधी कैंप बस स्टैंड पर बस को अचानक एक ट्रैफिक इंस्पेक्टर ने रोक लिया और, बस में सवारियां चढ़ाने लगे। तब सत्यवीर डागुर ने ट्रैफिक इंस्पेक्टर को बस में सवारियां चढ़ाने से रोका तो, ट्रैफिक इंस्पेक्टर ने बस के शीशे पर हाथ मारा। जैसे ही सत्यवीर डागुर ने गेट खोला तो, ट्रैफिक इंस्पेक्टर बस पर चढ़ गया और, सत्यवीर डागुर से मारपीट करना शुरू कर दिया। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने इसका वीडियो बना लिया। वीडियो में साफ़ दिखाई दे रहा है कि ट्रैफिक इंस्पेक्टर सत्यवीर डागुर के घूंसा मार रहा है। सत्यवीर डागुर का आरोप है कि लोगों ने ट्रैफिक इंस्पेक्टर को रोकने की काफी कोशिश की लेकिन, वह नहीं

- **भरतपुर डिपो के ड्राइवर को पीटने वाले इंस्पेक्टर पर कार्रवाई की मांग, जयपुर की है घटनां**

रुके। ट्रैफिक इंस्पेक्टर सत्यवीर डागुर को ऑफिस में ले गए और, कमरा नंबर 14 में ले जाकर उनके साथ मारपीट की, तभी वहां बस का कंडक्टर हेम सिंह गुर्जर भी आ गया। ट्रैफिक इंस्पेक्टर ने कंडक्टर के साथ भी धक्का मुक्की की। सत्यवीर डागुर ने कहा कि कमरे में ट्रैफिक इंस्पेक्टर ने अपने छूकर माफ़ी मंगवाई तब जाकर उन्हें वहां से छोड़ा गया। अब सत्यवीर डागुर का कहना है कि वह ट्रैफिक इंस्पेक्टर की एफआईआर भरतपुर के अटल बंद थाने में दर्ज करवाएंगे। घटना को लेकर राजस्थान स्टेट रोडवेज एम्प्लॉई यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह सोलंकी ने नाराजगी जताई। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद यूनियन की ओर से मुख्य प्रबंधक को ज्ञापन दिया गया और मामले से निगम के एमडी को भी अवगत कराया गया। प्रदेश नेतृत्व ने एमडी से मुलाकात की। एमडी ने दीपावली के त्योहार को देखते हुए फिलहाल चक्का जाम नहीं करने की अपील की और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

सोलंकी ने आरोप लगाया कि संबंधित ट्रैफिक इंस्पेक्टर के खिलाफ पहले भी इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं और उसके दस्तावेजों की जांच भी चल रही है।

घनश्याम शर्मा दूसरी बार अध्यक्ष बने

निवाई। शिवाजी कॉलोनी में स्थित टीलेश्वर महादेव मंदिर में प्रेमशंकर शर्मा के सानिध्य में टीलेश्वर महादेव मंदिर कमेटी के चुनाव को लेकर बैठक आयोजित हुई।

जिसमें सर्वसम्मति लगातार दूसरी बार अध्यक्ष पद पर घनश्याम शर्मा को मनोनीत किया गया। इसी प्रकार कार्यकारणी में उपाध्यक्ष के पद पर महावीर सिंह, कोषाध्यक्ष प्रेमशंकर शर्मा एवं महामंत्री के पद पर अखिलेश पारीक को मनोनीत किया गया। इस दौरान नवनियुक्त कार्यकारणी को पद व गोपनियता की शपथ दिलाकर माला व साफा पहनाकर सम्मानित किया गया।

विधायक पटेल ने क्षेत्रवासियों व व्यापारियों के बीच मनाई दीपावली, आत्मीय से की 'रामा-श्यामा'

कोटपूतली। प्रत्येक वर्ष की अनूठी और गौरवशाली परंपरा को जीवंत रखते हुए विधायक हंसराज पटेल ने इस वर्ष भी दीपोत्सव का पावन पर्व क्षेत्र की जनता व परिवारजनों के बीच बेहद आत्मीयता, अभूतपूर्व उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया। दीपावली के अवसर पर विधायक पटेल ने कस्बे के मुख्य बाजारों में जाकर आमजन, प्रबुद्ध नागरिकों व स्थानीय व्यापारियों से आत्मीय मुलाकात की तथा पारंपरिक 'रामा-श्यामा' कर सभी को पर्व की बधाई दी। इस दौरान जब विधायक पटेल कस्बे के बाजारों में पहुंचे तो व्यापारियों व आमजन ने उनका पलक-पावड़े बिछाकर और माला पहनाकर भव्य स्वागत किया।

- **विधायक पटेल कस्बे के बाजारों में पहुंचे तो व्यापारियों व आमजन ने उनका पलक-पावड़े बिछाकर और माला पहनाकर भव्य स्वागत किया।**
- **जनता के असीम स्नेह से अभिभूत होकर विधायक हंसराज पटेल ने कहा कि कोटपूतली केवल मेरा राजनीतिक क्षेत्र नहीं, बल्कि मेरा साक्षात घर है और यहां का प्रत्येक नागरिक अभिन्न हिस्सा हैं।**

जनता के असीम स्नेह से अभिभूत होकर विधायक हंसराज पटेल ने कहा कि कोटपूतली केवल मेरा राजनीतिक क्षेत्र नहीं, बल्कि मेरा साक्षात घर है और यहां का प्रत्येक नागरिक, हर माता-बहन, युवा और व्यापारी मेरे अपने परिवार का अभिन्न हिस्सा हैं। आज कोटपूतली के बाजारों में उमड़ा यह जनसैलाब और आप सभी की आंखों में चमकती यह खुशी इस बात का प्रमाण है कि हमारा आपसी रिश्ता अटूट है। मैं विष्वास दिलाता हूं कि आपके जीवन के हर सुख-दुख में, क्षेत्र के विकास की हर राह पर आपका यह सेवक हमेशा सबसे आगे खड़ा मिलेगा।

हमारी एकता और प्रेम ही इस क्षेत्र की असली ताकत है। पटेल ने परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि ईश्वर से मेरी यही मंगल कामना है कि दीपों का यह अलौकिक उत्सव आप सभी के जीवन में अंधकार को मिटाकर सुख, अटूट शांति, अपार खुशहाली एवं चौमुखी समृद्धि का एक नया प्रकाश लेकर आए।

माता लक्ष्मी जी व भगवान श्री गणेश की कृपा आप पर सदैव बनी रहे। सभी को दीपावली की अनंत और हार्दिक शुभकामनाएं। इस दौरान नगर परिषद सभापति कमल सैनी व उपसभापति गोपाल अग्रवाल भी मौजूद रहें।

मोक्ष कल्याणक पर्व 9 नवंबर को

टोंक। श्री दिगंबर जैन नसियां अमीरगंज में भगवान महावीर स्वामी का मोक्ष कल्याणक पर्व 9 नवंबर, सोमवार को बड़े हर्षोल्लास एवं श्रद्धा-भक्ति के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान एवं कमल सर्राफ ने बताया कि सोमवार सुबह भगवान महावीर स्वामी के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर श्री दिगंबर जैन नसियां में भगवान का अभिषेक, शांतिधारा एवं अन्य धार्मिक क्रियाएं संपन्न होंगी। इसके बाद श्रद्धालुओं द्वारा भगवान महावीर स्वामी की विधिवत पूजा-अर्चना की जाएगी। पूजा के बाद श्रद्धालु भक्तिभाव के साथ निर्वाण कांड का वाचन कर भगवान के चरणों में निर्वाण लड्डू अर्पित करेंगे। वहीं आज रविवार को नसियां परिसर को दीपकों से सजाया जाएगा तथा भव्य आरती का आयोजन होगा।

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भूखंड संख्या एक 70 - ए, सुन्दर मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर में अपने पिता स्व. श्री लल्लू राम जी बालोदिया से विरासत में प्राप्त अपने समस्त हक, हित व अधिकार श्रीमती भंवरी देवी पत्नी स्व. श्री श्याम कुमार मगनीडिया ने अपने भाई श्री कैलाश कुमार बालोदिया के हक व हित में त्याग दिये थे तथा इस सम्बंध में एक हकत्याग पत्र दिनांक 07.09.2015 को निष्पादित कर नोटरी पब्लिक से तस्दीक करा लिया था। उक्त सम्पत्ति मेरी अभिभाष्या श्रीमती सीता मुकुट पत्नी श्री दामोदर मुकुट द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र द्वारा खरीद कर ली गई तथा उसी हकत्याग पत्र का कभी मूलक शुल्क उपरजीयक जयपुर द्वितीय के कार्यालय में दिनांक 09.10.2026 को जैसा करवाया जा चुका है। मेरी अभिभाष्या द्वारा जयपुर विकास प्राधिकरण कार्यालय में उक्त भूखंड संख्या एक - 70ए का नाम हस्तांतरण उनके नाम कराये जाने की कार्यवाही की जा रही है। इस संदर्भ में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो उक्त सूचना के प्रकाशन से 7 दिवस के अन्दर मय दस्तावेज अपनी लिखित आपत्ति मेरे समक्ष प्रस्तुत कर देवे अन्यथा तत्पश्चात् किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा मेरी अभिभाष्या के हितों के मुताबले शून्य होगी अतः सूचित रहे।
दिनांक 07.11.2026 (दिनेश कुमार शर्मा) एडवोकेट, डी-15, जमना नगर, सोडाला, अजमेर रोड, जयपुर मोबाईल न. 9828510575

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नाम परिवर्तन

मैं आर्मी न. 16019560K हवलदार नवल सिंह नरुका यूनिट 17 राजरिफ़ (सवाईमान) है। मेरे सैन्य दस्तावेज मे मेरे पिताजी का नाम नेपाल सिंह नरुका (Nepal Singh Naruka) और जन्मतिथि 06-05-1966 दर्ज है जो की गलत है। मेरे पिताजी का सही नाम नेपाल सिंह (Nepal Singh) और जन्मतिथि 01-01-1963 है जो की सही एवं सत्य है।

I, DAMBURU DHARA SABAR father of No. 8037504H NK(GD) Mrutyunjaya Sabar R/o Vill: No- S Mukundapur, Po: Bhramarpur, Teh: Digapahandi, PS: K Nuagam, Dist: Ganjam, State: Odisha, PIN: 761209 I have changed my name from DAMBAR DHAR SABAR to DAMBURU DHARA SABAR Vide affidavit No. 84AA899621 Date 7/11/2026 (Odisha)

त्योहारी सीजन के चलते खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यवाही

टोंक। त्योहारी सीजन में आमजन को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने तथा मिलावट के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान शुद्ध आहार मिलावट पर वार के तहत जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जिलेभर में सघन निरीक्षण एवं नमूना संग्रह की कार्यवाही की गई। इस अभियान में टीम द्वारा टोडारायसिंह क्षेत्र में विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए।

जिसमें छान रोड स्थित श्री जोधपुर मिष्ठान भंडार से मिल्क केक व बीकानेर मिष्ठान भंडार से मावा बर्फी, लक्ष्मी मिष्ठान भंडार से मावा बर्फी एवं मावा तथा विशाल मिष्ठान भंडार से मावा बर्फी का नमूना संग्रहित किया गया। सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा, जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शैलेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि त्योहारी सीजन में आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मिलावटी एवं अवधिपार खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए अभियान निरंतर जारी रहेगा।

धनतेरस पर बाजारों में खरीदारों की भीड़, देर शाम तक गुलजार रहे बाजार

बर्तन, सोने-चांदी के आभूषण और इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकानों पर रही विशेष रौनक, व्यापारियों के चेहरों पर दिखी मुस्कान

पावटा। दीपावली पर्व के आगाज के साथ ही धनतेरस पर कस्बे के बाजारों में खरीदारी को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही शुरू हो गई, जो देर शाम तक जारी रही।

शुभ मुहूर्त में खरीदारी करने की परंपरा के चलते लोगों ने बर्तन, सोने-चांदी के आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक सामान, सजावटी वस्तुएं और घरेलू उपयोग की सामग्री की जमकर खरीदारी की। धनतेरस के अवसर पर बर्तनों की दुकानों पर सबसे अधिक भीड़ देखने को मिली। वहीं ज्वेलरी शोरूम, इलेक्ट्रॉनिक दुकानों और दोपहिया वाहन विक्रेताओं के यहां भी ग्राहकों की अच्छी खासी चहल-पहल रही। बाजारों में रंग-बिरंगी सजावट, दुकानों पर सजे आकर्षक सामान और ग्राहकों की भीड़ से त्योहार का उत्साह



पावटा दीपावली पर्व के आगाज के साथ ही धनतेरस पर कस्बे के बाजारों में खरीदारी को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

देखते ही बन रहा था।

महिलाओं और युवाओं में खरीदारी को लेकर खासा उत्साह नजर आया। लोगों ने अपनी जरूरत और बजट के अनुसार खरीदारी की। वहीं व्यापारियों ने भी ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया और विशेष व्यवस्थाए

- **व्यापारियों ने भी ठाहकों को आकर्षित करने के लिए दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया**

की। बाजारों में बढ़ी भीड़ के चलते मुख्य मार्गों और प्रमुख चौराहों पर दिनभर वाहनों की आवाजाही बनी रही। कई स्थानों पर यातायात का दबाव भी देखने को मिला।

धनतेरस पर बाजारों में उमड़ी भीड़ ने दीपावली की रौनक को और बढ़ा दिया। देर शाम तक बाजार खरीदारों से गुलजार रहे और व्यापारियों में अच्छे कारोबार की उम्मीद दिखाई दी।

अन्नकूट महोत्सव 10 को

- **11 नवम्बर को भाईदूज का पर्व धूमधाम से मनाया**

निवाई। दीपावली पर्व को लेकर लोगों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। वहीं बाजार में दुकानें ईलेक्ट्रिक स्वचालित रंगीन लाइटों से सज गई हैं। दीपावली के पांच दिवसीय पावन त्यौहार को लेकर 8 नवम्बर को महालक्ष्मी पूजन, दीपावली, 9 नवम्बर को सोमवती अमावस्या, 10 नवम्बर को अन्नकूट व गोवर्धन पूजा व 11 नवम्बर को भाईदूज का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा।

त्यौहार को लेकर लोगों में भारी उत्साह बना हुआ है। दीपावली के त्यौहार को लेकर लोग वॉट्स ऐप, ई-मेल, मोबाईल मेसेज, फेसबुक एवं सोशल नेटवर्किंग साईट के माध्यम से बधाईयां भेज रहे हैं। लोग अपने घरों को रंग-रोगन व साफ सफाई करके सजाने में जुटे हुए हैं, वहीं व्यापारी भी अपने प्रतिष्ठानों की सजावट कर रहे हैं। दीपावली के त्यौहार को लेकर शहर में बडा बाजार, चौहट्टी बाजार, जूते चप्पल, मिट्टी के ढीबे, मांगलिक कलश, रंग-रोंगन व पटाखों की दुकानों पर भीड़ रहने लगी है।

दीपोत्सव को लेकर सजाए पारंपरिक मांडणे

निवाई। दीपावली त्यौहार के चलते परम्परानुसार लक्ष्मी जी के स्वागत के लिए महिलाओं ने घरों के मुख्य द्वार सहित घरों के आंगन में, चौखट व दहलीज पर विभिन्न आकृतियों के मांडणे बनाए गए। रतनदेवी, संजू जौला, उर्मिला सोगानी व निशा जैन ने बताया कि प्रतिवर्ष मांडणे मांडने की परम्परा चली आ रही है, जिसको लेकर परंपरानुसार सुख समृद्धि की माता लक्ष्मी जी का स्वागत हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महिलाओं ने अपनी कलात्मकता से मांडणों को नया आकर्षक रूप देकर

पटाखों का अवैध कारोबार पर जयपुर पुलिस ने छापेमारी की

आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 8 लाख रु. से अधिक के पटाखे जब्त किए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । दीपावली के त्योहार के मद्देनजर जयपुर पुलिस ने अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने एयरपोर्ट और जामडोली थाना क्षेत्रों में दबिश देकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान करीब 7 से 8 लाख रुपए कीमत के 19 कार्टून पटाखे और लगभग 30 हजार रुपए के 27 अलग-अलग प्रकार के पटाखे जब्त किए गए हैं।

डीसीपी ईस्ट रंजीता शर्मा ने बताया कि एयरपोर्ट थाना पुलिस ने जगतपुरा में एसबीआई बैंक के सामने संचालित भारत पटाखा शॉप पर छापा मारा। जांच में दुकान संचालक आकाश शर्मा (23) बिना वैध लाइसेंस के आबादी क्षेत्र में पटाखों का भंडारण और बिक्री करता मिला। पुलिस ने मौके से विभिन्न ब्रांड के पटाखों से भरे 19 कार्टून जब्त कर सील किए। इनकी अनुमानित कीमत 7 से 8 लाख रुपए बताई गई है। जिस पर एयरपोर्ट थानाधिकारी विनोद कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी आकाश शर्मा, निवासी आगरा रोड को गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपी से पटाखों की खरीद तथा आपूर्ति के स्त्रोत के बारे में पूछताछ की जा रही है। इसी अभियान के तहत जामडोली थाना पुलिस ने आगरा रोड स्थित पालडी मीणा में विनायक चैंबर के पास दुकानों पर कार्रवाई की। पुलिस ने बिना स्थाई या अस्थाई लाइसेंस पटाखे बेचते हुए मनोज कुमार (31) निवासी पालडी मीणा और बिजेन्द्र कुमार बड़गूजर (47) निवासी पालडी मीणा को पकड़ा। दोनों दुकानों से करीब 30 हजार रुपए कीमत के 27 अलग-अलग लेबल के पटाखे जब्त किए गए। जामडोली थानाधिकारी रतन सिंह कविया ने बताया कि गठित टीमों को विजयपुरा, सुमेल, पुरानी चुंगी और मीना पालडी क्षेत्र में दुकानों के लाइसेंस जांचने के निर्देश दिए गए थे। 5 नवंबर को की गई कार्रवाई में दोनों दुकानदार बिना अनुज्ञापत्र पटाखे बेचते मिले।





जयपुर पुलिस ने जगतपुरा और जामडोली क्षेत्र में दबिश देकर पटाखों का अवैध स्टॉक जब्त किया।

- **जगतपुरा में गोदाम से 19 कार्टून बरामद करके एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, वहीं जामडोली में दो दुकानदारों पकड़े, जिनसे 27 तरह के पटाखे जब्त**

श्रीरामचंद्रजी मंदिर में ठाकुरजी का होगा शाही श्रृंगार

जयपुर (कासं)। चांदपोल स्थित ऐतिहासिक ठिकाना मंदिर श्री रामचंद्र जी में दीपावली पर विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन के तहत ठाकुरजी की भव्य राजसी झांकी सजाई जाएगी। इस अवसर पर भगवान का शाही श्रृंगार पारंपरिक रजवाड़ी वैभव और प्राचीन राजसी परंपराओं से किया जाएगा।

झांकी का मुख्य आकर्षण जरदोजी और आरी-तारी की बारीक कारीगरी से तैयार पारंपरिक रजवाड़ी पोशाक होगी, जिसे 'जामा' कहा जाता है। इस जामे की विशेषता इसका विशाल घेर है। इसे तैयार करने में करीब 36 मीटर कपड़े का उपयोग किया जाता है। बारीक कढ़ाई, भव्य बनावट और पारंपरिक हस्तशिल्प से सजा यह जामा राजस्थानी राजसी परंपरा की झलक पेश करेगा।

महंत नरेन्द्र तिवाड़ी ने बताया कि ठाकुरजी को इस अवसर पर रजवाड़ी काल के पारंपरिक आभूषण भी धारण करवाए जाएंगे। सोने के मुकुट, बहुमूल्य आभूषण, जरदोजी की कलात्मक कारीगरी से सुसज्जित वस्त्रों के साथ स्वर्ण चरण भी धारण करवाए जाएंगे। ठाकुरजी की मनोहारी झांकी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण रहेगी।

आयोजन के तहत शाम को वैदिक परंपराओं और विधि-विधान से महालक्ष्मी पूजन किया जाएगा।

कागज का उपयोग घटाने और सिंगल यूज प्लास्टिक बंद करने का संकल्प



राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अधिकारियों-कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली।

जयपुर (कासं)। पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के उद्देश्य से आयोजित सात दिवसीय 'ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह-2026' का शनिवार को समापन हुआ। अंतिम दिन 'कचरा कम करें' विषय के तहत राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कचरे का उत्पादन कम करने और पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। अतिरिक्त मुख्य पर्यावरण अभियंता अमित शर्मा एवं अधीक्षक वैज्ञानिक अधिकारी अभिषेक शर्मा ने अपशिष्ट प्रबंधन और संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए केवल कचरे का निस्तारण ही नहीं, बल्कि उसके उत्पादन को शुरुआत से ही कम करना जरूरी है। उन्होंने कागज की अनावश्यक खपत रोकने, सिंगल प्लास्टिक से उपयोग बचने तथा पुन: उपयोग योग्य वस्तुओं को प्राथमिकता देने की अपील की।

कार्यक्रम में कचरा कम करने, पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण (3आर) के सिद्धांत अपनाने तथा संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करने का संदेश दिया गया। इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के निर्माण के लिए सामूहिक शपथ भी ली। उल्लेखनीय है कि 1 से 7 नवंबर तक आयोजित इस सप्ताह में प्रतिदिन अलग-अलग विषयों पर जागरूकता गतिविधियां हुईं। इनमें स्वस्थ जीवनशैली, ऊर्जा एवं जल संरक्षण, सतत खाद्य प्रणाली, पर्यावरण अनुकूल व्यवहार, इलेक्ट्रॉनिक कचरे में कमी और अपशिष्ट न्यूनीकरण जैसे विषय शामिल रहे।

शराब के साथ तस्कर पकड़ा

जयपुर । सांगानेर सदर थाना पुलिस ने शिकारपुरा इलाके में कार्रवाई कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अवैध शराब की 14 पेटियां और परिवहन में इस्तेमाल की जा रही अल्टो कार जब्त की है। डीसीपी दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि सांगानेर सदर पुलिस ने शिकारपुरा इलाके में संदिग्ध वाहन को रोककर तलाशी ली। कार में अवैध शराब की 14 पेटियां मिलीं। पुलिस ने सुरेश बंजारा (20) पुत्र जियाराम बंजारा निवासी झुग्गी-झोपड़ी, विष्णु विहार कॉलोनी कोकावास को गिरफ्तार किया।

सार-समाचार

इंटर स्टेट क्विज-भाषण प्रतियोगिता 21 को

जयपुर । यंग सिटीजन ऑफ इंडिया फाउंडेशन की ओर से इंटर स्टेट क्विज और भाषण प्रतियोगिता सीजन-3 का आयोजन 21 नवंबर 2026 को कंस्टीट्यूशन क्लब में किया जाएगा। इसमें करीब 20 स्कूलों के विद्यार्थी भाग लेंगे। फाउंडेशन पिछले तीन वर्षों से अंतरविद्यालय स्तर पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस बार प्रतियोगिता को राज्य स्तरीय स्वरूप दिया जा रहा है। फाउंडेशन की महासचिव सारा इस्माइल ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन देने के साथ उनके व्यक्तित्व विकास और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना है। इसके तहत विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से संवाद और मार्गदर्शन का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी, उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता, चिकित्सक, मीडिया विशेषज्ञ, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) विशेषज्ञ, पुलिस अधिकारी और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे। इनके विशेष सत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को करियर के विभिन्न विकल्पों, भविष्य की संभावनाओं से जुड़ी जानकारी दी जाएगी।

मोबाइल की फिरौती मांगने वाले गिरफ्तार

जयपुर । सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में मोबाइल छीनकर वापस लौटाने के बदले फिरौती मांगने वाले दो शातिर बदमाशों को सांगानेर सदर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने युवक का मोबाइल छीनने के बाद उसे वापस देने की एवज में एक हजार रुपए मांगे थे। पीड़ित ने फोन-पे के जरिए रकम भी ट्रांसफर कर दी, लेकिन आरोपियों ने मोबाइल नहीं लौटाया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटा गया मोबाइल, एक अन्य मोबाइल और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार बिहार निवासी और वर्तमान में सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में रहने वाले मो. फिरदौश आलम ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 3 नवंबर की रात करीब 8:32 बजे वह कंपनी से खाना लेकर लौट रहा था। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक उसके हाथ से मोबाइल छीनकर फरार हो गए। कुछ देर बाद पीड़ित ने अपने दोस्त के मोबाइल से अपने नंबर पर कॉल किया तो आरोपियों ने फोन वापस देने के बदले एक हजार रुपए मांगे। पीड़ित ने आरोपियों की ओर से बताए गए नंबर पर फोन-पे के माध्यम से रकम ट्रांसफर कर दी। हालांकि, मोबाइल वापस मिलने से पहले ही उसने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी सहायता और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने सौरभ कुमार कोली (23) और हेमंत कुमार महावर (22) को पकड़ा। दोनों आरोपी करौली जिले के टोडाभीम थाना क्षेत्र के शहराकर गांव के निवासी हैं। पूछताछ में दोनों ने मोबाइल छीनने की वारदात करना स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने लूटा गया मोबाइल, एक अन्य मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

महालक्ष्मी का दूध-पंचामृत से अभिषेक



जयपुर । दीपावली पर चांदपोल बाजार, नाहरगढ रोड स्थित माता महालक्ष्मी मंदिर में रूप चौदस पर विशेष धार्मिक आयोजन किया गया। इस दौरान 11 विद्वान पंडितों ने पंडित धर्मेश शर्मा के सानिध्य में माता महालक्ष्मी का सवा मन दूध से पंचामृत अभिषेक किया। अभिषेक पुरुष सूक्त और श्री सूक्त के मंत्रोच्चार के बीच विधिवत संपन्न हुआ। अभिषेक के बाद माता महालक्ष्मी को नवीन पोशाक धारण कराई गई। मंदिर में आकर्षक फूल बंगला झांकी सजाई गई तथा माता को विभिन्न मिष्ठान्न व्यंजनों का भोग लगाया गया। साथ ही सुहाग की वस्तुएं भी माता के चरणों में अर्पित की गईं। इस अवसर पर मंदिर में माता की भव्य महाआरती हुई, जिसमें बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। भक्तों ने माता के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिर प्रवक्ता धर्मेश शर्मा ने बताया कि मंदिर में प्राचीन समय से श्रद्धालुओं की गहरी आस्था रही है।

दिन में हल्की गर्मी, रात में बढ़ी सर्दी

जयपुर । राजस्थान में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। दिन में हल्की गर्मी बनी हुई है, जबकि रात के तापमान में गिरावट से ठंड का असर बढ़ने लगा है। शुक्रवार को पश्चिमी राजस्थान के कई जिलों में दिन का तापमान 35 डिग्री से ऊपर रहा। बाड़मेर में सबसे अधिक गर्मी रही, जहां अधिकतम तापमान 37.8 डिग्री सेल्सियस मापा गया। जोधपुर, जैसलमेर, चित्तौड़गढ़ और पाली में भी दिन का तापमान 35 डिग्री से अधिक रहा। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार रात के तापमान में लगातार गिरावट आ रही है। माउंट आबू 12.3 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। वहीं सीकर में न्यूनतम तापमान 13.5 डिग्री मापा गया। इससे सुबह और रात के समय ठंड का असर बढ़ गया है। शुक्रवार को अजमेर सहित कई जिलों में हल्के बादल छाए रहे। अलवर में सुबह के समय हल्का कोहरा भी रहा। हालांकि प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहा। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार अगले तीन दिनों में प्रदेश के तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है। अगले एक सप्ताह तक अधिकांश इलाकों में आसमान साफ रहने और दिन में धूप निकलने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान में भी विशेष बदलाव नहीं होगा।

जेडीए ने करवाई पार्कों की सफाई

जयपुर । स्वच्छ एवं हरित जयपुर के संकल्प को साकार करने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने शनिवार को शहर के विभिन्न पार्कों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। सात दिवसीय 'ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह' के तहत आयोजित इस अभियान में पार्कों से कचरा और अनावश्यक गंदगी हटाकर हरित क्षेत्रों को स्वच्छ-सुव्यवस्थित बनाया गया। जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि अभियान की मुख्य थीम 'मिशन लाइफ-स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं' रखी गई है। इसके तहत जेडीए के विभिन्न जोन में स्थित पार्कों में स्वच्छता गतिविधियां आयोजित कर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

आतिशबाजी के दौरान संभावित आगजनी से निपटने के लिए अग्निशमन शाखा अलर्ट मोड पर



क्रमांक	फायर स्टेशन	आपातकालीन नंबर
1	विश्वकर्मा नियंत्रण कक्ष	0141-2332573, 2330080
2	झोटवाड़ा	0141-2348852
3	बिंदायका	0141-2240100
4	22 गोदाम	0141-2211258, 2210093
5	मालवीय नगर	0141-5132101, 2755930
6	मानसरोवर	0141-2395566, 8764879778
7	सीतापुरा	8764879779
8	अपैरल पार्क	8764880100
9	बनीपार्क नियंत्रण कक्ष	0141-2201898, 2200926
10	घाटगेट	0141-2615550, 2567967, 2600774
11	आमेर	0141-2531282
12	चौगान	0141-2411891, 8279179062

जयपुर। दीपावली पर आतिशबाजी के दौरान आगजनी की घटनाओं से निपटने के लिए जयपुर निगम की अग्निशमन शाखा को अलर्ट मोड पर रखा गया है। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा के निर्देश पर शहर के 12 फायर स्टेशनों पर दमकल वाहन और आवश्यक संसाधन तैनात रहेंगे। इसके अलावा 11 पुलिस थानों, पुलिस आयुक्तालय और नगर निगम मुख्यालयों सहित प्रमुख स्थानों पर भी अग्निशमन वाहन मय स्टाफ तैनात किए जाएंगे।

उपायुक्त फायर दुर्गा कुमारी ने बताया कि 6 से 11 नवंबर तक सभी स्थायी एवं अस्थायी अग्निशमन कर्मचारियों की ड्यूटी दो पारियों में रहेगी। पहली पारी सुबह 7 से शाम 7 बजे और दूसरी पारी शाम 7 से सुबह 7 बजे तक होगी। विश्वकर्मा, झोटवाड़ा, बिंदायका, 22 गोदाम, मालवीय नगर, मानसरोवर, सीतापुरा, अपैरल पार्क, बनीपार्क, घाटगेट, आमेर और चौगान फायर स्टेशनों पर दमकल वाहन तैयार रहेंगे।

नगर निगम ने आमजन से पटाखे खुले और सुरक्षित स्थानों पर चलाने, बच्चों को अकेला नहीं छोड़ने तथा सूती कपड़े पहनने की अपील की है। पटाखे जलाते समय पानी की बाल्टी और अग्निशमन यंत्र पास रखने तथा अस्पताल, पेट्रोल पंप और गैस गोदाम के आसपास आतिशबाजी नहीं करने की सलाह दी गई है। पटाखा दुकानदारों को वैध अनुज्ञापत्र, सुरक्षित भंडारण और अग्निशमन उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अस्पतालों में आपातकालीन सेवाएं और बर्न यूनिट रहेंगी अलर्ट मोड पर

जयपुर । दीपावली के त्योहार को देखते हुए प्रदेश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह मुस्तैद रखने के निर्देश दिए गए हैं। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में आपातकालीन सेवाओं और बर्न यूनिट को अलर्ट मोड पर रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं से जुड़े चिकित्सा कर्मियों के अवकाश निरस्त करने के निर्देश भी दिए गए हैं। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि दीपावली के दौरान पटाखों से जलने, आगजनी और अन्य दुर्घटनाओं की आशंका रहती है। ऐसे में सभी अस्पतालों में आपातकालीन उपचार की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बर्न यूनिट में आवश्यक संसाधन, दवाइयां और उपचार संबंधी सुविधाएं उपलब्ध रहें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को तत्काल उपचार मिल सके। उन्होंने निर्देश दिए कि आपातकालीन सेवाओं से जुड़े चिकित्सक एवं अन्य चिकित्सा कर्मी ड्यूटी पर उपलब्ध रहें। अस्पतालों में आवश्यक स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित की जाए और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी व्यवस्थाएं तैयार रखें। त्योहार के दौरान आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र शास्त्री के खिलाफ एसीपी को सौंपा परिवाद

भगवान श्रीकृष्ण पर कथित बयान से यादव समाज में रोष

जयपुर । भगवान श्रीकृष्ण के संबंध में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री की कथित टिप्पणी को लेकर यादव समाज में नाराजगी है। इस मामले में शनिवार को अखिल भारतीय यादव महासभा की बैठक आयोजित हुई। इसमें समाज के प्रतिनिधियों ने अपनी आपत्ति लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से दर्ज कराने का निर्णय लिया। वहीं इस बैठक में तय किया गया कि देशभर में समाज के प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों में प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपेंगे। साथ ही कानूनी प्रक्रिया के तहत शिकायत दर्ज कराकर मामले की निष्पक्ष जांच और नियमानुसार कार्रवाई की मांग करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन भी किया जाएगा।

इसी क्रम में जयपुर में राजस्थान यादव महासभा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र यादव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने वैशाली नगर एसीपी अनिल शर्मा से मिले और फिर उन्हे परिवाद सौंपा। इसमें कथित बयान की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की गई। महेंद्र यादव ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य किसी व्यक्ति या समुदाय के प्रति वैमनस्य पैदा करना नहीं, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण के प्रति यादव समाज की आस्था, श्रद्धा और भावनाओं को लोकतांत्रिक तरीके से अभिव्यक्त करना है। उन्होंने समाज के लोगों से सामाजिक एकता, आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। राजस्थान युवा यादव महासभा के युवा प्रदेश अध्यक्ष मदन यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के प्रति यादव समाज की अटूट आस्था और सामाजिक सम्मान से जुड़ा यह विषय समाज की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। समाज के युवा एकजुट होकर लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से इस अभियान को आगे बढ़ाएंगे। इस दौरान एडवोकेट महेंद्र सिंह यादव, रतन यादव, विनोद यादव, कुलदीप यादव, जुगल यादव, लालचंद यादव, मोहन यादव, चित्रकूट व्यापार मंडल अध्यक्ष रामगोपाल यादव, रामधन यादव, राकेश खंडेलवाल और मधुसूदन शर्मा सहित समाज के अनेक प्रतिनिधि मौजूद रहे।



राजस्थान यादव महासभा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र यादव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने वैशाली नगर एसीपी अनिल शर्मा को बागेश्वर धाम से जुड़े धीरेन्द्र शास्त्री के खिलाफ परिवाद सौंपा।

श्री अमरापुर स्थान में 11 से 24 नवंबर तक कार्तिक महोत्सव

जयपुर । छोटी काशी जयपुर के प्रमुख धार्मिक केंद्र श्री अमरापुर स्थान में कार्तिक मास के अवसर पर 11 से 24 नवंबर तक कार्तिक महोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। महोत्सव का शुभारंभ 11 नवंबर, भाई दूज को सुबह 7 से 9 बजे तक प्रार्थना और सत्संग के साथ होगा। इस दौरान श्री प्रेम प्रकाश ग्रंथ, श्रीमद्भगवद्गीता और कार्तिक माहात्म्य का वाचन किया जाएगा। प्रेम प्रकाश मंडलाध्यक्ष स्वामी भगत प्रकाश महाराज विशेष भजन और सत्संग करेंगे।

महोत्सव के तहत 12 नवंबर से प्रतिदिन सुबह 6 बजे हरिनाम संकीर्तन प्रभात फेरी निकाली जाएगी। संतों के अनुसार कार्तिक मास में हरिनाम संकीर्तन, दीपदान, तुलसी पूजन और सत्संग का विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व है।

24 नवंबर तक चलने वाले इस महोत्सव में सद्गुरु टेऊँराम चौथ पर्व, गोपाष्टमी महोत्सव, आंवला पूजन, एकादशी विशेष संकीर्तन, दीपदान, सत्यनारायण कथा और भजन-कीर्तन सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे। इनके माध्यम से श्रद्धालु भक्ति, सेवा और आध्यात्मिक साधना से जुड़ सकेंगे।

मंदिर में दर्शन का समय सुबह 6 से दोपहर 12 बजे तथा शाम 3 से रात 8:30 बजे तक रहेगा। इस दौरान श्री मंदिर में भगवान लक्ष्मी-नारायण और लड्डू गोपाल के मनमोहक दर्शन होंगे।

जयपुर के पटाखा बाजार में स्काई शॉट और बटरफ्लाई की मांग बढ़ी

300 से 400 फीट ऊंचाई तक रोशनी बिखेरने वाले पटाखे ग्राहकों की पहली पसंद बने

जयपुर (कासं)। दीपावली पर्व की खरीददारी के लिए राजधानी जयपुर के बाजारों में इन दिनों रौनक परवान पर है। दीपोत्सव की तैयारियों के बीच पटाखा बाजार में भी पसंद का ट्रेंड बदलता नजर आ रहा है। कभी दीपावली की पहचान रहे अनार, जमीन चक्कर और फुलझड़ी की मांग अब पहले जैसी नहीं रही। इनकी जगह स्काई शॉट, बटरफ्लाई सहित कई फैंसी पटाखों ने ले ली है। खासकर 300 से 400 फीट की ऊंचाई तक जाकर रंग-बिरंगी रोशनी बिखेरने वाले स्काई शॉट ग्राहकों को खूब लुभा रहे हैं। वहीं, ग्रीन पटाखों के प्रति भी लोगों का रुझान बढ़ा है।

राजधानी के पुराने आतिश मार्केट और परकोटे के विभिन्न बाजारों में पटाखों की खरीदारी शुरू हो गई है। कारोबारियों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में बिक्री का तरीका भी बदला है। पहले लोग दीपावली से 10 से 15 दिन पहले ही पटाखे खरीदने पहुंच जाते थे, लेकिन अब अधिकांश ग्राहक त्योहार से दो-तीन दिन पहले बाजार आते हैं। ऐसे में कारोबारियों को बिक्री में तेजी आने का इंतजार रहता है।



पटाखा विक्रेता सोहेल खान ने बताया कि इस बार बाजार में फैंसी पटाखों की नई किस्में आई हैं। इनमें स्काई शॉट और बटरफ्लाई की सबसे ज्यादा मांग है। स्काई शॉट आसमान में 300 से 400 फीट की ऊंचाई पर जाकर रंगीन रोशनी बिखेरते हैं। उन्होंने कहा कि अनार, जमीन चक्कर और फुलझड़ी जैसे परंपरागत पटाखों की मांग में कमी आई है। ग्राहक अब नए डिजाइन और आकर्षक रोशनी वाले पटाखे पसंद कर रहे हैं। कंपनियां शादी-ब्याह और बड़े आयोजनों में इस्तेमाल होने वाली आतिशबाजी को छोटे आकार में तैयार कर रही हैं, जिससे आम ग्राहक भी उसी तरह के आकर्षक प्रभाव वाले पटाखे खरीद पा रहे हैं।

शिवकाशी से आ रही ज्यादातर आतिशबाजी

पटाखा बाजार में बदलाव के बीच जयपुर की पारंपरिक आतिशबाजी कला भी अपनी पहचान खोती जा रही है। शहर की स्थापना के बाद से ही यहां आतिशबाजी बनाने की परंपरा रही है। जयपुर की शोरगर बिरादरी पीढ़ियों से इस कला में दक्ष रही है। यहां के कारीगर अनार, फ्लावर पॉट, जमीन चक्कर और फुलझड़ी जैसे पटाखे बनाने के लिए पहचाने जाते थे। हालांकि, समय के साथ यह परंपरा सिमटती चली गई। वर्तमान में जयपुर के बाजारों में बिकने वाले अधिकांश पटाखे तमिलनाडु के शिवकाशी से आ रहे हैं, जो देश में आतिशबाजी निर्माण का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है।

- **इस बार ग्राहकों के बीच अनार, जमीन चक्कर और फुलझड़ी की चमक फीकी पड़ी**

पटाखा विक्रेता जहीर अहमद का कहना है कि समय के साथ पटाखों की डिजाइन और निर्माण तकनीक में बड़ा बदलाव आया है। पहले बड़े आयोजनों में इस्तेमाल होने वाली आतिशबाजी अब कंपनियां छोटे आकार में तैयार कर रही हैं। इनमें भी पहले जैसे आकर्षक प्रभाव देखने को मिलते हैं। उन्होंने कहा कि जयपुर के शोरगर कारीगर पारंपरिक आतिशबाजी बनाने में माहिर थे, लेकिन सरकारी संरक्षण और प्रोत्साहन के अभाव में यह कला मरणासन्न स्थिति में पहुंच गई है। सरकार हस्तकला को बढ़ावा देने की बात करती है, लेकिन शोरगर कारीगरों को अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा।

ग्रीन पटाखों की उपलब्धता बढ़ी

कारोबारियों के अनुसार पिछले दो वर्षों में बाजार में ग्रीन पटाखों की उपलब्धता बढ़ी है। उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों और निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार किए जाने वाले इन पटाखों में पारंपरिक पटाखों की तुलना में कम धुआं निकलने का दावा किया जाता है। सोहेल खान के मुताबिक, पटाखे प्रयोगशाला में जांच और निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही बाजार में बिक्री के लिए आते हैं। पटाखा बाजार में बदलता यह ट्रेंड केवल ग्राहकों की पसंद में बदलाव नहीं दर्शाता, बल्कि आतिशबाजी कारोबार की बदलती तस्वीर भी सामने रखता है। एक ओर स्काई शॉट और बटरफ्लाई जैसे आधुनिक पटाखे बाजार में छाए हुए हैं, तो दूसरी ओर कभी जयपुर की पहचान रही शोरगर कला संरक्षण के अभाव में सिमटती जा रही है। जिस शहर की आतिशबाजी कभी देश-दुनिया में मशहूर थी, उसी का बाजार आज बड़े पैमाने पर शिवकाशी से आने वाली खेप पर निर्भर होता जा रहा है।

ARBiT it happens here...

Building Better Cities

World Town Planning Day is highlights the importance of smart, sustainable, and inclusive urban development. Observed globally, it emphasizes how well-planned towns and cities can improve quality of life, reduce congestion, and promote environmental sustainability. The day encourages community participation, ensuring that urban growth reflects local needs and culture. Activities like workshops, seminars, and exhibitions educate citizens and professionals about innovative planning strategies, green infrastructure, and efficient public transport. Ultimately, World Town Planning Day serves as a reminder that thoughtful urban design is key to resilient, liveable, and future-ready cities, shaping the way we live and interact.

राष्ट्रदूत
SUNDAY
08 November 2026
A-B

#FOOD

Diwali Savouries

Festivals are incomplete without delicious and toothsome foods especially when we spend time with our loved ones

Easy-breezy festive munchies

Diwali is a festival of lights, colours, crackers and food. This is the time of the year when most people spend time with their family members, extended families, relatives and friends. Festivals are incomplete without delicious and toothsome foods especially when we spend time with our loved ones. Here is a collection of Diwali snacks that may be useful for you to plan ahead your diwali menu.

Ajwain Aur Kalonji Ki Nimki



Ingredients

- 150 Gram Wheat Flour
- 150 Gram White Flour or Maida
- 2 Tbsp Ajwain
- 2 Tbsp Black Onion Seeds
- 2 tsp Baking Soda
- 3 Tbsp Oil or Ghee
- To taste, Salt

Preparation

1. Sieve the wheat flour, white flour, baking soda and salt together.
2. Add the ajwain. Mix the cumin seeds with the rest of the sieved flours.
3. Add oil or ghee. Add water and start to knead the dough.
4. The dough should not be soft, but firm.
5. Take medium sized balls from the dough and roll them on dusted flour.
6. With a serrated knife, make criss cross patterns on the rolled dough.
7. Remove the diamond shaped patterns and deep fry them in hot oil till crisp and golden browned.
8. Drain the namak pare on paper napkins to remove excess oil.
9. Once they cool down, then store namak pare in an airtight box.
10. Serve them anytime along with green chutney.

Cheese and Jalapeno Stuffed Kachori



Ingredients

- 500 Gram Flour
- 15 Gram Ajwain
- 1/4 Cup Oil
- 20 Gram Salt
- 100 Gram Cottage cheese
- 50 Gram Cheddar Cheese
- 50 Gram Jalapeno

Preparation

1. Sieve flour, put oil and rub with your palm.
2. Now, add salt, Ajwain, black onion seed and mix well.
3. Make a well in the centre, add enough water and knead into stiff dough. Make small size of balls and keep aside.
4. Heat oil, add ajwain and cottage cheese. Cook for some time with salt and red chilli powder.
5. Keep this mixture for cooling. Now, add grated cheddar cheese and chopped jalapeno.
6. Stuffed this mixture inside the balls and flatten with your palm.
7. Deep fry and serve hot with tamarind chutney.

Paneer Tikki

Ingredients

- 200 Gram Paneer, mashed
- 1 Potato (peeled), boiled
- 1/4 Cup Singhare ka atta (water chestnut)
- 2 tsp Sendha namak (white rock salt)
- 1/4 tsp Kali mirch (powdered black pepper)
- 1 Green chilli, finely chopped
- 1 Tbsp Tulsi leaves, finely chopped
- Ghee

Preparation

1. Grate potatoes, add paneer, atta, rock salt, pepper, green chillies and tulsi and mash well till smooth and is dough like.
2. Form into flat rounds (grease your hands if it sticks).
3. Heat a thin layer of ghee in a non-stick frying pan. Fry the rounds over medium heat, till crisp and brown on both sides.
4. Add a little more ghee if required and serve hot with chutney.



From this time on, Guru Hargobind was known as Bandi (prison) Chhor (liberator), and the day of liberation is celebrated as Bandi Chhor Divas (day). Several days later, when Guru Hargobind Sahib ji reached Amritsar, the Hindu festival of light, Diwali, was being celebrated. In their joy at seeing their Guru ji again, the people lit up the whole city with candles, lights, and lamps. After almost four hundred years, this tradition continues in Amritsar, and on this day, the Harmandir Sahib is glowing with thousands of candles, floating lamps, strings of lights that decorate the domes and fireworks bursting in the sky.







When They Were All Released

#BANDI CHOD DIWAS





Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

It happened in the autumn of 1619 and is now celebrated in October or November, as the date changes according to the Lunar calendar, as the *bandi chod diwas*. Guru Hargobind Sahib ji's father, Guru Arjan Dev ji, had been martyred nearly 13 years before 1619 and the Mughal authorities weren't taking their eyes off the young Guru. When he constructed the Akal Takht, the Throne of the Almighty, in Amritsar, he simultaneously strengthened his strong, fierce army. The Nawab of Lahore, Murtaja Khan, grew alarmed and suspicious, so, he informed the Mughal Emperor Jahangir. The Nawab conveyed their fear that the Guru might just be planning to avenge the horrible death of his father. At once, Jahangir sent Wazir Khan and Guncha Beg to Amritsar to arrest Guru Hargobind Sahib ji.

However, Wazir Khan was a follower and admirer of the Guru, so, instead of arresting him, he persuaded and convinced the Guru to join them to Delhi and meet the emperor. Even though Jahangir had ordered the execution of the Guru's father, he accepted the invitation and came along to the emperor's court. When the Guru Sahib reached Delhi, he stayed with his army at a place called Majnu ka Tilla. When the Emperor Jahangir met the young Guru, he was captivated by his charm and purity of spirit, and over the next few days, Jahangir asked Guru Sahib a lot of questions regarding his spiritual kingship and warlike preparations. Guru Sahib answered each and every one of his questions with grace, compassion and spiritual wisdom. One of his questions was which religion was better, Hindu or Muslim, to which the Guru quoted lines from Kabir proclaiming that One Lord is within both Hindus and Muslims. The emperor was very pleased and happy with Guru Ji and was desperate for him to be in his presence. The queen, Noor Jehan, had a strong interest in Guru Sahib, and became his follower.

When the Guru Sahib reached Delhi, he stayed with his army at a place called Majnu ka Tilla. When the Emperor Jahangir met the young Guru, he was captivated by his charm and purity of spirit, and over the next few days, Jahangir asked Guru Sahib a lot of questions regarding his spiritual kingship and warlike preparations. Guru Sahib answered each and every one of his questions with grace, compassion and spiritual wisdom. One of his questions was which religion was better...



The emperor was entranced by the Guru's wisdom, so, he had prepared a royal reception for him, after which he invited the young Hargobind to come with him on his shikars or hunting expeditions. During one of these hunts, Guru Hargobind Sahib ji saved the emperor's life. The Guru and the emperor became good friends, but this only increased the jealousy of others who wanted the emperor's favour for themselves. One of these people was Chandu Shah, a rich banker, with influence in the court.

While in Agra, the emperor fell very ill and it seemed that nothing could cure him. Chandu Shah cornered the court astrologers and convinced them to tell the emperor that his illness was caused by an inauspicious alignment of the stars which could only be cured if a holy man would go to Gwalior Fort, situated to south of Agra and offer prayers for his recovery. Chandu Shah, using the garb of innocence, suggested that no one could fit for this precious task except for Guru Hargobind Sahib ji. Thus, at the emperor's request, Guru ji agreed and left for the Fort with several companions. Rather than being a sanctuary of tranquillity, Gwalior Fort was really just a prison where enemies of the state, including a number of Rajput princes, were kept. True to his nature, the Guru inspired them to join him in daily prayers and did his best to improve their conditions. In time, they came to revere him.

The governor of the fort, Hari Das, was a Sikh of the Guru and turned over to him, a letter from Chandu Shah ordering him to poison the Guru. After the Guru had been in Gwalior Fort for several months, his Sikhs, including Baba Buddha ji, made the long journey from Amritsar to tell him how much they missed his presence. Even though the emperor had recovered, the Guru ji was still held captive. At this time, Mian Mir, a noted Sufi saint, travelled to the emperor's court and asked him to release the Guru. Upon his persuasion, the emperor commanded Wazir Khan to free the Guru. Hari Das informed the Guru of this fortunate turn of events; however, the Guru could not embrace his own fortune at the expense of the other prisoners and refused to leave the Fort until all 52 of the Rajput princes were freed as well.

When Wazir Khan put the Guru's condition in front of the emperor, he initially refused it. It was only when Wazir Khan reminded the emperor that the Guru had saved his life that the emperor relented. The emperor added a condition of his own: if the Guru wanted to be released from the Fort, each prisoner must be holding on to the Guru's *chola*, which is the Punjabi word for robe, as he walked out of the prison gates. The emperor was pleased with himself because he was sure that only a mere handful would be able to fulfil this condition.

Little did the emperor know that the Guru was delighted by this challenge. He had his tailor make a special chola with 52 panels attached to it. At the appointed time, the Guru donned the heavy chola, which stretched for yards behind him. The 52 princes, each gripped onto a panel; 26 on the right and 26 on the left. Walking behind the Guru, careful not to let go, they stepped out into the sunlight and freedom, to the cheers of the Guru's Sikhs.

From this time on, Guru Hargobind was known as Bandi (prison) Chhor (liberator), and the day of liberation is celebrated as Bandi Chhor Divas (day). Several days later, when Guru Hargobind Sahib ji reached Amritsar, the Hindu festival of light, Diwali, was being celebrated. In their joy at seeing their Guru ji again, the people lit up the whole city with candles, lights, and lamps. After almost four hundred years, this tradition continues in Amritsar, and on this day, the Harmandir Sahib is glowing with thousands of candles, floating lamps, strings of lights that decorate the domes and fireworks bursting in the sky. Same is done in every Sikh Gurdwara and household across the world to celebrate the occasion of Bandi Chhor Diwas by lighting candles and fireworks.

At the emperor's request, Guru ji agreed and left for the Fort with several companions. Rather than being a sanctuary of tranquillity, Gwalior Fort was really just a prison where enemies of the state, including a number of Rajput princes, were kept. True to his nature, the Guru inspired them to join him in daily prayers and did his best to improve their conditions. In time, they came to revere him. The governor of the fort, Hari Das, was a Sikh of the Guru and turned over to him, a letter from Chandu Shah...

rajeshsharma1049@gmail.com



#LEGACY

From Princess to Suffragette

Sophia Duleep Singh: The Royal Suffragette who bridged India and Britain, a forgotten legacy

Sophia Duleep Singh's story is a remarkable tapestry woven with threads of royalty, resistance, and identity. Born into the legacy of a displaced Indian royal family and raised amidst the British elite, she grew up to become a passionate fighter for women's rights in the UK. Yet, despite her extraordinary life and achievements, she remains a little-known figure in India, the land of her ancestors.

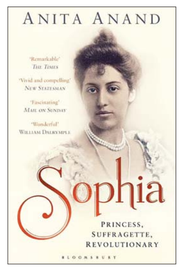
Royal Bloodline and a Turbulent Heritage

Sophia was born in 1876 in London to Maharaja Sir Duleep Singh and Bamba Müller. Her father, Duleep Singh, was the last Maharaja of the Sikh Empire, which once ruled Punjab in northern India. However, his reign was cut short when the British East India Company defeated the Sikhs in the mid-19th century. After the annexation of Punjab in 1849, the young Maharaja was taken from his homeland and brought to England under British guardianship. Converted to Christianity and separated from his Sikh upbringing, Duleep Singh's life became a complex blend of colonial displacement and royal dignity.

Sophia grew up as part of this complex legacy. She was the goddaughter of Queen Victoria, a symbol of the British Empire, and yet, she was deeply connected to her Indian heritage. This dual identity shaped her worldview and ultimately fueled her commitment to justice and equality.

From Princess to Suffragette: A Life of Activism

Sophia could have lived a life of luxury and detachment from politics, but instead, she chose to become actively involved in the struggle for women's voting rights in Britain. In the early 20th century, the campaign for women's suffrage was gaining momentum but faced fierce opposition. Sophia joined the Women's Social and Political Union (WSPU), founded by Emmeline Pankhurst, known for its militant tactics to demand voting rights.



Using her royal status and public profile, Sophia became a prominent face of the suffragette movement. She participated in marches and protests, wore the suffragette colours of purple, white, and green, and helped raise funds for the cause. Her involvement was not merely symbolic; she actively challenged the establishment, risking police attention and public criticism. One of the most notable moments was in 1911 when she protested outside Buckingham Palace during a WSPU demonstration. Her presence there was a powerful statement, a woman of Indian royal descent publicly challenging the British monarchy's policies on women's rights.

A Symbol of Cross-Cultural Resistance

Sophia's activism was extraordinary because it bridged the worlds of empire and resistance. As a princess of Indian descent under British colonial rule, her fight for suffrage resonated on multiple levels. She stood against gender inequality within British society and, by extension, highlighted the contradictions of British imperialism. Sophia also used her position to raise awareness about India's struggle under British rule. Although her primary activism was for women's rights in the UK, she never lost sight of the colonial injustices faced by her homeland. Later in life, she supported Indian nationalist causes and remained engaged with issues related to her cultural roots.



The Forgotten Legacy in India

Despite her rich and inspiring story, Sophia Duleep Singh remains largely unknown in India today. Her life and contributions are often overshadowed by other narratives of Indian history focused on male political leaders and freedom fighters. The legacy of colonialism and the complex identities forged during that period have contributed to her relative obscurity.

In Britain, Sophia's role in the suffrage movement is increasingly recognized through books, museum exhibits, and documentaries. Yet, in India, her story has not been widely integrated into mainstream historical accounts or public memory. This lack of recognition perhaps reflects the broader challenge of acknowledging figures who operated within colonial frameworks, yet also resisted oppressive systems.

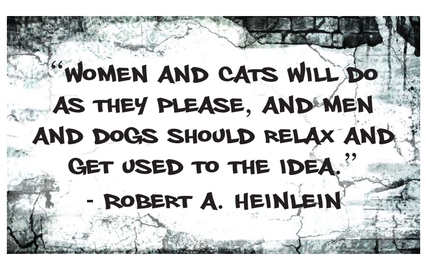
Remembering Sophia Today

In recent years, efforts have begun to revive Sophia Duleep Singh's memory, honouring her as a trailblazer who challenged social and political norms. She reminds us that history is often more nuanced than national narratives suggest. Her life is a testament to courage, intersectionality, and the enduring struggle for justice.

Sophia Duleep Singh's story invites us to reflect on the intersections of identity, power, and activism. It is a reminder that the fight for equality transcends borders and that the legacies of individuals can sometimes be hidden in plain sight, waiting for rediscovery.



THE WALL



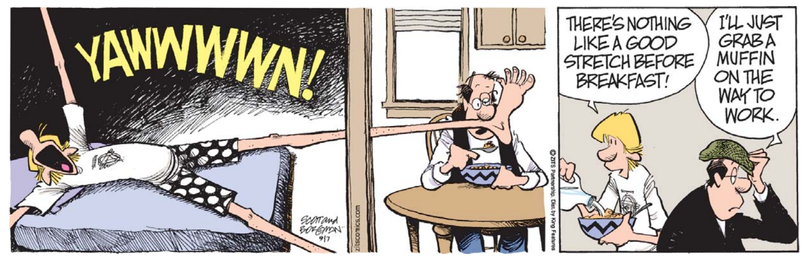
BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman



पुष्कर पशु मेले की तैयारियां अंतिम चरण में, 19 से पशु प्रतियोगिताएं शुरु होंगी

पशुपालकों का पुष्कर पहुंचना शुरू, 26 नवंबर तक चलेगा प्रतियोगिताओं का दौर

पुष्कर, (निसं)। विश्व प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय श्री पुष्कर पशु मेला-2026 अब धीरे-धीरे अपने पूरे रंग में आने लगा है। मेले की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं और पशुपालकों का अपने पशुधन के साथ पुष्कर पहुंचना शुरू हो गया है। राज्य सरकार के पशुपालन विभाग ने मेले के तहत आयोजित होने वाली पशु प्रतियोगिताओं की समय सारणी जारी कर दी है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 19 नवंबर से 26 नवंबर तक विभिन्न नस्लों और श्रेणियों के पशुओं की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिताओं को लेकर पशुपालकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

मेला अधिकारी डॉ. नवीन परिहार ने बताया कि इस वर्ष पशु प्रतियोगिताओं के सफल और व्यवस्थित आयोजन के लिए विस्तृत कार्यक्रम तैयार किया गया है। इसके तहत पशुओं के पंजीकरण से लेकर विभिन्न नस्लों की प्रतियोगिताओं, परिणामों की घोषणा, पुरस्कार वितरण और समापन समारोह तक की रूपरेखा निर्धारित कर दी गई है। प्रतियोगिताओं में अश्व, ऊंट, बकरी, भैंस, गीर नस्ल के पशु और नागौरी बैलों सहित विभिन्न श्रेणियों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिताओं का शुभारंभ 19 नवंबर, गुरुवार को पशुओं के पंजीकरण के साथ होगा। इसके बाद निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पशुओं को सम्मानित कर पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। पशुपालन विभाग की ओर से आयोजन को लेकर आवश्यक व्यवस्थाएं जुटाई जा रही हैं।

- **पुष्कर पशु मेले में अश्व, ऊंट, भैंस, बकरी और नागौरी बैलों की प्रतिस्पर्धायें होंगी**

पशुपालकों के पहुंचने से बढ़ने लगी मेले की रौनक :-पशु मेले में भाग लेने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से पशुपालकों का पुष्कर पहुंचना शुरू हो गया है। पशुपालक अपने साथ आकर्षक और उन्नत नस्ल के पशु लेकर पहुंच रहे हैं। आने वाले दिनों में पशुधन की संख्या बढ़ने के साथ मेला मैदान में रौनक और बढ़ने की उम्मीद है। विभाग की ओर से पशुपालकों से निर्धारित समय पर अपने पशुओं का पंजीकरण करवाने और प्रतियोगिताओं से संबंधित नियमों का पालन करने की अपील की गई है।

पशुधन संरक्षण और नस्ल सुधार का भी बड़ा मंच :-गौरतलब है कि पुष्कर पशु मेला केवल धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन ही नहीं, बल्कि पशुधन संरक्षण, नस्ल सुधार और पारंपरिक पशुपालन को प्रोत्साहन देने का भी महत्वपूर्ण मंच है। यहाँ हर वर्ष राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों से पशुपालक अपने श्रेष्ठ नस्ल के पशुओं के साथ पहुंचते हैं। पशु प्रतियोगिताओं के माध्यम से उत्कृष्ट पशुधन की पहचान और पशुपालकों को प्रोत्साहन मिलता है। ऐसे में इस बार भी 19 से 26 नवंबर तक आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं को लेकर पशुपालकों के साथ-साथ देशी-विदेशी पर्यटकों में भी खासा उत्साह रहने की उम्मीद है।

भीलवाड़ा शहर में अज्ञात युवक का शव मिला

पुलिस ने मृतक के दाएं हाथ पर टैटू से पहचान की कोशिश शुरु की

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक संदिग्ध मामला सामने आया है। अरिहंत हॉस्पिटल के नजदीक एक दुकान के बाहर फर्श पर करीब 30-35 साल के एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह-सवेरे घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और फौरन पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

टैटू और पहनावे से पहचान की जुगत : -पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मृतक की पहचान अभी तक उजागर नहीं हो सकी है। हालांकि, उसकी शिनाख्त के लिए पुलिस ने उसके शारीरिक हुलिया और कपड़ों का ब्योरा सार्वजनिक किया है। स्थानीय लोगों से मिली शुरुआती जानकारी के अनुसार मृतक के बंजारा जाति से ताल्लुक रखने की संभावना जताई जा रही है।



भीलवाड़ा में दुकान के बाहर फर्श पर अज्ञात युवक का शव मिला।

- **पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया**

मोर्चरी में रखवाया गया शव : मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और पहचान सुनिश्चित होने तक सुरक्षित रखने के लिए उसे महात्मा गांधी अस्पताल, भीलवाड़ा की मोर्चरी में रखवा दिया है। कोतवाली थाना पुलिस ने आसपास के तमाम थाना क्षेत्रों और आम जनता से अपील की है कि यदि उपर्युक्त हुलिया से मेल खाता हुआ कोई व्यक्ति आपके आस-पास गुमशुदा है तो कोतवाली थाना पुलिस भीलवाड़ा को सूचित करे।

निर्दोष को फंसाने की साजिश की नाकाम, आरोपी प्रेमी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके की पुलिस टीम ने नाबालिग से दुष्कर्म की शिकायत मिलने पर मामले में कार्रवाई व अनुसंधान करते हुए लड़की के प्रेमी आरोपी को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 30 अक्टूबर को जिला कोटा ग्रामीण में नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की शिकायत प्राप्त हुई। फरियादिया ने ग्रामीण के एक थाने में दी गई शिकायत में कहा कि करीब 2 वर्ष पहले इंस्टाग्राम पर कोटा निवासी एक युवक से दोस्ती हुई थी। युवक इंस्टाग्राम पर एवं फोन पर बातें करता था। शिकायत में कहा कि कोटा निवासी युवक अपने अन्य साथियों के साथ उसके गांव आया और गांव से बाइक पर कोटा चलने की कहकर साथ ले गया, रास्ते में नहर के समीप काले रंग की कार खड़ी थी। बाद में कार से कोटा लेकर गए, जहां सुनसान जगह पर ले जाकर कार रोक दी और उसके साथ युवक ने दुष्कर्म किया एवं उसके साथियों ने भी छेड़छाड़ की और बाद में उसे गांव छोड़ दिया।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादिया की शिकायत पर मामला दर्ज कर मामले में अनुसंधान के लिये पुलिस उप अधीक्षक अरूण कुमार के सुपरविजन में टीम गठित की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने मामले में कार्यवाही करते हुए आरोपी युवक को पकड़ा एवं पूछताछ की तो पुलिस पूछताछ व अनुसंधान में कोई ठोस सबूत नहीं मिलने के वजह से पुलिस को फरियादिया पर शक हुआ। टीम ने मामले में सूझबूझ, सतर्कता एवं आधुनिक तकनीकी संसाधनों का उपयोग करते हुए मामले की प्रत्येक कड़ी का बारीकी से विश्लेषण किया तो मामले में सामने आया कि प्रेम प्रसंग का किसी को पता न चले इसके चलते नाबालिग लड़की ने सोची समझी साजिश के तहत दुष्कर्म का झूठा आरोप कोटा निवासी युवक व उसके साथियों पर लगा दिया, जबकि फरियादिया कोटा निवासी युवक से कभी भी पूर्व में मिली नहीं था, बस केवल 2 वर्ष पूर्व इन्स्टाग्राम सोशल अकाउण्ट पर एक-दो बार मैसेज के माध्यम से सामान्य तौर पर बात हुई थी।

- **मामले में सामने आया कि प्रेम प्रसंग का किसी को पता न चले इसके चलते नाबालिग लड़की ने सोची समझी साजिश के तहत दुष्कर्म का झूठा आरोप कोटा निवासी युवक व उसके साथियों पर लगा दिया**

ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस ने मामले में घटनाक्रम का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी की पहचान कर प्रेमी (मुख्य आरोपी) के बारे में गठित टीम को सूचना दी कि नीरज नाम के व्यक्ति का फरियादिया के साथ सम्पर्क होना पाया गया है। उक्त सूचना पर गठित टीम द्वारा संदिग्ध व्यक्ति नीरज को डिटेन कर गहन पूछताछ एवं तकनीकी अनुसंधान किया गया तो उक्त संदिग्ध व्यक्ति ने फरियादिया के साथ दुष्कर्म की घटना करने को स्वीकार करना एवं अपराधी में मोबाईल में डिजिटल साक्ष्य भी प्राप्त हुए। आरोपी नीरज को फरियादिया के साथ दुष्कर्म करने की वारदात में गिरफ्तार किया गया एवं अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।

बूंदी जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में अंधेरा, मोबाइल की रोशनी में नेत्रदान हुआ

कोटा, (निसं)। दीपावली का पर्व, जब हर घर में खुशियों के दीप जल रहे थे तब बूंदी के एक परिवार के घर का चिराग सड़क दुर्घटना में हमेशा के लिए बुझ गया। महज 18 वर्ष की उम्र में अर्जुन धाकड़ इस दुनिया को अलविदा कह गया। जिस उम्र में उसके सपनों को नई उड़ान मिलनी थी, उस उम्र में एक सड़क दुर्घटना ने परिवार की खुशियां छीन लीं। लेकिन इस असहनीय दुख और पीड़ा के बीच अर्जुन के पिता रामराज नागर ने ऐसा निर्णय लिया, जिसने उनके बेटे की विदाई को मानवता की एक अविस्मरणीय मिसाल बना दिया। अपने जवान बेटे को खोने के बावजूद परिवार ने उसके नेत्रदान की सहमति दी, ताकि उसकी आंखों से किसी दृष्टिहीन व्यक्ति की दुनिया रोशन हो सके। पिता रामराज, करीबी रिश्तेदार सुरेश व श्याम नागर से नेत्रदान के लिये सहमति मिलने के बाद संस्था शाइन इंडिया के ज्योति मित्र राजेश खोईवाल और इदरिस बोहरा की सूचना पर, देर रात 1 बजे कोटा से डॉ. कुलवंत गौड़ और उनके सहयोगी मार्कण्डेय दाधीच के नेतृत्व में जिला अस्पताल बूंदी की मोर्चरी में नेत्रदान का कार्य संपन्न हुआ।

इस नेत्रदान की कहानी जितनी प्रेरणादायक है, उतनी ही बूंदी जिला चिकित्सालय की मोर्चरी की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल भी खड़े करती है। रात्रि करीब 1 बजे जब नेत्रदान के लिए शाइन इंडिया फाउंडेशन की टीम बूंदी जिला चिकित्सालय की मोर्चरी पहुंची, तो वहां की स्थिति बेहद निराशाजनक थी। मोर्चरी के कमरे में पर्याप्त लाइट की व्यवस्था नहीं थी। पूरे कमरे में धूल जमी हुई थी और साफ-सफाई की स्थिति भी संतोषजनक नहीं थी। आवश्यक रोशनी के अभाव में नेत्रदान की पूरी प्रक्रिया मोबाइल फोन की टॉर्च जलाकर संपन्न करनी पड़ी।

इस पुनीत कार्य में जिला चिकित्सालय के मेडिकल ज्यूरिस्ट डॉ. आशीष शर्मा एवं पुलिस चौकी स्टाफ के नवदीप मीणा का भी सराहनीय सहयोग रहा। अर्जुन के पिता रामराज नागर ने शहरवासियों को यह संदेश दिया कि सच्चा प्रेम केवल अपने प्रियजन को अपने पास रखने में नहीं, बल्कि उसके जाने के बाद भी उसके माध्यम से किसी दूसरे को जीवन की खुशियां देने में है।

शाइन इंडिया के डॉ. कुलवंत गौड़ ने कहा कि जिस स्थान पर किसी परिवार को अपने दिवंगत परिजन के अंतिम दर्शन करने होते हैं, जिस जगह शोकाकुल परिजन अपने प्रियजन के पार्थिव शरीर को कुछ समय के लिए रखते हैं, उस स्थान की ऐसी बदहाल स्थिति आखिर क्यों है? मोर्चरी जैसे संवेदनशील स्थान पर पर्याप्त लाइट, नियमित सफाई, धूल-मुक्त वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाना क्या अस्पताल प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी नहीं है? किसी परिवार के लिए अपने प्रियजन को खोना ही सबसे बड़ी पीड़ा होती है। ऐसे में उन्हें गंदगी, धूल और अंधेरे से भरे कमरे में अपने दिवंगत परिजन के पार्थिव शरीर को रखने की मजबूरी क्यों झेलनी पड़े।

फ्रांस से दूल्हा बारात लेकर संगरिया पहुंचा

हनुमानगढ़, निसं)। जिले के संगरिया में फ्रांस से दूल्हा अपनी बारात लेकर पहुंचा तो पूरा इलाका इस अनोखी शादी का गवाह बन गया। फ्रांस निवासी मैकेनिकल इंजीनियर रोमेन ने संगरिया की बेटी दिव्या ज्योति के साथ भारतीय परंपराओं और रीति-रिवाजों के बीच 7 फेरे लेकर जीवनभर साथ निभाने का वादा किया।

जानकारी के अनुसार इस शादी का सबसे खास नजारा तब देखने को मिला, जब फ्रांस से आए विदेशी बाराती भारतीय गानों की धुन पर जमकर थिरके। पारंपरिक भारतीय शादी का रंग, ढोल-नगाड़ों की गूंज और विदेशी मेहमानों का देसी अंदाज समारोह का आकर्षण बन गया। संगरिया निवासी सेवानिवृत्त शिक्षा अधिकारी की बेटी दिव्या ज्योति ने ग्वालियर से बीटेक की डिग्री हासिल की और इसके बाद अपने करियर की शुरुआत की। दिव्या ने गुरुग्राम और नोएडा में प्रतिष्ठित कंपनियों में काम किया। इसके बाद वह न्यूजीलैंड में नौकरी करने लगीं। न्यूजीलैंड में रहते हुए ही दिव्या की मुलाकात फ्रांस निवासी मैकेनिकल इंजीनियर रोमेन से हुई। शुरुआत में दोनों के बीच सामान्य परिचय हुआ, लेकिन धीरे-धीरे यह दोस्ती गहरी होती चली गई। एक-दूसरे को समझने और जानने के साथ दोनों के बीच प्यार का रिश्ता बन गया। आखिरकार दोनों ने जीवनभर साथ रहने का फैसला किया। दिव्या ज्योति और रोमेन ने जब विवाह करने का निर्णय लिया तो दोनों परिवारों ने भी खुशी-खुशी इस रिश्ते को स्वीकार कर लिया। परिवारों की सहमति के बाद विवाह समारोह संगरिया में आयोजित करने का फैसला हुआ। इसके बाद फ्रांस से दूल्हा रोमेन अपने परिजनों और दोस्तों के साथ बारात लेकर संगरिया पहुंच गए। दिव्या ज्योति और रोमेन की यह शादी महज 2 लोगों का विवाह नहीं, बल्कि दो देशों की संस्कृतियों, परंपराओं और परिवारों के मिलन की खूबसूरत मिसाल बन गई।

- **भारतीय रीति-रिवाज से की शादी, हिंदी गानों पर नाचे विदेशी मेहमान**

छोटी दिवाली मनाई

जयपुर। सुभाष चौक पानों का दरीबा स्थित श्री शुक सम्प्रदाय आचार्य पीठ श्री सरस निकुंज में शनिवार को पंच दिवसीय दीपमालिका महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को छोटी दिवाली मनाई गई। श्री शुक सम्प्रदायाचार्य पीठाधीश्वर अलबेली माधुरी शरण जी महाराज के सान्निध्य में ठाकुर श्री राधा सरस बिहारी जू सरकार एवं आचार्य सद्गुरुदेव सरकार के विशेष सेवा-दर्शन, पुष्प एवं मणिमय शृंगार और विविध धार्मिक कार्यक्रम हुए। विशेष शृंगार एवं सेवा-दर्शन प्रात: 10 से दोपहर 12 बजे तक हुए। श्री सरस परिकर के प्रवक्ता प्रवीण बड़े भैया ने बताया कि रूप चतुर्दशी पर ठाकुरजी को केसर-चंदन का उबटन लगाकर शृंगार किया गया। आचार्य चरण पादुका का अर्चन हुआ। आठ नवंबर को दीपावली पर विशेष मणिमय एवं पुष्प शृंगार, दीपमालिका पूजन तथा रात्रि में चौसर झांकी सजाई जाएगी।

थाईलैंड घूमता रहा कैदी, श्रीगंगानगर जेल में लगती रही फर्जी हाजिरी

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां खुली जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा कैदी दीक्षित कामरा अक्टूबर 2026 में पांच दिन थाईलैंड घूमने गया था। इस दौरान जेल के रिकॉर्ड में उसकी हाजिरी लगती रही। मामले में जेल प्रहरी हापूराम पर कैदी की गैरमौजूदगी के बावजूद उसकी मौजूदगी दर्ज करने और झूठी रिपोर्ट देने का आरोप है। उसे सस्पेंड कर दिया गया है। बीकानेर-जोधपुर रेंज के जेल उप महानिरीक्षक की रिपोर्ट पर घमूडवाली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, दीक्षित कामरा पुत्र राजीव कामरा मूल रूप से श्रीगंगानगर के पदमपुर की इंदिरा कॉलोनी के वार्ड नंबर 3 का रहने वाला है। वह फिलहाल जयपुर की अनिता कॉलोनी स्थित ईडन गार्डन में रह रहा था। 3 मई 2026 से वह खुला बंदी शिविर नरसिंहपुरा बिरानी की खुली जेल में सजा काट रहा था। जांच के दौरान उसके पासपोर्ट की डिटेल से पता चला कि वह 9 से 13 अक्टूबर 2026 के बीच थाईलैंड गया था। इस दौरान खुली जेल के रिकॉर्ड में उसकी हाजिरी लगातार दर्ज होती रही। खुला बंदी शिविर में प्रहरी हापूराम की ड्यूटी थी। आरोप है कि उसने कैदी के साथ मिलीभगत कर उसकी गैर मौजूदगी के बावजूद जेल में मौजूदगी दर्ज की और इस संबंध में झूठी रिपोर्ट भी पेश की। रिपोर्ट में बताया गया कि श्रीगंगानगर जेल अधीक्षक को कैदी की पुरानी फोटो भेजी गई थी। इस तरह खुली जेल नियम 1972 के नियमों और तय शर्तों का उल्लंघन किया गया। मामले में हापूराम को सस्पेंड कर दिया गया है।

- **कैदी पांच दिन तक विदेश में रहा, कैदी से मिलीभगत के आरोप में जेल प्रहरी सस्पेंड**

जानकारी के अनुसार दीक्षित कामरा को कुछ दिन पहले कार में 40 ग्राम अफीम के साथ पकड़ा गया था। जवाहर नगर थाना पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएक्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। इसी मामले के बाद उसकी पुरानी विदेश यात्रा की जानकारी सामने आई। पासपोर्ट रिकॉर्ड के अनुसार, वह अक्टूबर 2026 में थाईलैंड गया था। अब जेल प्रशासन की रिपोर्ट के आधार पर उसकी विदेश यात्रा के दौरान फर्जी हाजिरी लगाने के मामले में अलग से रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दीक्षित कामरा और प्रिया सेठ साल 2018 से दुष्यंत शर्मा की हत्या के मामले में जेल में हैं। पुलिस के अनुसार, साल 2018 में प्रिया सेठ ने अपने प्रेमी दीक्षित कामरा का कर्ज चुकाने के लिए दुष्यंत शर्मा को हनी ट्रैप में फंसाया था। इसके बाद उससे संबंध बनाए और दुष्कर्म के केस में फंसाने की धमकी देकर 10 लाख रुपए मांगे।

रिपोर्ट के अनुसार, 2 मई 2018 की रात प्रिया और उसके साथियों ने दुष्यंत का अपहरण कर उसे टॉर्चर किया और उसके पिता से 10 लाख रुपए की फिरौती मांगी। दुष्यंत के अकाउंट में 3 लाख रुपए जमा होने के बाद प्रिया और उसके दोनों साथियों ने गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद चाकू से उसके चेहरे को बिगाड़ दिया। आरोपियों ने शव को सूटकेस में रखकर कार में डाला और आमेर इलाके में फेंक दिया था। इस मामले में प्रिया सेठ और दीक्षित कामरा 4 मई 2018 से जेल में हैं।

दीपावली महापर्व आज, लोगों ने तैयारी की, गंगापुर सिटी के बाजारों में खरीददारों की भीड़ लगी

दुकानदारों ने दीपावली की सजावट की, रंग बिरंगी रोशनी से नहाया बाजार

गंगापुर सिटी, (निसं)। आज रविवार को दीपावली महापर्व घर-घर में धूमधाम से मनाया जायेगा। इसके लिए सभी ने अपनी अपनी तैयारी पूर्ण कर ली है। करीब एक माह पहले से ही लोगों ने दीपावली महापर्व को धूमधाम से मनाए जाने की पूर्ण तैयारी कर ली थी। रविवार को शुभ मुहर्त में दीपावली पूजन किया जायेगा। इससे पहले शनिवार को रूप चतुर्दशी के अवसर पर महिलाओं ने श्रृंगार किया। दीपावली महापर्व की धनतेरस से शुरूआत होने के साथ ही बाजार सजने लग गए। मंगलवार को गोर्वधन पर्व मनाया जायेगा। इस दिन शहर के अधिकतर मंदिरों में अन्नकूट महाप्रसादी का आयोजन किया जायेगा एवं बुधवार को भाईदूज का महापर्व मनाया जायेगा।



गंगापुर सिटी में दिवाली पर्व को लेकर बाजारों में सजावट की गई।

बाजारों में लोगों ने की जमकर की खरीददारी :-दो दिन से बाजारों में लोगों द्वारा अपने घर के लिये नये सामान को खरीदने के लिये होड सी लगी रही। लोगों ने अपनी आवश्यकता के अनुसार घर का सामान खरीदा जिससे धनतेरस पर बाजार में जमकर धनवर्षा हुई, जिससे दुकानदारों के चेहरे खिले हुए नजर आए। देशी सामान को लोगों ने ज्यादा पकड़ा और अपने घरों में जगह दी। सुबह से दिनभर गंगापुर के अधिकांश बाजारों में गंगापुर के आसपास के वजीरपुर, बामनवास, तलवाड़ा, सपोटरा आदि क्षेत्रों के लोग खरीदारी करने के लिए बाजार में पहुंचे और दिनभर अपने हिसाब से खरीदारी की। शहर के अधिकांश लोग खरीदारी करने के लिए शाम को बाजार पहुंचे। इस दौरान दिन भर दुकानों पर लोगों की खरीदारी के लिए भीड़ लगी रही। इनमें कपड़े की दुकानों, रेडीमेड, इलेक्ट्रॉनिक आइटम, मोबाइल और दोपहिया और चोपहिया वाहनों की दुकानों के साथ-साथ ज्वैलर्स की दुकान पर भी लोगों की भीड़ रही और लोग अपने हिसाब से खरीदारी करते दिखाई दिए।

वहीं हायर सैकण्डरी स्कूल के खेल मैदान में लगे आतिशबाजी बाजार में आज लोगों ने जमकर खरीददारी की। हायर सैकण्डरी स्कूल के खेल मैदान में लगी अस्थाई आतिशबाजी की दुकानों को दुकानदारों ने सजाया। बाजार में शहर सहित आसपास के लोगों ने जमकर खरीददारी की। शनिवार को आतिश मार्केट में भीड के चलते दुकानदारो के चेहरे खिले हुए नजर आए। आतिशबाजी के लिए अस्थाई लाइसेंस इस बार भी कलेक्टर के बजाय एडीएम द्वारा जारी किए गए। एडीएम ने बताया कि गंगापुर के अलावा बामनवास, बाटोदा और वजीरपुर से करीब 100 से ज्यादा लोगों के द्वारा आतिशबाजी के लिए आवेदन किए गए। एडीएम ने बताया कि गंगापुर में आतिशबाजी के लिए लॉटरी के जरिए दुकानों का आवंटन कर दिया गया। उन्होंने बताया कि दुकानदारों को दुकानों पर पानी, मिट्टी की बाल्टी और अग्निशमन यंत्र रखना होगा, साथ ही मार्केट में नगर परिषद की ओर से दमकल को भी रखा जाएगा।

- **गंगापुर के अधिकांश बाजारों में वजीरपुर, बामनवास, तलवाड़ा, सपोटरा आदि क्षेत्रों के लोग खरीदारी करने के लिए बाजार में पहुंचे**

दीपोत्सव की तैयारी में जुटे ग्रामीण व शहरी लोग :-दीपावली की ग्राहकी शुरू होने से बाजारों में भीड़ दिखाई देने लगी है। हर दुकानदार ग्राहकों की भीड़ से खुश नजर आ रहा है। सोने, चांदी, पशुओं की सजावट, पोस्टर, रेडीमेड गारमेट्स, रंगोली, इलेक्ट्रॉनिक आइटम की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ होने से दुकानदार खुश नजर आए। दीपावली त्यौहार के चलते शहर और आसपास के क्षेत्र में लोग अपने घर और प्रतिष्ठानों को रंग रोगन के साथ-साथ रोशनी से भी सजावट करने में लगे हुए हैं। शहर में घरों के अलावा बाजारों में दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठानों शोरूम को लाइटों से रोशनी से सजावट की है, जिसके कारण घर और प्रतिष्ठा लाइटों से जगमग दिखाई दे रहे हैं। रात होते ही बाजार पूरी तरह से रोशनी से जगमग हो रहा है।

बीकानेर की हवा प्रदूषित हुई, एक्यूआई 294 पहुंचा

बीकानेर, (निसं)। दीपावली की आतिशबाजी का असर बीकानेर की हवा पर दिखने लगा है। शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स शनिवार सुबह बढ़कर 294 तक पहुंच गया। गुरुवार को एक्युआई 235 था, जो शुक्रवार को 275 और शनिवार सुबह 294 हो गया। प्रदूषण के इस स्तर के बीच डॉक्टर ने सांस के मरीजों को मास्क पहनकर बाहर निकलने और सावधानी बरतने की सलाह दी है।

बीकानेर का एक्यूआई गुरुवार को 235 था। शुक्रवार को यह बढ़कर 275 हो गया। यानी एक दिन में 40 अंकों की बढ़ोतरी हुई। शनिवार सुबह तक इसमें 19 अंक और बढ़ गए और यह 294 पर पहुंच गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों के अनुसार, 201 से 300 तक एक्यूआई खराब श्रेणी में आता है। इस लिहाज से बीकानेर की हवा फिलहाल खराब श्रेणी में है। 300 से ऊपर पहुंचने पर यह बहुत खराब श्रेणी में आ जाएगी।

एक्यूआई यानी एयर क्वालिटी इंडेक्स हवा में मौजूद प्रदूषक तत्वों के स्तर के आधार पर वायु गुणवत्ता बताने का पैमाना है। इसमें मुख्य रूप से एक्यूआई 2.5, एक्यूआई 10 और अन्य प्रदूषकों को शामिल किया जाता है। एक्यूआई जितना अधिक होता है, हवा की गुणवत्ता उतनी ही खराब मानी जाती है। शहर में दीपावली के दौरान आतिशबाजी शुरू होने के बाद प्रदूषण का स्तर बढ़ा है। शनिवार रात भी आतिशबाजी जारी रहने से एक्यूआई 300 के पार जाने की आशंका है। दीपावली तक प्रदूषण का स्तर और बढ़ सकता है।

पिछले साल दीपावली के दौरान भी बीकानेर में प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ा था। उस समय एक्यूआई 400 के आसपास पहुंच गया था। इस बार भी आतिशबाजी के साथ प्रदूषण बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

- **पिछले साल दीपावली के दौरान भी बीकानेर में प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ा था**

बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने परिवहन विभाग सहित अन्य प्रशासनिक विभागों को पत्र लिखा है। इसमें प्रदूषण कम करने के प्रयास तेज करने की जरूरत जताई गई है। वाहनों से निकलने वाले धुएं और अन्य प्रदूषणकारी गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए संबंधित विभागों से कार्रवाई की अपेक्षा की गई है। बीकानेर में अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन और रात के तापमान में 13 डिग्री का अंतर रहा। दिन में गर्मी का अहसास हो रहा है, जबकि रात में हल्की सर्दी महसूस की जा रही है। डॉ. राहुल हर्ष ने सांस के मरीजों को बाहर निकलते समय मास्क पहनने और अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण के ऐसे हालात में सांस के मरीजों को तकलीफ हो सकती है।

श्री भन्दे बालाजी को भोग लगाया

जयपुर। श्री हनुमान जन्मोत्सव पर शनिवार को श्री भन्दे बालाजी धाम में श्री हनुमान चालीसा प्रबंध समिति की ओर से समरस महाभोग का आयोजन किया गया। संस्थापक संत अमरनाथ महाराज के सानिध्य में सर्वसमाज की सहभागिता से 11 क्विंटल से अधिक देसी घी की बूंदी का महाभोग बालाजी महाराज को अर्पित किया गया। आयोजन के माध्यम से सामाजिक समरसता और सेवा का संदेश दिया गया। इससे पूर्व श्रद्धालुओं ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद धाम की अखंड सिद्ध धुणी में पंचमेवा और घी से पूर्णाहुति अर्पित की गई। विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद महाप्रसाद वितरण शुरू हुआ। बूंदी का प्रसाद कच्ची बस्तियों में भी वितरित किया गया, ताकि समाज के सभी वर्गों तक प्रसाद पहुंच सके। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने उत्साह और भक्तिभाव से भाग लिया।

अजमेर में सुतली बम के धमाके से स्टील का गिलास टूटा, चार बच्चे घायल

पटाखे जलाने के दौरान एक बच्चे ने सुतली बम के ऊपर स्टील का गिलास रख दिया था

अजमेर, (निसं)। दीपावली पर पटाखे जलाने के दौरान लापरवाही बच्चों के लिए जानलेवा साबित होते-होते बची। अलवर गेट थाना क्षेत्र में सुतली बम फोड़ने के दौरान हुए तेज धमाके से उसके ऊपर रखा स्टील का गिलास टूटकर बिखर गया। गिलास के नुकीले टुकड़े आसपास खड़े बच्चों को जा लगे। हादसे में चार बच्चे घायल हो गए, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को परिजन तत्काल जवाहरलाल नेहरू अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया।

जानकारी के अनुसार, कॉलोनी में बच्चे एक साथ पटाखे जला रहे थे। इसी दौरान एक बच्चे ने सुतली बम के ऊपर स्टील का गिलास रख दिया।

■ **घायल प्रज्ञा के लगे 5-6 टांके, दिशांत के पेट में फंसा गिलास का टुकड़ा, अस्पताल में भर्ती, अलवर गेट थाना पुलिस जेएलएन अस्पताल पहुंची**

बम में आग लगाने के बाद वह बच्चा पीछे की ओर भाग गया, जबकि अन्य बच्चे पटाखे के आसपास ही खड़े रहे। कुछ ही देर में जोरदार धमाका हुआ और स्टील का गिलास टूटकर उसके टुकड़े आसपास खड़े बच्चों को जा लगे। अचानक हुए हादसे से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में प्रज्ञा (10) पुत्री हेमराज, दिशांत (8) पुत्र नीरज के अलावा जतिन और कबीर भी घायल हो गए। इनमें प्रज्ञा और दिशांत को गंभीर चोटें आईं। प्रज्ञा के शरीर पर गहरा कट लगने के कारण चिकित्सकों ने पांच से छह टांके लगाए। प्राथमिक उपचार के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वहीं, दिशांत के पेट में स्टील के गिलास का करीब एक से डेढ़ सेंटीमीटर का टुकड़ा घुस गया, जिससे उसके पेट में गहरा घाव हो गया। परिजन उसे तत्काल जेएलएन अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए ऑपरेशन थिएटर में भर्ती कर उपचार शुरू किया। फिलहाल उसका ऑपरेशन किया जा रहा है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

28 नवंबर को है दिशांत का जन्मदिन :- हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए दिशांत के परिवार में घटना के बाद से चिंता का माहौल है। परिजनों ने बताया कि दिशांत का जन्मदिन आगामी 28 नवंबर को है, लेकिन पटाखे जलाने के दौरान हुए हादसे ने परिवार की खुशियों को चिंता में बदल दिया।

सूचना पर अस्पताल पहुंची पुलिस :- घटना की जानकारी मिलने पर अलवर गेट थाना प्रभारी नरेंद्र जाखड़ पुलिस जाब्ते के साथ जेएलएन अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायल बच्चों के परिजनों से मुलाकात कर हादसे के संबंध में जानकारी जुटाई। थाना प्रभारी नरेंद्र जाखड़ ने बताया कि पटाखे जलाने के दौरान करीब तीन से चार बच्चों को चोटें आई थीं। इनमें दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दिशांत को अधिक चोट लगी है और अस्पताल में उसका उपचार जारी है।

घायल बच्ची प्रज्ञा ने बताया कि कॉलोनी के सभी बच्चे एक साथ पटाखे जला रहे थे। इसी दौरान एक दोस्त ने सुतली बम के ऊपर स्टील का गिलास रख दिया। बम में आग लगाने के बाद वह दोस्त अचानक पीछे की तरफ भाग गया, जबकि बाकी बच्चे पटाखे के पास ही खड़े थे। कुछ ही देर में तेज धमाके के साथ बम फट गया और स्टील का गिलास टूट कर उसके टुकड़े बच्चों को जा लगे। इस हादसे में चार बच्चे घायल हो गए। घटना के बाद परिजन बच्चों को लेकर अस्पताल पहुंचे।

खेलते-खेलते बालकनी से गिरे मासूम बालक की मौत

कोटा, (निसं)। महावीर नगर थाना इलाके में शुक्रवार रात्रि धनतेरस पर एक ढाई साल के मासूम की एक मंजिल से गिरने से मौत होने का मामला सामने आया है। मामले में सामने आया कि बच्चा घर पर खेल रहा था, जबकि मां दिवाली से जुड़े काम कर रही थी। इस दौरान मासूम बालकनी की रेलिंग पर चढ़ गया और नीचे गिरने से गंभीर घायल हो गया, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार महावीर नगर इलाके के निवासी एडवोकेट हर्षित गौतम का ढाई साल का बेटा घर पर

■ **मां दिवाली से जुड़े काम कर रही थी, इस दौरान मासूम बालकनी की रेलिंग पर चढ़ गया और नीचे गिर गया**

बालकनी में खेल रहा था, बच्चे की मां घर पर दीपक जला रही थी कि अचानक से बच्चा बालकनी की रेलिंग पर चढ़ गया और जब तक उसकी मां उसे संभालती बेटा नीचे गिर गया। बच्चे के गिरने और रोने की आवाज सुनकर मां और अन्य परिजन दौड़े। बच्चे को तत्काल कॉमर्स कॉलेज चौराहे स्थित निजी अस्पताल लेकर गए, जहां उपचार के दौरान शुक्रवार देर रात्रि को मासूम ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

महावीर नगर थाना अधिकारी हरेंद्र सौदा ने बताया कि घर में ही हादसा हुआ था, इसके बाद निजी अस्पताल में मासूम की उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजन इस मामले में कोई कानूनी कार्रवाई नहीं चाहते थे, इसलिए शव को बिना पोस्टमार्टम के सुपुर्द किया है।

जोधपुर में कपड़े की दुकान का शटर तोड़कर 7.35 लाख की चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के भीतरी क्षेत्र त्रिपोलिया बाजार में एक कपड़े की दुकान में चोरी हो गई। चोर दुकान के शटर का ताला तोड़कर प्रवेश कर वहां गल्ले से 7.35 लाख की नगदी चुरा ले गए। सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध नजर आए है। पुलिस इसकी अब पहचान के साथ तलाश में जुटी है। फिलहाल अग्रिम जांच की जा रही है।

सदर बाजार थानाधिकारी मांगीलाल विश्रोई ने बताया कि मालियों का राजबाग सूरसागर निवासी राजेश पुत्र हरिश कुमार सिंधी की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसकी राजपूती पौशाक कपड़े की दुकान त्रिपोलिया बाजार राजपूताना पैसेस में गोरिंदा

■ **सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध नजर आए, पुलिस तलाश में जुटी**

बावड़ी पर आई है। 29 अक्टूबर को उसकी दुकान में चोरी हो गई। अज्ञात चोरों ने दुकान के शटर का ताला तोड़कर प्रवेश किया। दुकान के गल्ले में रखे 7.35 लाख रूपए चोर ले गए। पुलिस ने बताया कि घटना के दस दिन बाद शुक्रवार को पीड़ित की तरफ से केस दर्ज कराया गया है।

थानाधिकारी माणकराम ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज में दो बाइक पर चार संदिग्ध नजर आए थे। सुबह के समय पौने आठ बजे के आसपास संदिग्ध बाइक पर जाते भी दिखे हैं। गश्त करते निकली पुलिस ने दुकान का शटर खुला देखा था और पीड़ित को कॉल कर बुलाया गया था। संदिग्ध दोनों बाइक की तलाश में पुलिस की टीमें बनाड़ तक भेजी गई थी। पुलिस ने संदिग्ध बाइकों को ट्रैस करने का प्रयास भी किया था, मगर वे काफी दूर तक निकल गए थे। चोरी में कुल चार लोगों का हाथ था। फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज किया है। चोरों के पकड़े जाने पर ही सही रकम का पता लग पाएगा कि दुकान से कितना केश चोरी हुआ है।

हरियाणा में युवक की गोली मारकर हत्या कर शव फेंका, मामला दर्ज

सादुलपुर, (निसं)। तहसील के गांव सूरतपुरा की रोही में स्थित नीमवाला जोहड़ में मिले युवक के शव के मामले में पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान हरियाणा के भिवानी जिले की सिवानी तहसील के गांव विदवान निवासी अनिल उर्फ मोलड़ के रूप में हुई है। युवक की गोली मारकर हत्या किए जाने की बात सामने आई है। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि मृतक के भाई सुनील पुत्र ओमप्रकाश निवासी गांव विदवान, तहसील सिवानी, जिला भिवानी, हरियाणा ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि 6 नवंबर को शाम करीब 5:30 बजे उसके भाई अनिल उर्फ मोलड़ को दो युवक बलेनो कार में बैठाकर घर से लेकर गए थे। परिवादी ने दोनों युवकों के नाम मोनू निवासी रोडा, तहसील तोशाम तथा काला पिलानिया निवासी घंघाला, तहसील सिवानी बताए हैं। दर्ज मामले में बताया कि घर से जाने के बाद रातभर अनिल का कोई पता नहीं चला। परिजनों ने कई बार उसके मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन मोबाइल फोन बंद मिला। परिवार के लोग लगातार उसकी तलाश कर रहे थे। इसी दौरान 7 नवंबर को सुबह करीब 11:30 बजे व्हाट्सऐप के माध्यम से गांव के एक परिचित व्यक्ति से सूचना मिली कि अनिल की मौत हो गई है तथा उसका शव सादुलपुर थाना क्षेत्र के सूरतपुरा गांव की रोही स्थित नीमवाला जोहड़ में मिला है। दर्ज मामले में मृतक के पास नकदी और दो मोबाइल फोन होने का भी उल्लेख किया गया है। परिवादी ने अपने भाई की हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हत्या के मामले में दो गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। शहर के सलूस रोड पर चारभुजा के गजसिंहजी की भागल निवासी सुरेंद्रसिंह उर्फ सुरेशसिंह सोलंकी की हत्या के मामले में गिरफ्तार

■ **मोहिद गैंग के दो आरोपी लगड़ाते हुए कोर्ट में पेश**

मोहिद गैंग के सदस्य इकलाश खान व दिलसाद को राजनगर थाना पुलिस ने अदालत में पेश किया। अदालत में पेश के दौरान दोनों आरोपी लगड़ाते हुए चल रहे थे। पुलिस के पकड़ने के दौरान भागने की कोशिश की, जिससे वे बुरी तरह से चोटिल भी हो गए। न्यायालय द्वारा दोनों ही आरोपी को पांच दिन के रिमांड पर रखने के आदेश हुए। पुलिस गिरफ्तारी के दौरान भागने पर आरोपी भी चोटिल हो गए, जो अदालत में पेश होने के दौरान बड़ी मुश्किल से चल पा रहे थे। एक आरोपी के पैर में प्लास्टार बंधा था। राजनगर थाना प्रभारी औंकारसिंह ने बताया कि सेवाली निवासी सुरेंद्रसिंह राव घायल होकर ठीक है, जबकि फरार अन्य आरोपियों की तलाश के लिए टीमें लगातार दबिश दे रही है। इसमें मुख्य आरोपी मोहिद, फुग्गा व आधा दर्जन से ज्यादा आरोपी पुलिस की रडार पर है।

ई चालान का लिंक भेजकर खाते से 4.73 लाख रूपए उड़ाये

शातिर ने मोबाइल हैक कर 12 बार में ट्रांजेक्शन किया, केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर के चैनपुरा बावड़ी, मंडोर एरिया में रहने वाले एक व्यक्ति को किसी शातिर ने ई चालान का फर्जी लिंक भेज कर उसके खाते से 4 लाख 73 हजार रूपए साफ कर दिए। पीड़ित के खाते से रकम 12 बार में निकाली गई।

संदेह है लिंक क्लिक किए जाने पर उसके मोबाइल का एक्सेस शातिर ने हासिल कर हैककर दिया। उसके बाद खाते से रकम को निकाला गया। घटना 3 नवंबर की है। पीड़ित ने साइबर पोर्टल पर शिकायत दी, जिस पर अब मंडोर थाना पुलिस ने फ्रॉड का केस दर्ज किया है।

मंडोर पुलिस ने बताया कि पीपली गली चैनपुरा बावड़ी निवासी हर्षित पुत्र हनुमान प्रसाद माहेश्वरी ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि 3 नवंबर को उसके मोबाइल पर किसी शख्स ने ई चालान को लेकर लिंक भेजा था। जिस पर उसने क्लिक किया। बाद में उसका फोन अचानक से काम करना बंद कर दिया। उसके बैंक एकाउंट से शातिर ने 4 लाख 73 हजार रूपए निकाल लिए। उसके बैंक खाते से उक्त रकम 12 बार में निकाली गई। पुलिस ने बताया कि संभवत : शातिर ने मोबाइल का एक्सेस लेकर यह वारदात की है। पीड़ित ने साइबर पोर्टल पर शिकायत को डाला है। इस पर अब मंडोर पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है।

बिछीवाड़ा के जंगल में लड़की का शव मिला

तीन नवंबर को घर से निकली थी, पिता ने जांच की मांग की

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र के जंगल में 14 वर्षीय लड़की का शव मिला। वह उदयपुर जिले की रहने वाली थी। उसके परिजनों ने पुलिस से मौत की जांच और कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

बिछीवाड़ा थाना पुलिस के अनुसार लड़की के पिता ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उनकी बेटी 3 नवंबर की सुबह करीब 8 बजे शौच के लिए घर से

■ **तीन नवंबर की सुबह करीब 8 बजे शौच के लिए घर से निकली थी**

निकली थी। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने आसपास तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। शाम करीब 4 बजे परिजनों को सूचना मिली कि गांव के जंगल में खाखरे के पेड़ पर एक शव मिला है। पिता और परिवार के अन्य सदस्य बिछीवाड़ा सरकारी अस्पताल पहुंचे। वहां उन्हें पता चला कि शव डूंगरपुर जनरल हॉस्पीटल में रखा गया है। पिता ने रिपोर्ट में बताया कि वे बेटी की मौत का कारण जानने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए पोस्टमॉर्टम में देरी हुई। उन्होंने पुलिस से मौत की जांच, पोस्टमॉर्टम और नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीकर में 16 साल की नाबालिग लड़की लापता

सीकर, (निसं)। सीकर में एक 16 साल की नाबालिग लड़की देर रात से ही लापता है। परिवार ने युवक पर शक जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। रिपोर्ट में युवक पर एक साल से परेशान करने का आरोपी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। दूसरी तरफ साइबर ठगों ने एक युवक के बैंक अकाउंट से 1.85 लाख रुपए साइबर फ्रॉड कर निकाल लिए। पीड़ित को मैसेज आने पर ठगी का पता चला।

पहले मामले में 16 साल की नाबालिग लड़की के पिता ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि वह अपने परिवार के साथ सीकर के एक कस्बे में रहते हैं। 5 नवंबर की रात को उनकी बेटी घर से लापता हो गई। जब उन्होंने अपने स्तर पर मालूम किया तो पता चला कि एक लड़का उसे अपने साथ लेकर चला गया। लड़का पिछले करीब एक साल से लड़की को लगातार परेशान कर रहा था। इस संबंध में

■ **परिवार ने युवक पर शक जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया, पुलिस ने मामले की जांच शुरु की**

लड़की के परिवार के द्वारा लड़के के पिता को भी कहा गया। तब उन्होंने कहा कि वह अपने बेटे को समझा देंगे। लेकिन इसके बावजूद भी वह लड़का लगातार लड़की को धमकता रहा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वहीं सीकर में 36 साल के युवक से साइबर फ्रॉड का मामला सामने आया है। इस संबंध में युवक रामकिशन ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि उनके बैंक अकाउंट से 3 नवंबर की रात 2 बार में 1.85 लाख रुपए निकल गए। इसका पता उन्हें मैसेज आने पर चला।

भीलवाड़ा के कमला देवी कांकरिया हत्याकांड : पुलिस ने सीन रीक्रिएट किया

भीलवाड़ा, (निसं)। चंद रुपयों की खातिर इंसानियत का कत्ल किस हद तक गिर सकता है, इसकी बानगी भीलवाड़ा के कमला देवी कांकरिया हत्याकांड में देखने को मिली है। एक बुजुर्ग महिला की निर्मम हत्या और फिर उसके सबूत मिटाने के इस मामले में पुलिस की तफ्तीश अब ऐसे खुलासों तक पहुंच चुकी है, जो रोंगटे खड़े कर देने वाले हैं। शनिवार को भीमगंज पुलिस ने इस ब्लाइंड मर्डर के चौथे और अंतिम आरोपी-मुख्य आरोपी रवि तापड़िया के भतीजे रघुवीर उर्फ कालू तापड़िया को साथ लेकर ऐसे-ऐसे राज उगलवाए, जिन्हें सुनकर हर कोई सन्न रह गया। पुलिस ने सुभाष नगर थाना क्षेत्र के उस मकान की छत पर पूरी वारदात का खौफनाक सीन रीक्रिएट किया, जहां 12 अक्टूबर की रात इस वीभत्स कांड को अंजाम दिया गया था।

जानकारी के अनुसार शक्करगढ़ थाना क्षेत्र के अमरगढ़ के जंगलों से

■ **पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हत्या के ठीक अगले दिन मुख्य आरोपी चाचा रवि तापड़िया ने कालू को फोन किया था**

आधी रात को पुलिस की पकड़ में आए कालू तापड़िया ने पूछताछ में कई बातें बताई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हत्या के ठीक अगले दिन मुख्य आरोपी चाचा रवि तापड़िया ने कालू को फोन किया था। फोन पर घबराए हुए लहजे में कहा गया था- "जल्दी आजा, मुझसे बॉडी उठ नहीं रही है, इसे जलाना है।" : चाचा का इतना सुनना था कि कालू अपने साथी चूचा उर्फ आर्यन के साथ सीधा वारदात वाले मकान पर जा धमका। हालांकि, पूछताछ में कालू यह दलील देता नजर आया कि उसे कोई लालच नहीं दिया गया था, वह सिर्फ चाचा-भतीजे के रिश्ते के नाते वहां पहुंचा था। इसके बाद कृषि मंडी से लकड़ियों का इंतजाम किया गया। जांच में सामने आया कि देर रात बुजुर्ग कमला देवी के शव को घसीटते हुए मकान की छत पर ले जाया गया। वहां लकड़ियों का ढेर लगाकर उनकी लाश को आग के हवाले कर दिया गया। अगली सुबह जब आग ठंडी हुई, तो इन शातिर कातिलों ने जली हुई राख और हड्डियों के अवशेषों को समेटा और उन्हें कोठारी नदी में प्रवाहित कर दिया, ताकि सबूतों का नामोनिशान मिटाया जा सके। शनिवार को पुलिस टीम ने कालू की निशानदेही पर लकड़ियों की खरीद से लेकर छत पर लाश जलाने और नदी में अवशेष फेंकने तक के हर एक कदम की तस्दीक की।

पुलिस की अब तक की जांच में यह साफ हो चुका है कि यह पूरा खेल पैसों और कर्ज के दलदल से जुड़ा था। 12 अक्टूबर की रात रवि तापड़िया, बुजुर्ग कमला देवी को सुभाषनगर के इसी मकान पर लेकर गया था। रवि के दोस्त हीरा सिंधी पर भारी कर्ज था और उसे चुकाने के लिए पैसों की सख्त जरूरत थी। जब कमला देवी ने अपनी गाढ़ी कमाई या गहने देने से साफ इनकार कर दिया, तोशीताम में इन दरिंदों ने उनके हाथ-पांव बांध दिए, शरीर पर लदे गहने लूटे और फिर तकिए से मुंह-नाक दबाकर उनकी सांसें हमेशा के लिए रोक दीं।

इस हत्याकांड में मुख्य सूत्रधार रवि तापड़िया, हीरा सिंधी और चूचा उर्फ आर्यन की गिरफ्तारी पहले ही हो चुकी है। अब भतीजे कालू तापड़िया के पकड़े जाने के बाद पुलिस इस चक्रव्यूह के चारों आरोपियों तक पहुंच चुकी है। 10 नवंबर तक पुलिस रिमांड पर चल रहे कालू से कड़ाई से पूछताछ जारी है। पुलिस का दावा है कि इस वारदात की हर एक कड़ी को जोड़ लिया गया है और अब पुख्ता सबूतों के आधार पर अदालत में मजबूत चार्जशीट पेश कर आरोपियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी।

परिवार की मौजूदगी में आधी रात बाद घर में घुसे चोर

जोधपुर, (निसं)। शहर के प्रतापनगर स्थित कमला नेहरू नगर द्वितीय विस्तार योजना में एक घर में रात दो से पांच बजे के बीच चोरी हो गई। परिवार के लोग एक कमरे में सो रहे थे। चोर दूसरे कमरे में दीवान से चांदी के एक किलो बर्तन इत्यादि चोरी कर ले गए। सुबह उठने का घटना का पता लगा। मामले को लेकर शुक्रवार को केस दर्ज कराया गया। पुलिस ने मौका तफ्तीश के लिए अब एफएसएल टीम को वहां बुलाया है। प्रतापनगर थाने के एएसआई ओमाराम ने बताया कि कमला नेहरू नगर द्वितीय विस्तार योजना अरोड़ा पार्क के पास में हनुमान प्रसाद पुत्र नरसिंह सैन का घर आया है। परिवार के लोग घर पर ही मौजूद थे। 5-6 नवंबर की रात दो से पांच बजे के बीच अज्ञात चोर घर में घुसे और दीवान में एक थैले में रखे चांदी के सात बर्तन आदि चोरी कर ले गए।

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर (राज.)
कार्यालय - चक सकीतरा, कुम्हेर, जिला ड्रीग 321201,
Email- info@msbrijuniversity.ac.in, Website – www.msbrijuniversity.ac.in

क्रमांक :- मसूवृवि/लेखा/2026/1469 दिनांक :- 30/10/2026

निविदा सूचना संख्या : 10/2026-27

कुलगुरू महोदय की ओर से विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले दीक्षान्त समारोह के मद्देनजर महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के अन्तर्गत निविदा नियमानुसार डिफेक्ट लाइबिलिटि अवधि के साथ उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार में उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्माण कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में ऑन लाईन निविदायें आमन्त्रित की जाती हैं।

निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट www.msbrijuniversity.ac.in पर देखा जा सकता हैं।

Sr.	Name of Work	Amount (in Lac)	UBN No.
1.	Wooden work, painting and repair work at Guest House Brij university Bharatpur	10.08	BUB2627WSOB00047

राज.संवाद/सी/26/13101 कुलसचिव

डूंगरपुर के गामडा ब्राह्मणिया गांव में 15 दिन से नजर आ रहा लैपर्ड

लैपर्ड ने बकरी का किया शिकार, ग्रामीणों ने पिंजरा लगाने और पशुपालक को मुआवजा दिलाने की मांग की

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के गामडा ब्राह्मणिया गांव में पिछले 15 दिनों से लैपर्ड की लगातार गतिविधियों ने ग्रामीणों और पशुपालकों की चिंता बढ़ा दी है। शुक्रवार देर रात लैपर्ड ने खेत में एक बकरी का शिकार कर लिया। बकरी की आवाज सुनकर पशुपालकों ने शोर मचाया, तो लैपर्ड मारी हुई बकरी को छोडकर भाग गया। इससे पहले भी दो दिन पूर्व लैपर्ड के हमले में 2 से 3 बकरियां मारी गई थीं। लगातार हो रही घटनाओं से परेशान ग्रामीणों ने वन विभाग से पिंजरा लगाकर लैपर्ड को पकडने और पशुपालक को नुकसान का मुआवजा देने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार गामडा ब्राह्मणिया गांव में दशरथसिंह चौहान के खेतों में जालोर जिले के रेबारी ओबाराम पुत्र वजाजी रेबारी करीब

■ **लगातार लैपर्ड की मौजूदगी और पशुओं पर हमलों से ग्रामीणों में भय का माहौल है, ग्रामीणों का कहना है कि खेतों में काम करने और पशुओं की रखवाली करने में भी खतरा बना हुआ है**

2,500 भेड़-बकरियों के साथ डेरा डालकर रह रहे हैं। शुक्रवार रात लैपर्ड एक बकरी को उठाकर ले जाने लगा। बकरी की आवाज सुनकर ओबाराम और उनके साथियों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। लोगों की आवाज सुनकर लैपर्ड मारी हुई बकरी को वहीं छोडकर भाग गया। ओबाराम ने बताया कि दो दिन पहले भी लैपर्ड ने हमला कर उनकी 2 से 3 बकरियों को मार दिया था। लगातार हो रहे हमलों से पशुधन को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने प्रशासन से नुकसान का मुआवजा देने और वन विभाग से पिंजरे लगाकर लैपर्ड को पकड़ने की मांग की है। गांव में लैपर्ड की गतिविधियों की जानकारी मिलने पर नवनिर्वाचित पंचायत बोर्ड के सरपंच, उपसरपंच और वार्डपंच सहित ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

उपसरपंच चंदनसिंह चौहान ने बताया कि गांव में पिछले एक महीने से जंगली जानवर की गतिविधियों के कारण किसानों और पशुपालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि सूरज ढलने के बाद खेतों में काम करने वाले किसानए मजदूर और पशुपालक हमले की आशंका से चिंतित हैं। चंदन सिंह चौहान ने वार्डपंच के साथ घटनास्थल का जायजा लिया और वन विभाग व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को फोन पर घटना की जानकारी दी।

लगातार लैपर्ड की मौजूदगी और पशुओं पर हमलों से ग्रामीणों में भय का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि खेतों में काम करने और पशुओं की रखवाली करने में भी खतरा बना हुआ है। उन्होंने वन विभाग से क्षेत्र में पिंजरा लगाने और लैपर्ड को जल्द पकडने की मांग की है। मौके पर सरपंच सुनीता डामोर, सरपंच पति रमेश डामोर, दशरथसिंह चौहान, चंदनसिंह चौहान, गिरिराज सिंह चौहान और वार्ड पंच कीर्ति कलाल सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

युवती से दुष्कर्म, मामला दर्ज

सीकर, (निसं)। सीकर में 19 साल की युवती से रेप का मामला सामने आया है। युवती के मंगेतर ने ही उसके साथ रेप किया। मां से नाराज होकर युवती दिल्ली चली गई। वहां पुलिस ने उससे पूछा तो युवती ने अपने साथ रेप होना बताया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 19 साल की युवती सीकर जिले की रहने वाली है। करीब एक साल पहले घरवालों ने उसकी सगाई पड़ोसी कस्बे के रहने वाले एक युवक से करवा दी थी। युवक ने अगस्त से अक्टूबर के बीच कई बार युवती के साथ घर जाकर रेप किया। युवती के विरोध करने पर वह बोलता कि अब तो शादी होने वाली है। हाल ही में किसी बात को लेकर युवती का अपनी मां से झगड़ा हो गया। ऐसे में युवती नाराज होकर ट्रेन में बैठकर दिल्ली चली गई। वह काफी देर तक स्टेशन पर घूमती मिली। ऐसे में वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उससे पूछताछ की। तब उसने बताया कि मंगेतर ने ही उसके साथ रेप किया है। ऐसे में दिल्ली में जीरो नंबर की दर्ज हुई जो बाद में सीकर पुलिस को ट्रांसफर कर दी गई। अब पुलिस ने मंगेतर के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

25 बिना नंबर की एवं पावर बाइक जब्त

बांसवाड़ा, (निसं)। पाटन थाना पुलिस ने एमवी एक्ट के तहत कार्यवाही कर 25 बिना नंबरी एवं पावर बाइक जब्त की। थानाधिकारी रिजवान खान ने बताया कि पंचायती राज चुनाव एवं त्यौहारों के मद्देनजर जिले में शांति व्यवस्था बनाये रखने एवं असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपत सिंह सुपरविजन एवं कुशलगढ़ वृताधिकारी विनोद कुमार के निकट पर्यवेक्षण में पाटन थाना पुलिस ने यह कार्यवाही की। पुलिस टीम में पाटन क्षेत्र के छोटी सरवा कस्बे में कार्यवाही कर 25 बिना नंबर की एवं पावर बाइक जब्त की।

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांकः जविप्रा/अ.अ.-बी 1/2026-27/डी-216 दिनांक : 06.11.2026

निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. जविप्रा/अधि.अभि.-बी-1/07/2026-27

जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा **"Development of Parking under Khasakhothi Flyover & Hasanpura Flyover in Zone-B-1, JDA, Jaipur"** जिसकी अनुमानित लागत राशि रू. 112.71 लाख के लिए ऑनलाईन बिड्स दिनांक 21.11.2026 को सायं 6.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा बोली का ऑनलाईन आवेदन व भुगतान जविप्रा पोर्टल पर करने की अन्तिम तिथि 21.11.2026 को सायं 6.00 बजे तक है। निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in and www.jda.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

(UBN No.: JDA2627WSOB00409)

निविदा में भाग लेने वालों को निम्न शर्तो की पूर्ति करनी होगी।

1. निविदादाता जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो एवं निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए दस्तावेज शुल्क, अमानत राशि, आर.आई.एस.एल. प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा करनी होगी।
2. ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदादाताओं का राजस्थान सरकार के ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजिकृत हो

राज.संवाद/सी/26/13099 अधिशाषी अभियन्ता-बी-1

अमेरिका में डिटेन हुआ लॉरेंस गैंग का हैरी बॉक्सर, भारत लाने की तैयारी शुरू

राजस्थान एजीटीएफ के प्रयासों से अमेरिकी एजेंसी ''आईसीई'' ने हिरासत में लिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। विदेश में बैठकर भारत में रंगदारी, हत्या और फायरिंग की वारदातें संचालित करने वाले लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सक्रिय सदस्य हरिचंद जाट उर्फ हैरी बॉक्सर को अमेरिका में हिरासत में लिया गया है।

राजस्थान पुलिस की एटीएस और एजीटीएफ के लगातार प्रयासों तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से समन्वय के बाद अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी (आईसीई) ने उसे डिटेन किया। अब उसे भारत लाने की कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एटीएस/एजीटीएफ/एएनटीएफ) दिनेश एमएन ने बताया कि हैरी बॉक्सर लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा गैंग के लिए हथियारों की आपूर्ति तथा आपराधिक गतिविधियों का संचालन करता था।

उसके खिलाफ राजस्थान में 22 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें हत्या के प्रयास, रंगदारी, आर्म्स एक्ट, संगठित अपराध, चोरी और मारपीट जैसे मामले शामिल हैं।

वह राजस्थान के अलावा हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में भी रंगदारी की धमकियों और फायरिंग की वारदातों में सक्रिय रहा है।

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग की ली थी जिम्मेदारी

हैरी बॉक्सर (40) कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बासदयाल का निवासी है। वह अप्रैल 2023 में अपने पासपोर्ट के जरिए भारत से फरार हो गया था। विदेश में रहते हुए उसने बॉलीवुड निर्देशक रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित घर के बाहर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी भी सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर ली थी। गैंग के सदस्य इंटरनेट आधारित कॉल और वीपीएन के जरिए कारोबारियों को धमकियां देकर रंगदारी वसूलते थे। रकम नहीं देने पर गोलीबारी करवाते थे।

दुबई से गुयाना और डंकी रूट से पहुंचा अमेरिका

जांच में सामने आया कि भारत से फरार होने के बाद हैरी बॉक्सर दुबई, डोमिनिकन रिपब्लिक और गुयाना होते हुए मैक्सिको बॉर्डर के रास्ते डंकी रूट से अमेरिका पहुंचा। उसने कैलिफोर्निया में ठिकाना बना लिया था। फरवरी 2025 में उसकी लोकेशन गुयाना में मिलने पर अस्थायी गिरफ्तारी का अनुरोध भेजा गया, लेकिन वह वहां से भी भागकर अमेरिका पहुंच गया।

> ■ रंगदारी और फायरिंग के 22 से अधिक मामलों में वांछित; सीबीआई के जरिए 5 देशों को भेजे 14 संदर्भ, जारी कराया रेड कॉर्नर नोटिस

पांच देशों को भेजे 14 संदर्भ, 9 बार अमेरिका को सूचनाएं

उप महानिरीक्षक योगेश यादव के सुपरविजन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के नेतृत्व में एजीटीएफ टीम ने उसकी गतिविधियों की जानकारी जुटाई। पुलिस ने सीबीआई और इंटरपोल के माध्यम से करीब पांच देशों को 14 संदर्भ भेजे। उसके खिलाफ 14 नवंबर 2024 को रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाया गया था।

दिसंबर 2024 से जुलाई 2026 के बीच अमेरिका को नौ इंटरपोल नोटिस भेजे गए। इसके अलावा 21 फरवरी 2025 को अस्थायी गिरफ्तारी अनुरोध, 19 अगस्त 2026 को अद्यतन दस्तावेज और 29 अक्टूबर 2026 को उसके अंगुलियों के निशान भी उपलब्ध करवाए गए। तकनीकी निगरानी के जरिए उसके विदेशी मोबाइल नंबरों और सोशल मीडिया गतिविधियों का विश्लेषण किया गया। लगातार सूचनाएं साझा करने के बाद अमेरिकी एजेंसी ने उसे हिरासत में लिया।

इन अधिकारियों की रही अहम भूमिका

कार्रवाई में उप महानिरीक्षक योगेश यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा, उप अधीक्षक रविन्द्र प्रताप तथा पुलिस निरीक्षक सुनील जांगिड़, मनीष शर्मा और रामविलास विश्नोई की ऑपरेशनल टीम की अहम भूमिका रही। वहीं इंटरपोल शाखा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरोत्तम लाल वर्मा के नेतृत्व में तत्कालीन पुलिस निरीक्षक कमलपुरी, पुलिस निरीक्षक उम्मेद सिंह, सहायक उपनिरीक्षक रमेश कुमार, संतोष टेलर तथा कांस्टेबल महावीर प्रसाद, सुभाष, श्रवण, सुरेन्द्र और महिला कांस्टेबल सावित्री ने अंतरराष्ट्रीय समन्वय और दस्तावेजी कार्रवाई में योगदान दिया। तकनीकी विश्लेषण में सहायक उपनिरीक्षक मोहन भूरिया और कांस्टेबल जगसीर सिंह की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

हाईकोर्ट ने निचली कोर्ट की कार्यशैली पर सवाल उठाए

पीठासीन अधिकारी व रीडर्स को ट्रेनिंग की जरूरत बताई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने निचली कोर्ट में मुकदमों की सुनवाई और निस्तारण की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा है कि पीठासीन अधिकारियों और रीडर्स को न्यायिक कार्यवाही के बेहतर प्रबंधन के लिए उचित ट्रेनिंग देने की जरूरत है। इसके साथ ही अदालत ने आदेश की कॉपी रजिस्ट्रार जनरल के जरिए हाईकोर्ट के सीजे के समक्ष रखने के लिए कहा है। जस्टिस अशोक कुमार जैन ने यह आदेश रामस्वरूप की चौथी जमानत याचिका को मंजूर करते हुए दिया।

अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति को न्याय की प्रतीक्षा में अनिश्चितकाल तक जेल में नहीं रखा जा सकता। याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि ट्रायल कोर्ट की ऑर्डरशीट रीडर द्वारा लिखे जाने और अंत में पीठासीन अधिकारी के हस्ताक्षर करने की स्थिति सामने आई है।

> ■ अदालत ने कहा कि ''किसी व्यक्ति को न्याय की प्रतीक्षा में अनिश्चितकाल तक जेल में नहीं रखा जा सकता।''

ऐसे में पीठासीन अधिकारियों और रीडर्स को उचित प्रशिक्षण देने के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करना चाहिए। अदालत ने जब 19 सितंबर से 28 अक्टूबर 2026 तक की एसीजेएम की ऑर्डरशीट को देखा तो पाया कि उसमें कोई प्रगति नहीं हुई और न्यायिक हिरासत अवधि बढ़ाई जाती रही। यह भी सामने आया कि आर्डरशीट रीडर लिखते हैं और अंत में पीठासीन अधिकारी हस्ताक्षर करते हैं।

जमानत याचिका में कहा कि आरोपी धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने और षड्यंत्र के मामले में 12 मई 2025 से जेल में है। हाईकोर्ट के जल्द ट्रायल निर्देश के बाद भी कोर्ट में अभी तक केवल एक ही गवाह के बयान दर्ज हुए हैं।

भाजपा मुख्यालय में धूमधाम से मनाया दीपोत्सव



भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय पर छोटी दिवाली के उपलक्ष्य में दीप जलाए।

जयपुर (कासं)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में छोटी दीपावली के अवसर पर शनिवार को दीपोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भगवान गणेश का विधिवत पूजन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने दीप प्रज्ज्वलित किए और भव्य आतिशबाजी के साथ उत्सव मनाया।

इस अवसर पर संगठन महामंत्री अजेय कुमार, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भूपेंद्र सैनी, प्रदेश मंत्री सीताराम पोसवाल, अपूर्वा सिंह, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, जयपुर महापौर सुनील कोठारी, विधायक गोपाल शर्मा, कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, सह कार्यालय प्रभारी भवानी शंकर शर्मा, मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ और जिलाध्यक्ष अमित गोयल सहित प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

> ■ प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने पदाधिकारियों के साथ गणेश पूजन किया, फिर कार्यकर्ताओं के साथ आतिशबाजी की

मदन राठौड़ ने प्रदेशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपावली असत्य पर सत्य की विजय और अज्ञान के अंधकार से ज्ञान एवं प्रकाश की ओर बढ़ने का पर्व है। सभी को राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में भाजपा ने निकाय चुनावों में ऐतिहासिक विजय हासिल की है। उन्होंने आगामी पंचायत चुनावों में भी भाजपा की प्रचंड जीत का विश्वास जताया।

गोविंददेवजी मंदिर में आज रहेगी जन्माष्टमी जैसी दर्शन व्यवस्था

जयपुर। दीपावली पर 8 नवंबर को गोविंददेवजी मंदिर में श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए विशेष दर्शन व्यवस्था की गई है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, श्रद्धालुओं को केवल मंदिर के मुख्य द्वार से प्रवेश दिया जाएगा, जबकि जय निवास बाग की ओर से प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। दर्शन के बाद श्रद्धालुओं का निकास जय निवास बाग की ओर से होगा। दीपावली पर मंदिर में जन्माष्टमी की तर्ज पर मंगला से शयन तक सातों झांकियों के दर्शन होंगे। कंवर नगर और ब्रह्मपुरी की ओर से आने वाले श्रद्धालु जनता मार्केट होते हुए मंदिर के मुख्य द्वार तक पहुंच सकेंगे। दर्शन के बाद निकास मंदिर के पीछे स्थित श्री चिंताहरण हनुमानजी मंदिर की ओर से होगा। यह जानकारी मंदिर के मुख्य सेवादार मानस गोस्वामी ने दी है।

मेटरनिटी लीव में नव प्रसूता का तबादला, हाईकोर्ट ने रोक लगाई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मैटरनिटी लीव पर चल रही व्याख्याता का डांग एरिया में तबादला करने वाले आदेश की क्रियान्विति पर छह सप्ताह के लिए अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने विभाग को याचिकाकर्ता के प्रतिवेदन को पांच सप्ताह में तय करने के लिए कहा है। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश आरती कुमारी की याचिका पर दिए।

अदालत ने कहा कि एक आदर्श नियोक्ता के रूप में राज्य सरकार को नव प्रसूता और उसके बच्चे के बीच के पवित्र बंधन की रक्षा करनी चाहिए। सरकार को मशीनी अंदाज में तबादला कर इस बंधन को नहीं तोड़ना चाहिए। अदालत ने राज्य सरकार को कहा कि नव प्रसूता कर्मचारियों के लिए उचित तबादला नीति होनी चाहिए। ऐसी नीति के अभाव में मां और शिशु दोनों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

> ■ अदालत ने कहा कि ''एक आदर्श नियोक्ता के रूप में राज्य सरकार को नव प्रसूता और उसके बच्चे के बीच के पवित्र बंधन की रक्षा करनी चाहिए, मशीनी अंदाज में तबादला कर इस बंधन को नहीं तोड़ना चाहिए।''

अदालत ने मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि चार माह की नव प्रसूता का किसी दूरस्थ स्थान पर तबादला करना चार महीने के बच्चे को उसकी मां से जबरन अलग करने जैसा है। इससे न केवल उनके मूल अधिकारों का हनन होगा, बल्कि शिशु को मानसिक आघात, असुरक्षा और कुपोषण का खतरा भी उत्पन्न होगा। याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि याचिकाकर्ता मैटरनिटी लीव पर है। उसका नवजात शिशु केवल चार महीने का है और पूरी तरह अपनी मां पर निर्भर है। इसके बावजूद विभाग ने उसका तबादला करौली जिले में दूरस्थ डांग एरिया में कर दिया। ऐसे में तबादला आदेश को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने तबादला आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए याचिकाकर्ता की ओर से पेश प्रतिवेदन को पांच सप्ताह में तय करने को कहा है।

51 किलो दूध और गंगाजल से किया खोले के हनुमानजी का अभिषेक

जयपुर। श्री खोले के हनुमान मंदिर में शनिवार को रूप चतुर्दशी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। श्री हनुमान जी महाराज का गंगाजल से स्नान कराकर 51 किलो दूध से अभिषेक किया गया।

सिन्दूर का चौला चढ़ाकर चांदी की पोशाक धारण कराई गई। फूल बंगले की झांकी सजाई गई। रात्रि को नए अनाज बाजरा, मूंग, चौला एवं छप्पन भोग लगाकर महाआरती की गई। श्री नरवर आश्रम सेवा समिति के महामंत्री बृजमोहन शर्मा ने बताया कि दीपावली को पूरे मंदिर परिसर में रंग-बिरंगी लाईटों, रोशनी एवं 5100 मिट्टी के दीपकों से मंदिर परिसर को सजाया जाएगा। दीपावली के दिन शाम को लक्ष्मी जी का पूजन कर आतिशबाजी की जाएगी।

रोशनी में निखरी छोटी काशी, जयपुर हुआ राममय



दीपावली पर इस बार गुलाबी नगरी का नजारा राममय नजर आया। बाजारों से लेकर ऐतिहासिक इमारतों तक आकर्षक विद्युत सजावट और रंग-बिरंगी रोशनी ने पूरे शहर को रोशन कर दिया। सड़कों पर सजे दीपोत्सवी नजारे और रामदरबार की झांकियों ने उत्सव की छटा बिखेरी। जगमगाती रोशनी और भव्य सजावट को निहारने के लिए बड़ी संख्या में शहरवासी बाजारो में उमड़े। फोटो-राष्ट्रदूत

नवंबर में 2400 पदों पर तीन भर्तियों की संभावना

जयपुर (कासं)। राजस्थान में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड नवंबर में करीब 2,400 पदों पर तीन भर्तियों की विज्ञप्ति जारी करने की तैयारी कर रहा है। इनमें फिजिकल टीचर इंस्ट्रक्टर (पीटीआई), जूनियर इंजीनियर (जेईएन) और टैक्स असिस्टेंट के पद शामिल हैं।

कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष आलोक राज के अनुसार तीनों भर्तियों की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सबसे पहले करीब 900 पदों पर जूनियर इंजीनियर भर्ती का विज्ञापन जारी होने की संभावना है। बोर्ड का प्रयास है कि दिवाली के बाद 15 नवंबर तक इसकी विज्ञप्ति जारी कर दी जाए। इसके बाद आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी। पीटीआई के 1200 और टैक्स असिस्टेंट के 300 पदों पर भर्ती की विज्ञप्ति आचार संहिता हटने के बाद जारी की जाएगी। इन पदों के लिए अलग-अलग शैक्षिणक एवं तकनीकी योग्यताएं निर्धारित होंगी। तीनों भर्तियों के लिए आयु सीमा 18 से 40 वर्ष रहेगी। आरक्षित वर्गों और अन्य पात्र अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु सीमा में छूट मिलेगी। चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा के बाद परिणाम और मेरिट के आधार पर अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया जाएगा। विस्तृत पात्रता और योग्यता की जानकारी भर्ती विज्ञप्ति में जारी होगी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पीटीआई भर्ती में 1200 पद, जूनियर इंजीनियर में करीब 900 पद, टैक्स असिस्टेंट के 300 पदों समेत कुल 2400 पद होंगे।







तथ्य छिपाकर याचिका दायर करने वाले पर 5 लाख रु. का हर्जाना

खुद की जमीन नहीं होने के बावजूद विवादित निर्माण से प्रभावित बताकर दाखिल की थी याचिका

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने खुद की जमीन नहीं होने के बावजूद विवादित निर्माण से प्रभावित बताकर याचिका दायर करने और महत्वपूर्ण तथ्य छिपाने वाले याचिकाकर्ता पर हाईकोर्ट ने पांच लाख रुपए का हर्जाना लगाया है।

अदालत ने हर्जाना राशि में से तीन लाख रुपए राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर बेंच के अधिवक्ताओं के कल्याणार्थ खाते में और दो लाख रुपए राजस्थान हाईकोर्ट मुंशी संघ, जयपुर बेंच के खाते में जमा कराने के लिए कहा है। जस्टिस रवि चिरानिया ने यह आदेश रामस्वरूप की याचिका को खारिज करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि जो व्यक्ति तथ्य छिपाकर और भ्रामक जानकारी देकर अदालत की शरण में आता है, वह किसी तरह की राहत का हकदार नहीं है।

याचिका में कहा कि ग्राम केशोपुरा, तहसील सांगानेर की जमीन पर हाईवे के प्लांटेशन कॉरिडोर में बिना मंजूरी के व्यावसायिक निर्माण कार्य चल रहा है। याचिकाकर्ता ने कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। वहीं याचिकाकर्ता का यह दावा गलत निकला कि उसकी जमीन विवादित निर्माण वाली जमीन से सटी हुई है और वह उससे प्रभावित है।

जेडीए ने 2022 में ही संबंधित क्षेत्र में व्यावसायिक पट्टे जारी कर दिए थे, जिन्हें प्रार्थी ने कभी चुनौती नहीं दी। इस पर अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता ने अपनी जमीन के संबंध में महत्वपूर्ण तथ्य छिपाए और शपथ पत्र में खुद को विवादित निर्माण से प्रभावित बताया है। जबकि मौके पर उसकी कोई जमीन नहीं थी। इस पर अदालत ने नाराजगी जताई।

अधिशाषी अभियंता को एपीओ करने वाले आदेश पर रोक

जयपुर। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने जल संसाधन विभाग के अधिशाषी अभियंता को एपीओ करने वाले 29 अक्टूबर के आदेश की क्रियांविति पर अंतरिम रोक लगा दी है। अधिकरण ने मामले में जल संसाधन विभाग के एसीएस, सचिव व मुख्य अभियंता से 18 दिसंबर तक जवाब देने के लिए कहा है। अधिकरण की न्यायिक सदस्य पूनम दरगन व सदस्य प्रकाश चन्द्र शर्मा की बेंच ने यह आदेश चंबल परियोजना खंड कोटा में अधिशाषी अभियंता के तौर पर कार्यरत अवधेश कुमार मीना की अपील पर दिए। अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि अपीलार्थी का तबादला 10 जुलाई को कोटा से किया गया था। इस आदेश पर अधिकरण ने 11 अगस्त को रोक लगा दी थी। वहीं विभाग ने गत 29 अक्टूबर को प्रतिबंधित अवधि में ही अपीलार्थी को एपीओ कर मुख्यालय कर दिया।



जब मैंने पहली बार टीम के साथ काम करना शुरू किया, तब शमी टीम का हिस्सा थे। मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं। वह बेहद कुशल खिलाड़ी हैं और टीम के साथ ड्रेसिंग रूम में उनकी मौजूदगी काफी अहम थी। - मोर्ने मोर्कल

भारतीय गेंदबाजी कोच, मोहम्मद शमी की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

हार्दिक पांड्या



भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की क्रिकेट मैदान पर वापसी में एक बार फिर देरी हो गई है। 14 नवंबर से शुरू होने वाली सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी के लिए उन्हें बड़ौदा की टीम में शामिल नहीं किया गया है। उनकी अनुपस्थिति में क्रुणाल पांड्या बड़ौदा टीम की कप्तानी करेंगे। 33 वर्षीय हार्दिक फिलहाल जांघ की चोट से उबर रहे हैं। बीसीसीआई ने बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन को उन्हें मैच खिलाने के बजाय बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन जारी रखने की सलाह दी है। ऐसे में हार्दिक की वापसी के लिए अभी और इंतजार करना होगा।

क्या आप जानते हैं ?... पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 195 स्टंपिंग करने का रिकॉर्ड है।

भारत ने दूसरे वनडे में डकवर्थ-लुईस नियम से न्यूजीलैंड को चार रन से हराया, सीरीज में 2-0 की बढ़त

वेलिंगटन, 7 नवंबर। तेज गेंदबाज गुरनूर बरार के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने बारिश से प्रभावित दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में न्यूजीलैंड को चार रनों से हरा दिया। शनिवार को वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बरार ने 30 रन देकर चार विकेट लिए, जिससे न्यूजीलैंड की टीम 41 ओवर में 134 रन पर सिमट गई। जवाब में भारतीय टीम ने बारिश के कारण खेल रोके जाने तक 24.4 ओवर में सात विकेट पर 113 रन बना लिए थे। बउस समय भारत डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) पद्धित के निर्धारित पार स्कोर से चार रन आगे था, हालांकि बारिश के कारण मैच शुरु नहीं हो सका और भारत ने 4 रन से जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। 135 रनो के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। कप्तान शुभमन गिल पहले ही ओवर में बिना खाता खोले जैकब डफी की गेंद पर आउट हो गए। भारत ने 1.1 ओवर में चार रन पर पहला विकेट गंवा दिया। विराट कोहली ने डफी के खिलाफ शानदार कवर ड्राइव लगाकर अपना खाता खोला, जबकि रोहित शर्मा ने काइल जैमीसन की गेंद पर चौका जड़ा। हालांकि, डफी की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में कोहली विल यंग को कैच दे बैठे। वह सात रन बनाकर आउट हुए। भारत का स्कोर 3.4 ओवर में दो विकेट पर 17 रन हो गया।

रोहित शर्मा ने इसके बाद जैमीसन के खिलाफ दो छक्के लगाकर पारी को आगे बढ़ाया। इनमें उनका पसंदीदा पुल शॉट भी शामिल था। हालांकि, जैमीसन की गेंद पर वह हेनरी निकोल्स को स्लिप में कैच दे बैठे।



रोहित ने 27 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 23 रन बनाए। भारत ने 8.4 ओवर में 39 रन पर तीसरा विकेट गंवा दिया। अक्षर पटेल भी बल्ले से संघर्ष करते नजर आए और मैथ्यू फिशर की गेंद पर 17 गेंदों में सात रन बनाकर आउट हो गए। 12.5 ओवर में भारत का स्कोर 47 रन पर चार विकेट था।

इसके बाद उपकप्तान श्रेयस अय्यर और केएल राहुल ने पारी संभालने की कोशिश की। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 39 रन जोड़े। राहुल ने नाथन स्मिथ के 16वें ओवर में चौका और छक्का लगाया, जबकि अय्यर ने फिशर के 19वें ओवर में दो चौके जड़े। जैमीसन ने इस साझेदारी को तोड़ते हुए अय्यर को आउट किया। उन्होंने 46 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाए। भारत ने 20 ओवर में 86 रन पर पांचवां विकेट गंवा दिया।

राहुल ने 22.5 ओवर में छक्का लगाकर भारत को 100 रन के पार पहुंचाया। हालांकि, नमन धीर ज्यादा देर उनका साथ नहीं दे सके। उनका हवाई शॉट डीप बैकवर्ड स्क्वायर पर टिम सीफर्ट ने लपक लिया। नमन ने 16 गेंदों में 12 रन बनाए। भारत का स्कोर 24.4 ओवर में 108 रन पर छह विकेट हो गया। इसके बाद जैमीसन ने अंशुल कंबोज को एक रन पर आउट कर भारत को सातवां झटका दिया। भारत का स्कोर 111 रन पर सात विकेट था। इसी दौरान बारिश ने खेल रोक दिया। उस समय राहुल 38 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 26 रन बनाकर नाबाद थे। भारत डीएलएस पार स्कोर से चार रन आगे होने के कारण विजेता घोषित हुआ।

न्यूजीलैंड के खिलाफ चमके भारतीय तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़, 4 विकेट लेकर जीता प्लेयर ऑफ द मैच

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ ने शनिवार को वेलिंगटन में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने न्यूजीलैंड के 4 बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। उन्होंने इसके साथ ही एक खास उपलब्धि हासिल की। उन्होंने अपने 10 ओवर में 30 रन देकर 4 विकेट चटकाए, जो न्यूजीलैंड की धरती पर किसी भारतीय तेज गेंदबाज का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने न्यूजीलैंड के बल्लेबाज टॉम लैथम, ग्लेन फिलिप्स, कप्तान मिचेल सैंटनर और कप्तान नाथन स्मिथ को आउट किया। न्यूजीलैंड में भारतीय तेज गेंदबाज द्वारा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकॉर्ड जवागल श्रीनाथ के नाम है, जिन्होंने 2003 में ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के खिलाफ 23 रन देकर 4 विकेट लिए थे।

// तीसरा अनौपचारिक टेस्ट //

यशस्वी का लगातार दूसरा शतक भारत-ए मजबूत स्थिति में



लिंकन, 7 नवंबर। यशस्वी जायसवाल के लगातार दूसरे शतक और साई सुदर्शन की नाबाद अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ए ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे अनौपचारिक टेस्ट के पहले दिन मजबूत स्थिति बना ली। शनिवार को बर्ट सटक्लिफ ओवल में बारिश के कारण खेल जल्दी समाप्त होने तक भारत ए ने 69.3 ओवर में दो विकेट पर 227 रन बना लिए थे। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत ए की टीम को जायसवाल और सुदर्शन ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 175 रन की साझेदारी की। जायसवाल ने 138 गेंदों पर 16 चौकों और दो छक्कों की मदद से 102 रन बनाए। दौरे पर लगातार दूसरे मुकाबले में शतक लगाकर उन्होंने अपनी लय हासिल करने के संकेत दिए। इससे पहले उन्होंने पिछले मैच में भी शतकीय पारी खेली थी। जायसवाल 47वें ओवर में डैनरू फर्न्स की गेंद पर कैमरन पॉल के हाथों कैच आउट हुए। उनके आउट होने के बाद देवदत्त पडिक्कल क्रीज पर आए, लेकिन वह बड़ी पारी नहीं खेल सके। पडिक्कल ने 53 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 15 रन बनाए। उन्हें 63वें ओवर में जारोड मैके की गेंद पर विकेटकीपर मैक्स चू ने कैच किया। इस समय भारत ए का स्कोर 209 रन था। दूसरे छोर पर साई सुदर्शन ने धैर्य और संयम के साथ बल्लेबाजी जारी रखी। वह 205 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 77 रन बनाकर नाबाद हैं। कप्तान ध्रुव जुरेल ने उनका अच्छा साथ दिया। जुरेल 24 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 12 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 18 रन की अटूट साझेदारी कर दिन का खेल समाप्त किया। न्यूजीलैंड ए की ओर से डैनरू फर्न्स और जारोड मैके को एक-एक विकेट मिला। बारिश के कारण पहले दिन 20 से अधिक ओवर का खेल नहीं हो सका। दूसरे दिन भारत ए की पारी सुदर्शन (77) और जुरेल (12) आगे बढ़ाएंगे। टीम की कोशिश इस मजबूत शुरुआत को बड़े पहली पारी के स्कोर में बदलने की होगी।

उज्जवल की घातक गेंदबाजी से रॉयल क्रिकेट एकेडमी की आसान जीत



जयपुर, 7 नवंबर। मैत्री क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित पांचवीं डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में शनिवार को खेले गए मुकाबले में रॉयल क्रिकेट एकेडमी ने उज्ज्वल चौधरी की शानदार गेंदबाजी की बदौलत मेवाड़िया क्रिकेट एकेडमी को 6 विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए मेवाड़िया क्रिकेट एकेडमी की टीम 18.4 ओवर में 108 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से दिव्यांश तंवर ने 20, आशीष चौपड़ा ने 10 तथा गौरव चंद्र ने 22 रन बनाए। रॉयल क्रिकेट एकेडमी की ओर से उज्ज्वल चौधरी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 26 रन देकर 4 विकेट झटके, जबकि हितांश ने 6 रन देकर 1 विकेट लिया। जवाब में रॉयल क्रिकेट एकेडमी ने हितांश के नाबाद 31, गौरव चंद्र के 22, प्रियांशु यादव के 14 और ललित शेखावत के 10 रनों की मदद से 14.2 ओवर में 4 विकेट खोकर 109 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। मेवाड़िया क्रिकेट एकेडमी की ओर से सचिन शर्मा, हिमांशु जांगिड़ और दिव्यांश तंवर ने 1-1 विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच: उज्ज्वल चौधरी को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

गेंद से छेड़छाड़ विवाद पर उस्मान ख्वाजा का बड़ा खुलासा, पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम थी शामिल

पूर्व मुख्य कोच डैरेन लेहमैन ने कहा, कुछ बातें अनकही ही रहने देनी चाहिए

मेलबर्न, 7 नवंबर। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने 2018 के चर्चित गेंद से छेड़छाड़ विवाद को लेकर बड़ा खुलासा करते हुए दावा किया है कि दक्षिण अफ्रीका दौरे पर हुई इस घटना में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम, खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ शामिल थे। उन्होंने कहा कि इसकी जिम्मेदारी केवल स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर डालना सही नहीं था क्योंकि टीम के सभी लोगों को इसकी जानकारी थी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच डैरेन लेहमैन ने ख्वाजा के इस खुलासे पर सवाल उठाते हुए कहा कि खेल और इससे जुड़े लोगों की भलाई के लिए कुछ बातें अनकही ही रहने देनी चाहिए।

ख्वाजा ने यह बयान अपनी आत्मकथा 'सब्र' के विमोचन से पहले दिया है। उन्होंने 'नाइन' को दिए साक्षात्कार में कहा, इसमें हम सभी शामिल थे। केवल बल्लेबाज नहीं, गेंदबाज भी नहीं बल्कि सहयोगी स्टाफ सहित हम सभी। आदर्श स्थिति में मैं सामने आकर सच बताना नहीं चाहता था। मुझे सचमुच लगा था कि आठ साल बाद तक सच्चाई सामने आ चुकी होगी।



ख्वाजा ने कहा कि उन्होंने घटना के बाद ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों से ड्रेसिंग रूम में भी पूरी टीम के तौर पर जिम्मेदारी लेने की बात कही थी। उनके अनुसार, सभी को पता था कि क्या हो रहा है और इसलिए जिम्मेदारी भी सबको मिलकर लेनी चाहिए थी। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ और तीन खिलाड़ियों को ही इसका खामियाजा भुगतना पड़ा।

उन्होंने कहा, मैंने उनसे कहा था कि इसे टीम के रूप में स्वीकार करो। हमने यह सब एक टीम के तौर पर किया था। हमें पता था कि क्या हो रहा है और हमें इसकी जिम्मेदारी भी टीम के रूप में लेनी चाहिए थी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और उन तीनों खिलाड़ियों की कड़ी आलोचना हुई। मैंने पिछले आठ वर्षों में डेविड वॉर्नर को बार-बार निशाने पर आते देखा है। इतने समय तक चुप रहना और कुछ नहीं कहना, आसान नहीं था।

ख्वाजा ने यह भी खुलासा किया कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2018 के मामले की जांच के दौरान उनका साक्षात्कार तक नहीं लिया था। केपटाउन टेस्ट के बाद तत्कालीन मुख्य अखंडता अधिकारी इयान रॉय और टीम प्रदर्शन प्रबंधक पैट हॉवर्ड के नेतृत्व में जांच हुई थी। इसी जांच के बाद स्मिथ, वॉर्नर और बैनक्रॉफ्ट पर प्रतिबंध लगाए गए थे।

लेहमैन ने कहा- कुछ बातें अनकही ही रहने दें

ख्वाजा के खुलासे पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच डैरेन लेहमैन ने असहमति जताते हुए कहा कि कुछ बातें खेल और उससे जुड़े लोगों की भलाई के लिए नहीं उठानी चाहिए। केपटाउन में मार्च 2018 में हुए टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़छाड़ की घटना के बाद पद छोड़ने वाले लेहमैन ने शनिवार को एबीसी ग्रैंडस्टैंड से बातचीत में कहा कि इस विवाद की यादें आज भी दुखद हैं।



उन्होंने कहा, आज सुबह काफी कुछ हुआ है, है ना? इससे बहुत बुरी यादें ताजा हो गई हैं। यह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का बुरा दिन था। दुनिया भर में ऐसा हो रहा था, जैसा कि कई लोग पहले भी कह चुके हैं। लेकिन किसे कितनी जानकारी थी, यह हर व्यक्ति के मामले में अलग-अलग हो सकता है। इस समय इससे जुड़े खिलाड़ियों और उनके परिवारों के लिए मुझे दुख है क्योंकि यह उन्हें फिर उसी बुरे दौर में ले जा रहा है। गर्मियों की शुरुआत में इस तरह की स्थिति अच्छी नहीं है।

असुंथा लाकड़ा के आरोपों पर हॉकी इंडिया ने नहीं दिया फंड, आईओए जांच समिति की बैठक अटकी

नई दिल्ली, 7 नवंबर। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान असुंथा लाकड़ा के आरोपों की जांच के लिये आईओए द्वारा स्वतंत्र समिति के गठन को दो महीने हो गए हैं लेकिन हॉकी इंडिया की ओर से फंड जारी नहीं करने की वजह से अभी तक समिति की पहली बैठक भी नहीं हुई है। आईओए ने हॉकी इंडिया को समिति के मानदेय, यात्रा, आवास और अन्य आकस्मिक खर्चों से संबंधित सभी आवश्यक भुगतान मुहैया कराने का भी निर्देश दिया था लेकिन सूत्रों के अनुसार हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की द्वारा बारंबार ईमेल भेजे जाने के बावजूद अभी तक समिति को फंड जारी नहीं किये गए हैं। हॉकी इंडिया कार्यकारी समिति की सदस्य लाकड़ा ने झारखंड में स्थानीय कोच सुधीर गोल्ला द्वारा लड़कियों के कथित यौन उत्पीड़न पर आपत्ति जताने के बाद हॉकी इंडिया महासचिव भोलानाथ सिंह पर धमकी देने और परेशान करने का आरोप लगाया था। खेल मंत्रालय के निर्देश के बाद भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने सितंबर में उच्च न्यायालय की सेवानिवृत न्यायाधीश दीपा शर्मा की अध्यक्षता में चार सदस्यीय स्वतंत्र जांच समिति का गठन किया था। इस पैनल में पूर्व ट्रैक एवं फील्ड एथलीट वंदना राव, महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान ममता खरब और वकील सितवत नबी सदस्य के रूप में शामिल हैं। जानकार सूत्रों के अनुसार टिर्की ने आठ और दस अक्टूबर को ईमेल के जरिये हॉकी इंडिया कोषाध्यक्ष शेखर मनोहरन, महासचिव भोलानाथ सिंह और महासंघ के वित्त विभाग को समिति को तुरंत प्रभाव से फंड जारी करने के निर्देश दिये थे। समिति की अध्यक्ष की ओर से पेशेवर फीस और समिति से जुड़े विविध व्ययों के इनवॉइस पहले ही भेजे जा चुके हैं जबकि कानूनी सहायता से जुड़े खर्चों के इनवाइस भी भेजे जा चुके हैं लेकिन इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं हुई।

भारतीय महिला टीम के पूर्व कोच गुरदयाल सिंह का निधन, हॉकी इंडिया ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 7 नवंबर। हॉकी इंडिया ने शनिवार को भारतीय महिला हॉकी टीम के पूर्व मुख्य कोच गुरदयाल सिंह भंगू के निधन पर शोक व्यक्त किया। भंगू का 86 वर्ष की आयु में कनाडा के सरे में निधन हो गया। उनके मार्गदर्शन में भारतीय महिला टीम ने 2002 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। टीम की यह ऐतिहासिक उपलब्धि कुछ वर्षों बाद बनी बॉलीवुड फिल्म 'चक दे! इंडिया' की प्रेरणा भी बनी। भंगू को 1998 में भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। उस समय विश्व कप में भारतीय टीम 12वें स्थान पर रही थी। भंगू के मार्गदर्शन में टीम ने कुछ ही महीनों बाद एशियाई खेलों में रजत पदक जीता। इसके बाद उन्होंने टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। हॉकी इंडिया ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर शोक संदेश में कहा, 2002 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच रहे गुरदयाल सिंह भंगू के 86 वर्ष की आयु में निधन से हॉकी इंडिया शोकाकुल है। भारतीय हॉकी में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदनाएं।



पाक से बदलता चुकता करने के लिए उतरेगा भारत

नई दिल्ली, 7 नवंबर। पिछली बार अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान से पराजय झेलने वाला भारत रविवार को होने वाले ग्रुप-ए के महत्वपूर्ण मुकाबले में बदला चुकता करने में कोई कसर नहीं छोडना चाहेगा। भारत ने अपने पहले मैच में नेपाल को 10 विकेट से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया था। उसने 128 रन के लक्ष्य को 19.1 ओवर में हासिल कर दिया था।

मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट को कहा अलविदा, सीमित ओवरों में खेलते रहेंगे



नई दिल्ली, 7 नवंबर। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है जबकि वह सफेद गेंद के प्रारूपों में खेलते रहेंगे। अपने 13 साल के टेस्ट कैरियर में शमी ने 64 मैचों में 229 विकेट लिये और भारत के लिये वह पारंपरिक प्रारूप में छठे सबसे सफल तेज गेंदबाज रहे। उनसे अधिक विकेट कपिल देव (434), जहीर खान , ईशांत शर्मा (दोनों 311), जवागल श्रीनाथ (236) और जसप्रीत बुमराह (234) ने लिये हैं। छत्तीस बरस के शमी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के बाद से भारतीय टीम से बाहर हैं। उन्होंने शुक्रवार को देर रात इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा ," मैं सफेद जर्सी छोड़ रहा हूं लेकिन इससे जुड़ी यादों को नहीं। जब मैने पहली बार भारत की जर्सी पहनी थी तो एक ही सपना था, देश के लिये खेलना। हर विकेट, हर संघर्ष, हर चोट और हर वापसी ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है।" उन्होंने आगे लिखा ,"टेस्ट क्रिकेट मेरे लिये एक प्रारूप ही नहीं बल्कि मेरे जीवन का खास हिस्सा है। मैं आज भारी मन से असंख्य खूबसूरत यादों के साथ टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं।" उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले स्थित अपने गांव साहसपुर अलीनगर में अपने फार्महाउस से जारी वीडियो में शमी ने अपने टेस्ट कैरियर की यादें भी ताजा की। उन्होंने कहा ," यह 13 साल लंबा सफर रहा। शमी ने कहा कि टेस्ट से संन्यास से उनके कैरियर पर विराम नहीं लगा है बल्कि वह सीमित ओवरों के प्रारूपों में खेलते रहेंगे। उन्होंने कहा ," मुझे छह नवंबर को टेस्ट कैप मिली थी और मैं उसी दिन इस सफर को खत्म करना चाहता था लेकिन मैं सीमित ओवरों के प्रारूप में खेलता रहूंगा, चाहे घरेलू स्पर्धायें हो या आईपीएल।"

पहली विश्व कप जीत के इरादे से उतरेगा हैती, कोच सैंविल ने रक्षापंक्ति मजबूत करने पर जोर दिया

नई दिल्ली, 7 नवंबर। फीफा अंडर-17 विश्व कप में अब तक अपनी पहली जीत का इंतजार कर रही हैती की टीम इस बार इतिहास रचने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। मुख्य कोच कोवस्की सैंविल ने कहा है कि टीम का लक्ष्य ग्रुप चरण से आगे बढ़ना और विश्व कप में पहली जीत दर्ज करना है। इसके लिए टीम ने अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया है। फीफा अंडर-17 विश्व कप कतर 2025 में हैती को ग्रुप चरण में मिस्त्र, इंग्लैंड और वेनेजुएला के खिलाफ क्रमशः 1-4, 1-8 और 2-4 से हार का सामना करना पड़ा था। तीन मुकाबलों में टीम ने कुल 16 गोल गंवाए थे। पिछले अनुभव से सबक लेते हुए कोच सैंविल ने इस बार रक्षात्मक रणनीति पर काम किया है। सैंविल ने ब्राजील में टीम के अभ्यास शिविर में फीफा से बातचीत में कहा, "हम अपनी रक्षापंक्ति पर काम कर रहे हैं, ताकि वह एक इकाई के रूप में बेहतर प्रदर्शन करे।

गोकुलम केरल एफसी ने राजस्थान यूनाइटेड को 1-0 से हराया

जयपुर, 7 नवंबर। इंडियन फुटबॉल लीग (आईएफएल) 2026-27 सीजन के दूसरे घरेलू मुकाबले में शनिवार को राजस्थान यूनाइटेड एफसी को गोकुलम केरल एफसी के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। विद्याधर नगर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में राजस्थान यूनाइटेड ने जीत के लिए पूरा जोर लगाया, लेकिन टीम बराबरी का गोल करने में सफल नहीं हो सकी। मुकाबले में राजस्थान यूनाइटेड के खिलाड़ियों ने संघर्षपूर्ण प्रदर्शन किया, लेकिन गोकुलम केरल एफसी ने एकमात्र गोल की बदौलत पूरे तीन अंक हासिल कर लिए। राजस्थान की टीम ने मैच के अंतिम समय तक बराबरी के लिए प्रयास किए, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली।

मैच के दौरान राजस्थान में फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। मुख्य अतिथि के रूप में सुरेश मिश्रा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक एवं संरक्षक रामप्रसाद जी उपस्थित रहे। इनके अलावा राजस्थान यूनाइटेड एफसी के वरिष्ठ रणनीतिक सलाहकार एवं पीआरओ रविंद्र पांचाल, राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव दिलीप सिंह शेखावत, क्लब के संयुक्त सचिव त्रिलोक खंडेलवाल, चेयरमैन केके टाक और निदेशक रोशनी टाक भी मौजूद रहे। क्लब के चेयरमैन केके टाक ने दर्शकों और समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भले ही मैच का परिणाम उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा, लेकिन खिलाड़ियों ने मैदान पर प्रतिबद्धता और संघर्ष का परिचय दिया। टीम अपनी कमजोरियों पर काम करेगी और आगामी मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन के साथ वापसी करने का प्रयास करेगी। राजस्थान यूनाइटेड एफसी का अगला मुकाबला 15 नवंबर को समलेश्वरी स्पोर्टिंग ओडिशा के खिलाफ होगा। इस मैच में टीम जीत की राह पर लौटने के इरादे से मैदान में उतरेगी।



सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी के लिए राजस्थान की 15 सदस्यीय टीम घोषित, 11 को होगी रवाना

जयपुर, 7 नवंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) ने सैयद मुश्ताक अली टी-20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026-27 के लिए राजस्थान की 15 सदस्यीय सीनियर टीम घोषित कर दी है। टीम में दीपक चाहर, राहुल चाहर, कार्तिक शर्मा, महिपाल लोमरोड़, कुणाल सिंह राठौड़ और मुकुल चौधरी सहित प्रदेश के प्रमुख खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। टीम 11 नवंबर 2026 को जयपुर से रवाना होगी। राजस्थान को एलीट ग्रुप के लीग मुकाबलों में उत्तर प्रदेश, झारखंड, चंडीगढ़, बड़ौदा, मिजोरम, कर्नाटक और बंगाल की टीमों से खेलना है।

राजस्थान की 15 सदस्यीय टीम इस प्रकार है

दीपक चाहर (धौलपुर), अजय राज सिंह (अजमेर), कार्तिक शर्मा (भरतपुर), राहुल चाहर (भरतपुर), रामनिवास गोलाड़ा (भीलवाड़ा), रोहन राजबार (जयपुर), अभिजीत तोमर (जयपुर), हिमांशु सिंह राणा (जयपुर), हनी प्रताप सिंह (झुंझुनूं), कुणाल सिंह राठौड़ (कोटा), महिपाल लोमरोड़ (नागौर), मुकुल चौधरी (सीकर), हिमांशु नेहरा (सीकर), अभिषेक मूंड (सीकर), मानव सुथार (श्रीगंगानगर)।

लीग चरण के बाद 30 नवंबर से 4 दिसंबर तक सुपर लीग के मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि प्रतियोगिता का फाइनल 6 दिसंबर को होगा। राजस्थान की टीम इस बार खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी।

राजस्थान के लीग मुकाबलों का कार्यक्रम

14 नवंबर	राजस्थान बनाम उत्तर प्रदेश
16 नवंबर	राजस्थान बनाम झारखंड
18 नवंबर	चंडीगढ़ बनाम राजस्थान
20 नवंबर	राजस्थान बनाम बड़ौदा
22 नवंबर	राजस्थान बनाम मिजोरम
24 नवंबर	कर्नाटक बनाम राजस्थान
26 नवंबर	बंगाल बनाम राजस्थान

वंचित तबके तक पहुँचाएं योजनाओं का लाभ, यही समय है, सही समय है- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम में शिरकत की और कार्यकर्ताओं को दीपोत्सव की शुभकामनाएं दीं

जयपुर, 7 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि दीपावली का पर्व हमें सनातन संस्कृति, विरासत और संस्कारों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है। यह पर्व प्रभु श्रीराम के अयोध्या लौटने की खुशी में मनाया जाता है। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम ने सभी को साथ लेकर चलने का काम किया। हमें भी भगवान श्रीराम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से प्रेरणा लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के संकल्प के साथ विकसित राजस्थान का सपना साकार करना है।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि दीपावली का पर्व, हमें सनातन संस्कृति, विरासत और संस्कारों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को सांगानेर में आयोजित दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में खुशहाली से ही रामराज्य की परिकल्पना साकार हो सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केन्द्र एवं राज्य सरकार गरीब कल्याण के लिए कार्य कर रही हैं। इसी का परिणाम है कि हाल ही में जारी वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में पिछले 12 वर्षों में 50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को सांगानेर में आयोजित दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के विचार को आत्मसात करते हुए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विगत पौने तीन वर्षों से राजस्थान की जनता की सेवा में एक सेवक के रूप में जुटी हुई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आ ान करते हुए कहा कि राजस्थान को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए 'यही समय है-सही समय है'।

इस अवसर पर उन्होंने सपत्नीक उपस्थित रहकर जनप्रतिनिधियों, भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आत्मीय मुलाकात की और मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली, 07 नवंबर। दीवाली की पूर्व संध्या, छोटी दीवाली के अवसर पर पीएम मोदी ने देशावासियों के नाम एक वीडियो संदेश जारी किया। इस वीडियो के माध्यम से पीएम मोदी ने देशवासियों को दीवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं, साथ ही उनके जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की।

इसके साथ ही पीएम मोदी ने दोहराया कि इस बार भी वे जवानों के साथ दिवाली मनाने की अपनी पुरानी परंपरा को जारी रखेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि रोशनी का यह पावन पर्व देश में चारों ओर उत्साह भर देता है और यह बुराई व अंधकार के खिलाफ भारत के मजबूत संकल्प को दर्शाता है।

9 नवम्बर से कैंसर की दवाएं सस्ती होंगी

नई दिल्ली, 07 नवंबर। कैंसर का इलाज करा रहे मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। केन्द्र सरकार ने कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 1000 से ज्यादा ब्रांड की दवाइयों की कीमतें कम कर दी हैं। नई कीमतें 9 नवंबर 2026 से लागू होंगी।

राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण के अनुसार, अब तक 76 दवा कंपनियों ने 1225 दवाइयों की नई कीमतों की जानकारी दी है।

एक लव स्टोरी, जो एक अपनत्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामने यह घोषणा की है कि भारत लोकतंत्र की जननी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ही जोर देकर कहा था कि भारत लोकतंत्र की जननी है।"

केन्द्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने भी सोनिया गांधी पर जवाबी हमला किया। उन्होंने कहा कि नौ राज्यों में कांग्रेस पिछले चालीस वर्षों से सत्ता में नहीं आई है। भाजपा मंत्री ने कहा, "यह वही कांग्रेस है, जिसने आपातकाल लगाया था और लोगों की आवाज़ दबा दी थी।" इसी साक्षात्कार में सोनिया गांधी ने उन बिगड़ती परिस्थितियों का भी जिक्र किया, जिनकी वजह से आपातकाल लगाया गया था। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने बाद में आपातकाल के दौरान हुई ज्यादतियों पर सार्वजनिक रूप से खेद व्यक्त किया था।

उन्होंने कहा, "जब मैं उस दौर को याद करती हूँ और श्रीमती गांधी के नज़रिए से परिस्थितियों को समझने की कोशिश करती हूँ, तो मुझे लगता है कि वे तेजी से बिगड़ते हालात से निपटने के लिए भारी संघर्ष कर रही थीं। उस समय हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहे थे, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक परिवहन के साधनों में आग लगाई जा रही थी, बड़े पैमाने पर संगठित अशांति फैली हुई थी और यहाँ तक कि सरकारी अधिकारियों तथा सशस्त्र बलों से आदेशों का पालन न करने की अपील भी की जा रही थी।"

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आपातकाल लगाने का फैसला अंततः लोकतांत्रिक तरीके से ही सुलझाया गया था। उन्होंने आगे कहा, "आज पीछे मुड़कर देखने से हम उस समय की परिस्थितियों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि खुद श्रीमती गांधी ने ही बाद में हालात को समझा और मार्च 1977 में चुनाव कराने का फैसला किया। आप अच्छी तरह जानते हैं कि उन्होंने बाद में आपातकाल के दौरान हुई ज्यादतियों पर सार्वजनिक रूप से खेद जताया और माफी भी माँगी थी।"

कांग्रेस नेता ने स्वीकार किया कि "राजनीति में कभी-कभी समझौते करना मजबूरी हो सकता है", लेकिन उन्होंने कहा कि उन्होंने और उनकी पार्टी ने "भाजपा और आरएसएस के साथ कभी कोई समझौता नहीं किया है और न ही कभी करेंगे।"

कांग्रेस को 2014, 2019 और 2024 में लगातार तीन लोकसभा चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा और पार्टी अब तक इस गिरावट के रुझान को पलटने में सफल नहीं हो पाई है। पार्टी ने चुनाव आयोग के भीतर कथित अशांति को लेकर "द इंडियन एक्सप्रेस" की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि चुनावों में धांधली की गई है।

कांग्रेस ने मतपत्रों के जरिए दोबारा मतदान कराने की व्यवस्था अपनाने की माँग भी की है।

"द इंडियन एक्सप्रेस" की रिपोर्ट में बताया गया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण, यानी एसआईआर की प्रक्रिया से जुड़े फैसलों और आदेशों पर चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों के दौरान 14 बार आधिकारिक रूप से अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी।

सोनिया गांधी ने दावा किया कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद से, उनकी कांग्रेस पार्टी और अन्य विपक्षी दलों को "समान अवसर नहीं मिले हैं।" गांधी ने कहा, "मैं इतनी निराशावादी नहीं हूँ। इस बात पर विचार कीजिए कि जब से यह सरकार सत्ता में आई है, तब से कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को समान अवसर नहीं मिले हैं। सभी संस्थाओं पर उनका पूर्ण नियंत्रण है, खासकर चुनाव आयोग पर। मुख्यधारा के मीडिया पर उनका नियंत्रण है, उनके पास धनबल है और वे धर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा, "इसके बावजूद हमारी पार्टी संघर्ष कर रही है और आगे बढ़ रही है। वास्तव में, हमारी पार्टी ही ऐसी है, जिसने इस हमले का सामना करने की क्षमता दिखाई है। हमारे कार्यकर्ताओं और नेताओं ने बहुत साहस दिखाया है। उन्होंने हर तरह के उत्पीड़न का सामना किया है, लेकिन इसके बावजूद हर गाँव और हर जिले में कांग्रेसी कार्यकर्ता हमारे संविधान में दिए गए मूल्यों के लिए लड़ रहे हैं। इसके अलावा, हाल के महीनों में यह बात अच्छी तरह साबित हुई है कि कई चुनावों में धांधली हुई है और अब लोग इसके प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं।"

सोनिया गांधी ने कहा कि कांग्रेस समान विचारधारा वाले राजनीतिक दलों के साथ मिलकर काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी की "संभावनाएँ दिन-ब-दिन बेहतर हो रही हैं।" सोनिया गांधी ने संकेत दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साधारण पृष्ठभूमि और उनके चाय बेचने वाले होने की बात को उनकी प्रचार टीम ने शायद बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया हो। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि "मोदी ने निश्चित रूप से एक वंचित पृष्ठभूमि से उठकर आरएसएस के भीतर अपना स्थान बनाते हुए सत्ता तक पहुँचने का सफर तय किया है।" उन्होंने कहा, "यह सच है कि वे बिल्कुल अलग विचारधारा की दुनिया से आते हैं। लेकिन राजनीति में सफल होने के कई तरीके होते हैं। कांग्रेस पार्टी में ही उदाहरण के तौर पर डॉ. मनमोहन सिंह और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को देख लीजिए। मुझे नहीं लगता कि हमें आरएसएस से कुछ सीखने की जरूरत है।"

'जो राम को लाए हैं, वो 2027 में कृष्ण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने भगवान कृष्ण की पारंपरिक त्रिभंग मुद्रा का उल्लेख करते हुए उन्हें तीन जगह से टेढ़ा बताया। उन्होंने बाँसुरी के महत्व पर भी सवाल उठाया और भगवान राम की सीधी मुद्रा तथा धनुष की तुलना में भगवान कृष्ण के स्वरूप को कमतर बताया। बाद में उन्होंने माफी माँगते हुए स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणियाँ संदर्भ के अनुसार थीं। उन्होंने कहा कि राम तथा कृष्ण तो एक ही हैं। विपक्षी नेताओं, खासकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव ने शास्त्री पर धार्मिक भावनाओं का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने उनके कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगाने तथा उत्तर प्रदेश में उनके आयोजनों को रद्द करने की माँग की। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा इस कथावाचक को संरक्षण दे रही है। मथुरा-वृंदावन के धार्मिक नेताओं ने भी उनकी टिप्पणियों की निंदा की। इसके विपरीत, भाजपा और उत्तर प्रदेश सरकार ने, माफी के बाद, इस मामले पर रणनीतिक चुप्पी बनाए रखी तथा इसे अधिक महत्व नहीं दिया। कुछ नेता तो इसे खत्म हो चुका मामला बता रहे हैं। इस बीच, शास्त्री 17 से 20 नवंबर तक प्रतापगढ़ जिले के कुंडा में राजा भैया (रघुराज प्रताप सिंह) की राजभवन हवाई पट्टी पर राम कथा करने वाले हैं। निर्दलीय विधायक के "जनसत्ता दल" की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का विशेष महत्व है। इसे अखिलेश यादव की प्रतिबंध लगाने की माँग के जवाब में शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। साथ ही, यह पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्थानीय प्रभाव बढ़ाने का एक माध्यम भी बन सकता है, जहाँ राजा भैया का अभी भी अच्छा प्रभाव है। इस आयोजन से प्रशासनिक अनुमति का मामला भी जुड़ा है और इससे राजनीतिक माहौल में और ध्रुवीकरण हो सकता है। आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए, भाजपा मथुरा को केन्द्र में रखकर हिंदुत्व के मुद्दे पर लोगों को जोड़ने की रणनीति पर काम कर रही है। इसलिए शास्त्री का यह मामला केवल एक अलग विवादित टिप्पणी का मामला कम तथा बदलते राजनीतिक परिदृश्य का एक हिस्सा अधिक लगता है, जहाँ धर्म, जाति और चुनावी गणित एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

'13629 फीट उड़ुयन इतिहास में नई ऊँचाई'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। इण्डियन एयर फोर्स (आईएएफ) के रूस में बने इल्युशिन आईएल-76एमडी परिवहन विमान ने लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की। वायुसेना के अनुसार, यह इस प्रकार के विमान की दुनिया में अब तक की सबसे अधिक ऊंचाई पर की गई लैंडिंग है।

- भारतीय वायु सेना के रूस निर्मित ट्रांसपोर्ट विमान ने 13629 फीट ऊँचाई पर उड़ान भर कर 13600 फीट पर बने एयरबेस पर लैंडिंग की।

यह एयरबेस समुद्र तल से लगभग 13,600 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और चीन के लगी लाइन ऑफ एक्चुअल कन्ट्रोल (एलएसी) से करीब 25 किलोमीटर दूर है।

वायुसेना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस असाधारण एवं अभूतपूर्व लैंडिंग का वीडियो साझा करते हुए कहा, "13,629 फीट। विमानन इतिहास में एक नई ऊंचाई। भारतीय वायुसेना के आईएल-76एमडी ने न्योमा में सफल लैंडिंग कर इतिहास रच दिया है। यह दुनिया में इस विमान की अब तक की सबसे अधिक ऊंचाई पर हुई लैंडिंग है।"

वायुसेना ने इस चुनौतीपूर्ण लैंडिंग को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए विमान के चालक दल की सराहना की।

कश्मीर व लद्दाख में भारी शीत लहर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। शनिवार को जारी मौसम संबंधी आंकड़ों के अनुसार, कश्मीर घाटी के कई इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है और तापमान शून्य के आसपास या उससे नीचे पहुंच गया है। पुलवामा में न्यूनतम तापमान -0.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पहलगाम में यह शून्य डिग्री और कोकरनाग में 0.2 डिग्री सेल्सियस रहा। श्रीनगर और काजीगुंड, दोनों जगह न्यूनतम तापमान 2.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

लद्दाख में तापमान इससे भी काफी नीचे रहा। लेह में न्यूनतम तापमान -4.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और मौसम विज्ञान केंद्र, श्रीनगर के अनुसार, ठंड बढ़ने की मुख्य वजह साफ आसमान, शुष्क महाद्वीपीय हवाएं और मौसम के स्थिर रहने के कारण रात में धरती की सतह से तेजी से ऊष्मा का निकलना है। एक नया पश्चिमी विक्षोभ 10-11 नवंबर को क्षेत्र में पहुंच सकता है। इसके प्रभाव से 10 नवंबर की शाम से कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है। 12-13 नवंबर को आसमान में बादल छाए रहने का अनुमान है।

- भारतीय मौसम विभाग ने कहा कि आसमान साफ होने, हवा शुष्क होने से ठंड और बढ़ सकती है।

राहुल का दावा, एसआईआर पर "कन्फ्यूज़्ड" है सरकार

अपने दावे की पुष्टि के लिए राहुल ने गृह मंत्री अमित शाह के दो बयानों की वीडियो क्लिप शेयर की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। राहुल गांधी, जो लगभग हर दिन या हर दूसरे दिन "मेरे साथ बहस करें" जैसी चुनौती देते रहते हैं, वे एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके माध्यम से भाजपा से मतदाता सूचियों के स्पैशल इन्टैंसिव रिविज़न (एसआईआर) को लेकर सवाल पूछ रहे हैं। अपने ताजा पोस्ट में, जिसे उन्होंने एक्स पर पिन किया है, गांधी ने दो छोटे वीडियो साझा किए हैं। इनमें से एक पिछले साल का और दूसरा गुरुवार का है। इन वीडियो के जरिए, उन्होंने एसआईआर पर बहस को लेकर सत्तारूढ़ दल के भीतर ही कथित उलझन की ओर इशारा किया है।

पिछले साल 5 दिसंबर के वीडियो में अमित शाह कहते सुनाई देते हैं, "मेरा स्पष्ट मानना है कि इस सदन में एसआईआर पर चर्चा नहीं हो सकती: अगर इस पर चर्चा होती है और कुछ सवाल उठाए जाते हैं, तो उनका जवाब कौन देगा?"

गुरुवार के वीडियो में शाह कहते हैं, "आप मोदी जी को बहस की चुनौती दे रहे हैं, तो सुनिए राहुल जी, इसके लिए मोदी जी की जरूरत नहीं है। हम एसआईआर पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार हैं।" इस पर मुस्कराते हुए राहुल गांधी कहते हैं, "ये लोग कन्फ्यूज़न में आ गए हैं।" अपनी पार्टी के बचाव में उतरे केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी पर आरोप लगाया कि वे "अमित शाह के वीडियो को काट-छांटकर और संदर्भ से हटाकर फैला रहे हैं।"

- गत वर्ष 5 दिसंबर के वीडियो में शाह कह रहे हैं कि एसआईआर पर संसद में चर्चा नहीं हो सकती, क्योंकि सवाल उठे तो जवाब कौन देगा?
- गुरुवार की क्लिप में अमित शाह, एसआईआर पर संसद में विशेष सत्र बुलाने की बात कर रहे हैं।

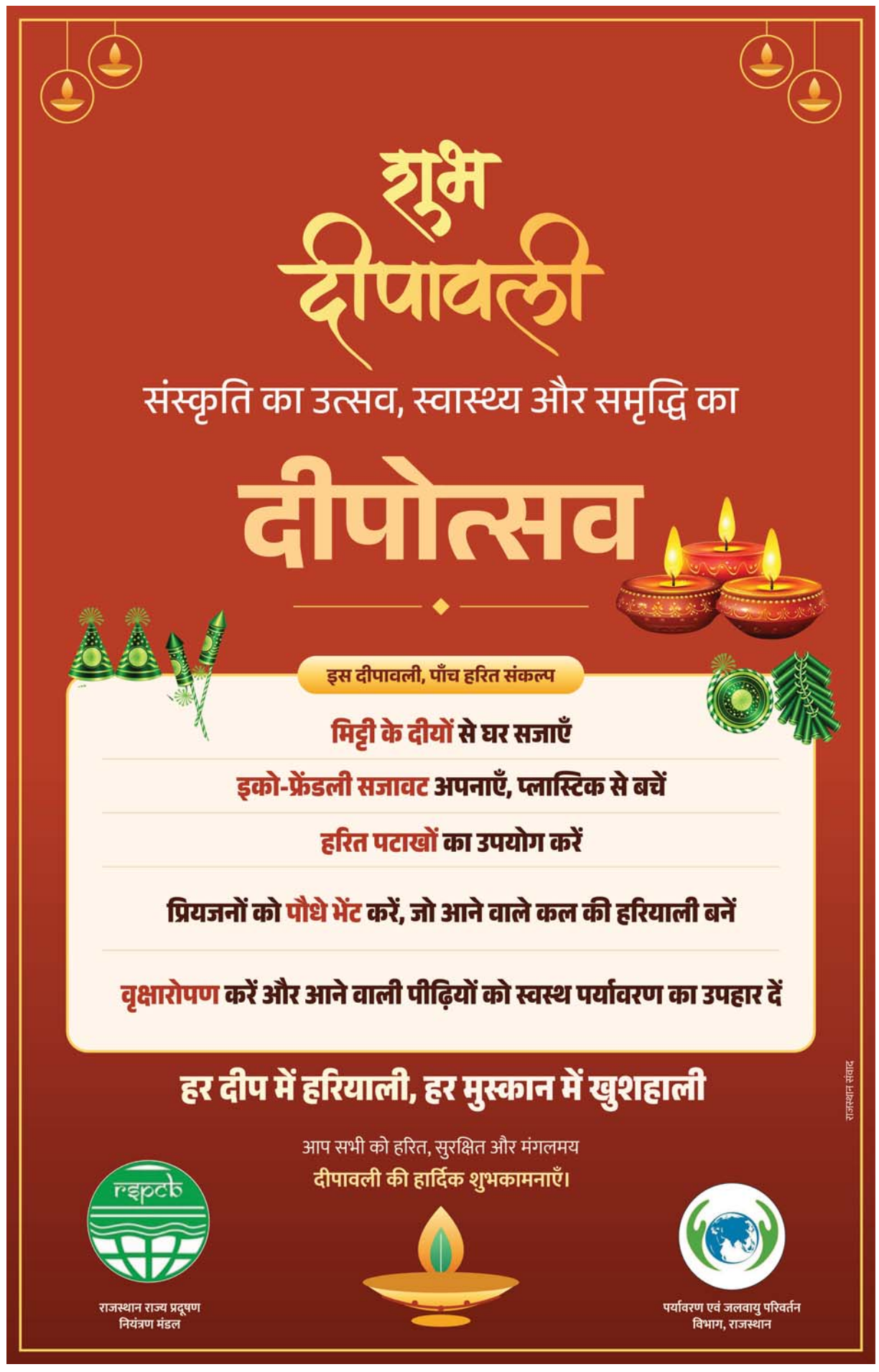
जोशी ने कहा, "गृह मंत्री अमित शाह जी का कटा-छंटा और संदर्भ से हटकर वीडियो प्रसारित करना केवल एक बात दिखाता है-एसआईआर पर राहुल गांधी ने बिल्कुल भी होमवर्क नहीं किया है।"

ज्ञातव्य है कि जोशी ने जुलाई के आखिर में नीट प्रश्नपत्र लीक के मामले और दिल्ली में छात्रों के बड़े पैमाने पर प्रदर्शनों के बीच धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के बाद, हाल ही में शिक्षा मंत्री का पद संभाला है। हालांकि पिछले साल दिसंबर में एसआईआर को लेकर अमित शाह ने जो कहा था, वह राहुल गांधी द्वारा साझा किए गए वीडियो से मेल खाता हुआ प्रतीत होता है। संसद में शाह ने कहा था, "मेरा दृढ़ मत है कि इस सदन में एसआईआर पर चर्चा नहीं हो सकती, क्योंकि एसआईआर का काम भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा किया जा रहा है। भारतीय निर्वाचन आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त सरकार के अधीन काम नहीं करते। अगर इस पर चर्चा होती है और कुछ सवाल उठाए जाते हैं, तो उनका जवाब कौन देगा? जब उन्होंने कहा कि वे चुनाव सुधारों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, तो हमने तुरंत सहमति दे दी। आज चर्चा वास्तव में चुनाव सुधारों पर ही केन्द्रित है।"

ऐसा लगता है कि गृह मंत्री ने चुनाव सुधारों पर चर्चा और एसआईआर के बीच स्पष्ट अंतर रखा है। हालांकि जोशी का मानना है कि राहुल गांधी द्वारा पोस्ट की गई क्लिप के साथ छेड़छाड़ की गई है।

वहीं, इस नवंबर में अमित शाह ने संकेत दिया है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार है। अपनी बात के समर्थन में केन्द्रीय मंत्री ने कांग्रेस नेता को याद दिलाया कि उनकी पार्टी ने तब भी करारी हार का सामना किया था, जब एसआईआर नहीं हुआ था। कांग्रेस 2014, 2019 और 2024 में लगातार तीन लोकसभा चुनाव हार गई थी।जोशी ने कहा, "राहुल जी, भ्रम आपके मन में है, हमारे नहीं! जब आप चुनाव जीतते हैं, तो चुनाव प्रक्रिया स्वीकार्य होती है; लेकिन जब हारते हैं, तो वही प्रक्रिया अचानक सवालों के घेरे में आ जाती है। क्या लोकतंत्र को लेकर आपकी यही समझ है? आपने 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव तब भी हारे थे, जब एसआईआर नहीं हुआ था। क्या आप उन हारों की जिम्मेदारी लेंगे या किसी और को दोष देंगे?" जोशी, जो फरवरी में संसद के बाहर एक प्रैस ब्रीफिंग के दौरान, कांग्रेस नेता के पास आने पर वहां से हटते हुए नज़र आए थे, उन्होंने गांधी पर "राजनीतिक नाटकबाजी" करने का आरोप लगाया और उनसे संसद में आकर तथ्यों के साथ बहस करने को कहा।

उन्होंने कहा, "अब, जब गृह मंत्री अमित शाह जी ने आपको संसद में एसआईआर पर चर्चा की खुली चुनौती दी है और विशेष सत्र बुलाने की पेशकश भी की है, तो फिर हिचकिचाहट क्यों? बहुत हो गई राजनीतिक नाटकबाजी, राहुल जी। अपने तर्क संसद में रखिए और तथ्यों के साथ बहस कीजिए।"



राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908